हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 10.07.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 347 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

हाथरस हादसे में एसडीएम-सीओ समेत छह अधिकारी निलंबित

हाथरस : उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराराऊ में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में 121 लोगों की जान चली गई। इस भयावह घटना की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अब अपनी रिपोर्ट में आयोजकों, अधिकारियों को दोषी ठहराया है, जिसके आधार पर राज्य सरकार ने छह अधिकारियों को निलंबित कर दिया। योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंगलवार को संबंधित उप जिलाधिकारी (एसडीएम) और पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) समेत छह लोगों को निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। गौरतलब है कि उक्त बयान में एसआईटी की जांच के तथ्यों को सार्वजनिक किया गया है, जिसके अनुसार जांच समिति ने भगदड़ में साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया है। साथ ही कार्यक्रम आयोजक तथा तहसील स्तरीय पुलिस तथा प्रशासन को भी दोषी पाया है। बहरहाल, एसआईटी की संस्तुति पर एसडीएम, सीओ, तहसीलदार, निरीक्षक, चौकी प्रभारी को अपने दायित्व के निर्वहन में लापरवाही के जिम्मेदार ठहराते हुए निलंबित कर दिया गया है।

उप्र के महोबा में दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में चार जिंदा जले, तीन जख्मी

महोबा : उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में तेज रफ्तार दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गईं। हादसे में दोनों वाहनों में आग लगने से मामा-भांजे समेत चार लोग जिंदा जल गए और तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय पुलिस के मुताबिक मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के पीरा गांव निवासी दीपचंद्र का पुत्र ललतेश (22) अपने मामा कमलेश की बेटी की शादी में शामिल होने के लिए मलहरा गांव जा रहा था। बाइक पर उसके साथ उसकी बहन केसर (20), भांजा देवेंद्र (06) और राज (05) सवार थे। चितैया के पास पहुंचते ही सामने से आ रही दूसरी बाइक उनकी बाइक से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार मामा ललतेश और भांजा राज एवं दूसरी बाइक पर सवार जालौन के बरा गांव निवासी चंद्रभान और श्रीनगर के भंडरा गांव निवासी सुनील राही की जिंदा जलने से मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये। सूचना पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने धू-धूकर जल रही मोटरसाइकिलों को बुझाया। केसर जहां और देवेंद्र की हालत गंभीर होने पर उनको मेडिकल कॉलेज भेजा गया। पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता और एडीएम रामप्रकाश अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया।

सिख फॉर जस्टिस पर पांच साल के लिए प्रतिबंध बढ़ा

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सिख फॉर जस्टिस पर अगले पांच सालों के लिए प्रतिबंध को बढ़ा दिया है। संगठन पर 2019 पर देश विरोधी गतिविधियों के चलते प्रतिबंध लगाया गया था। गृह मंत्रालय के अनुसार संगठन पंजाब और देश के अन्य भागों में चरमपंथ और आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देकर भारत से अलग एक खालिस्तान बनाना चाहता है। संगठन पर अलगाववादियों को मदद पहुंचाने का आरोप है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर किए जा रहे नियुक्ति प्रक्रिया की समीक्षा की

5 हजार पुलिस एवं 583 उत्पाद सिपाही की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लायें : हेमन्त सोरेन

- फील्ड लेवल पुलिस पदाधिकारी जनता दरबार लगाएं।
- कांटाटोली फ्लाईओवर तथा सिरमटोली से मेकॉन चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करें।
- स्मार्ट सिटी में ताज होटल एवं अपोलो अस्पताल का निर्माण प्राथमिकता।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया, रांची में निमार्णाधीन कांटाटोली फ्लाईओवर तथा सिरमटोली से मेकॉन चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर निर्माण कार्य के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसी सभी नियुक्तियां जो प्रक्रियाधीन हैं, उन नियुक्ति प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में मानव संसाधन का अभाव होने से विभागीय कार्यक्षमता के साथ-साथ सरकार द्वारा जनहित में संचालित योजनाओं-परियोजनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है अतएव सभी नियुक्तियां निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत पूरी कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सितम्बर माह 2024 के अंत तक राज्य सरकार के विभिन्न सरकारी विभागों में लगभग 30 हजार रिक्त पदों पर नियुक्ति किए जाने का लक्ष्य है, इन नियुक्तियों को हर हाल में पूरा करने की दिशा में हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में 5 हजार पुलिस तथा 583 उत्पाद सिपाही नियुक्ति प्रक्रियाओं में भी तेजी लाने का निर्देश दिया है। बैठक में मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने अवगत कराया कि 583 उत्पाद सिपाही की दौड़ प्रक्रिया जुलाई माह 2024 के अंत तक तथा 5 हजार पुलिस बहाली की दौड़ प्रक्रिया 15 अगस्त 2024 तक पूरी कर ली जाएगी।

फ्लाईओवर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सिरमटोली से मेकॉन चौक तक बनाए जा रहे निमार्णाधीन फ्लाईओवर निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करें। निर्माण कार्य में अगर कोई बाधा पहुंच रही है तो उसका जल्द समाधान निकालकर कार्य प्रगति में तेजी लाएं। मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांटाटोली फ्लाईओवर निर्माण कार्य भी जल्द पूरा करें, अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार से निर्माण कार्य में विलम्ब न हो यह सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्मार्ट सिटी रांची में ताज होटल तथा अपोलो अस्पताल का निर्माण किया जाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। स्मार्ट सिटी में ताज होटल निर्माण हेतु नगर विकास विभाग के अधिकारी ताज होटल प्रबंधन से समन्वय स्थापित कर शीघ्र कार्य योजना तैयार करें तथा अपोलो अस्पताल स्थापित किए जाने निमित्त सभी जरूरी प्रक्रिया जल्द पूरा करें।

फील्ड लेवल पुलिस पदाधिकारी जनता दरबार अवश्य लगाएं

बैठक में मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को रांची, जमशेदपुर तथा धनबाद शहर में पुलिसिंग व्यवस्थाओं में सुधार लाने तथा आधुनिक उपकरणों का उपयोग सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि फील्ड लेवल पुलिस पदाधिकारी अपने क्षेत्र में जनता दरबार का आयोजन अवश्य करें। पुलिस अधिकारी जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याओं को सुने तथा समस्याओं का निदान भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्बन तथा रूरल क्षेत्रों में पुलिस अपनी सक्रियता बढ़ाए, जिससे अपराधियों के मन में भय उत्पन्न हो।

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव एल खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव विनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अध्यक्ष प्रशांत कुमार, नगर विकास सचिव अरवा राजकमल, एडीजी हेडक्वार्टर आरके मल्लिक, एडीजी ऑपरेशन संजय आनंद लाटकर, आईजी रांची अखिलेश झा, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पदभार ग्रहण करते ही एक्शन में दीपिका पांडे, कहा-

किसानों का दो लाख रुपये तक का लोन जल्द होगा माफ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की नव नियुक्त कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। नेपाल हाउस मंत्रालय में कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पदभार ग्रहण करते ही दीपिका एक्शन में नजर आईं। पद संभालने के बाद जोहार लाइव से बातचीत में दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि सरकार के पास कम समय बचे है। ऐसे में सभी योजनाओं को धरातल पर उतराने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि पहले विधायक थीं तब भी किसानों की समस्या को दूर करने का काम करती थीं। अब मंत्री बनी हैं तो किसानों से संबंधित सभी योजनाओं को हर हाल में किसानों तक पहुंचना उनकी जिम्मेवारी है। मंत्री ने कहा कि हाल ही में सरकार ने किसानों का दो लाख रुपये लोन माफ करने का फैसला लिया है। वह इसे जल्द पूरा करने का काम करेंगी। कहा कि झारखंड का कोई भी किसान अब बदहाल नहीं रहेगा। सरकार उनकी हर संभव मदद करेगी।

किसानों को फसलों का पूरा दाम मिले

दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि सरकार बनने के साथ ही किसानों की समस्या को प्रमुखता से दूर किया जा रहा है। कृषि विभाग किसानों की आमदनी बढ़ाने, उन्हें आर्थिक मदद करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। निश्चित रूप से इन योजनाओं से किसानों की बदहाली दूर हो रही है। मंत्री ने कहा कि अब उन्होंने पदभार ग्रहण किया है तो जो काम पूर्व से चल रहे हैं उसे गति देने का काम करेंगी। उनकी प्राथमिकता में है कि किसानों को उनकी फसल का दाम पूरा मिले। उनकी पार्टी कांग्रेस ने शुरू से ही किसानों के आय दोगुनी करने पर फोकस रखा है।

किसानों तक पानी पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी

कृषि मंत्री ने कहा कि खेती सिंचाई पर निर्भर है। किसानों तक पानी पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। मेरा प्रयास होगा कि राज्य के किसानों का जीवन आसान हो। किसानों की खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए कृषि विभाग के अंदर इंटर डिपार्टमेंट बनाने की कोशिश होगी, जो विभाग और किसानों के बीच सामंजस्य स्थापित करे। दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि कृषि विभाग के में काम करने वाले लोग भी अपनी मांगें सरकार के पास रखते रहे हैं। विभाग में काम करने वालों की भी समस्याओं को दूर करने उनकी प्राथमिकता है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रमेश शरण का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और झारखंड के विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ रमेश शरण का सोमवार देर रात कोलकाता के एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन पर मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख व्यक्त किया है और इसे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया है कि मैं डॉ रमेश शरण के निधन से व्यक्तिगत

रूप से काफी मर्माहत हूं। यह झारखंड के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं मरांग बुरु से उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने डॉ रमेश शरण के निधन पर शोक जताया और उन्हें जनवादी अर्थशास्त्री बताया, जो जनहित के लिए काम करते थे। उन्होंने कहा कि वे हाशिए पर मौजूद समुदायों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध थे। डॉ शरण एक दयालु इंसान थे। हम उन्हें एक महान शिक्षक, विद्वान और मित्र के रूप में प्रेम पूर्वक याद रखेंगे।

पीएम मोदी को मिला रूस का सबसे बड़ा नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल'

एजेंसी

मॉस्को : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को रूस के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से नवाजा गया है। पीएम मोदी को मिला यह पुरस्कार इस बात का प्रमाण है कि रूस और भारत के बीच एक खास रणनीतिक साझेदारी विकसित करने और दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने में उन्होंने विशेष योगदान दिया है।

पीएम मोदी दो दिवसीय रूस दौरे पर सोमवार को मॉस्को पहुंचे थे, जहां राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कई अहम मुद्दों पर उनकी बातचीत हुई। 1698 में जार पीटर द ग्रेट द्वारा यीशु के पहले प्रेरित और रूस के संरक्षक संत, सेंट एंड्रयू के सम्मान में स्थापित, ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सबसे उत्कृष्ट नागरिक या सैन्य योग्यता के लिए सम्मानित किया जाता है।

2019 में, भारत में रूसी दूतावास ने घोषणा की, 12 अप्रैल को नरेंद्र मोदी को रूस और भारत के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी और रूसी और भारतीय लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने में असाधारण सेवाओं के लिए ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल से सम्मानित किया गया था।

इससे पहले, क्रेमलिन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में पीएम मोदी ने युक्रेन जंग के संदर्भ में कहा कि हमारी भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य के लिए शांति अत्यधिक सर्वाधिक है। लेकिन, मैं ये भी जानता हूं कि युद्ध के मैदान में समाधान संभव नहीं होते हैं।

रिम्स शासी परिषद की बैठक में 37 प्रस्तावों पर लगी मुहर

कैंसर रोगियों के लिये जल्द शुरू होगी इमरजेंसी सेवा : बन्ना

बैठक के अन्य फैसले

- रिम्स में 783 करोड़ रुपये की लागत से वृद्धिकरण, जीर्णोद्धार और बाउंड्री वॉल का काम होगा।
- एमआरआई की मशीन की खरीदारी जल्द की जाएगी।
- 5 प्रोटोकॉल ऑफिसर की होगी नियुक्ति।
- 15 करोड़ रुपये की वित्तीय शक्ति स्वास्थ्य मंत्री को दी गई।
- 129 अनुबंध दैनिक कर्मियों का होगा नियमितीकरण।
- 10 वर्षों से अधिक सेवा देने वाले अनुबंध कर्मियों की रोस्टर के आधार पर होगी स्थाई नियुक्ति।
- दुर्गा पूजा के पहले क्षेत्रीय नेत्र संस्था को शुरू करने पर लगी मुहर।
- 20 करोड़ की लागत से 310 आश्रय गृह के लिए संचालन के लिए होगी निविदा।
- रिम्स में खुलेगा रीजनल क्लिनिकल ट्रायल यूनिट।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में रीजनल क्लिनिकल ट्रायल यूनिट खुलने का रास्ता साफ हो गया है। रांची में क्लिनिकल ट्रायल शुरू होने वाला है। रिम्स शासी परिषद की हुई बैठक में मंगलवार को ये फैसला लिया गया। इसमें आईसीएमआर इंटेंट को कमरा आवंटित करने समेत 37 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में 55वीं, 56वीं और 57वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के संपुष्टि भी की गई। रिम्स शासी परिषद ने बैठक में कहा कि प्रशासनिक भवन के पहले और दूसरे तल्ले पर बड़े-बड़े हॉल का एल्यूमिनियम पार्टीशन कर एक केबिन आईसीएमआर इंटेंट (इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के इंडियन क्लिनिकल ट्रायल एंड एजुकेशन नेटवर्क) को आवंटित कर दिया जाये। रिम्स में इग्नू को भी जगह मिल सकेगी। इसके अलावा पीजीडीएचएचएम समेत कई कोर्स की पढ़ाई भी संस्थान में हो सकेगी।

शासी परिषद की बैठक में इस पर भी मुहर लग गयी है। बैठक में 60 साल पुरानी बिल्डिंग का जीर्णोद्धार करने और परिसर का कायाकल्प करने पर निर्णय लिया गया। इसके अलावा एमआरआई मशीन की खरीदारी में सिंगल टेंडर के आड़े आने वाली समस्या को दूर कर रिपीट ऑर्डर पर मशीन खरीदने समेत कई प्रस्तावों पर मुहर लगी। रिम्स शासी परिषद की बैठक स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में परिषद के सदस्य रांची के सांसद सह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, कांके के विधायक समरी लाल, रिम्स के निदेशक डॉ राज कुमार, रिनपास के डायरेक्टर, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह, रांची विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर, स्वास्थ्य विभाग के वरीय पदाधिकारी शामिल हुए। एम्स के डायरेक्टर इस मीटिंग में ऑनलाइन जुड़े थे।

ऑपरेशन कगार ने तोड़ दी नक्सलियों की कमर, विरोध में आज कोल्हान बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के कोल्हान में नक्सलियों के आज 10 जुलाई को बुलाये गए बंद के मद्देनजर झारखंड पुलिस अलर्ट पर है। बंद को लेकर झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि लगातार अपने प्रभाव क्षेत्र में हार की वजह से नक्सली बौखलाए हुए हैं। यही वजह है कि अब बंद का ऐलान कर रहे हैं। बंद को लेकर झारखंड पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर है। पुलिस कोल्हान में लगातार अपने आप को और मजबूत कर रही है।

भाकपा माओवादियों के दक्षिणी जोनल कमेटी के प्रवक्ता अशोक ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बंद का ऐलान किया है। प्रेस रिलीज में यह कहा गया है कि झारखंड पुलिस और अर्धसैनिक बलों के द्वारा ऑपरेशन क्लीन चलाकर हमारे छह साथियों को बर्बर तरीके से मार डाला गया। पुलिस के इस नरसंहार के खिलाफ 10 जुलाई को कोल्हान बंद का ऐलान किया जाता है।

बंद के दौरान प्रेस, चिकित्सा, एंबुलेंस, बच्चों और मरीजों के अलावा इमरजेंसी सेवाओं को नक्सलियों ने मुक्त रखा है।

दूसरी ओर पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिले के चक्रधरपुर सोनुआ मुख्य मार्ग के रंगामाटी क्षेत्र में नक्सलियों ने माओवादी पोस्टर और बैनर लगाकर 10 जुलाई की बंद को सफल बनाने का आह्वान किया है। पोस्टर में लिखा है कि नक्सलियों ने कोल्हान सारंडा लिपुंगा के शहीद वीरांगनाओं को शत-शत लाल सलाम। मार का बदला मार है। खून का बदला खून। निवेदक में दक्षिण जोनल कमेटी भाकपा माओवादी लिखा है। इसी तरह पोस्टर में नक्सलियों ने नक्सल विरोधी अभियान का विरोध किया है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर कोल्हान में लगातार नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान लगातार पुलिस को सफलता भी मिल रही है। बंद के दौरान जवानों को अलर्ट किया गया है। नक्सली अपने बंद को सफल बनाने के लिए पुलिस पर हमला भी कर सकते हैं।

एक नजर

बैंक ऑफ इंडिया करियातपुर में कल समझौता दिवस होगा आयोजन

बरही : बैंक ऑफ इंडिया देश भर में अपनी सभी शाखाओं व अंचल और एफजीएमओ में एकमुश्त समझौता (ओटीएस) के तहत उधारकताओं के एनपीए ऋण खातों का निपटान करने के लिए 11 जुलाई 2024 (गुरुवार) को समझौता दिवस का आयोजन कर रहा है। इस बाबत बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक सूरज एक्का ने ग्राहकों से अपील करते हुए कहा कि समझौता दिवस विशेष रूप से उन एनपीए उधारकताओं के लिए आयोजित किया गया है, जो उधारकर्ता व्यवसाय चिकित्सा स्थिति में परेशानी या किसी अन्य वास्तविक कारण के कारण समय पर अपना ऋण नहीं चुका सके। हमारे बैंक के पास छोटे मूल्य के खातों और मध्यम आकार के खातों के निपटान के लिए विशेष ओटीएस योजनाएं हैं, जिसके माध्यम से एनपीए उधारकताओं को विशेष और अच्छी छूट की सुविधा है। हम सभी एनपीए उधारकताओं से अपील करते हैं कि वो 11 जुलाई 2024 को समझौता दिवस पर अपने एनपीए ऋण खातों का निपटान कर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

पशुधन योजना के तहत 32 लाभुकों के बीच बकरी एवं बकरे का किया गया वितरण

बड़कागांव : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना (०५ बुकरी + बकरा) प्रखंड बड़कागांव परिसर में वित्तीय वर्ष 2021-22 के 12 बाभुको एव 24 के 20 लाभुक कुल 32 लाभुकों के बीच 32 बकरा एवं 128 बकरी का वितरण किया गया। इस दौरान डा. गोसाई सिंह ने लाभुकों को बकरा एवं बकरी के रखरखाव उसके खान पान के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी। मौके पर जिला पशुपालन हजारीबाग महेश कुमार, मो. अली रजा पूर्व पंचा समिति सदस्य, पशुविकास फर्म के प्रतिनिधि सहेन्दर एवं सुनिल , नरूक राम सदस्य, मकुगाई कला, विकास कुमार। सपना कुमारी के अलावा अन्य उपस्थित थे।

रेल पुलियों पर नदियों के जलस्तर की होगी निगरानी

रामगढ़ : भारतीय रेल सुरक्षित एवं संरक्षित परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है। पूरे देश में भारी बारिश के दौरान नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। उसमें पुल भी धराशाई हो रहे हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेलवे ने भी पुलियों पर नदियों के जलस्तर के निगरानी करनी शुरू कर दी है। धनबाद मंडल अंतर्गत दामोदर नदी पर भी वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगा दिया गया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि धनबाद मंडल में चंद्रपुरा-बोकारो स्टील सिटी के मध्य दामोदर नदी पर पुल संख्या 08, गुरपा-पहाड़पुर के मध्य ढाढर नदी पर पुल संख्या 345, बरकाकाना-गढ़वा रोड के मध्य अमानत नदी पर पुल संख्या 253डीएन, गढ़वा रोड-चोपन के मध्य कोयल नदी पर पुल संख्या 02 पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया गया है। इसके अलावा कन्हार नदी पर बने पुल संख्या 173 एवं चोपन-सिंगरौली के मध्य रिहन्द नदी पर पुल संख्या 07 एवं कोडरमा-हजारीबाग टाउन रेलखंड के मध्य तिलैया डैम पर बने पुल सं.-31 सहित कुल 07 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं। बरसात के इस मौसम में महत्वपूर्ण पुलों पर नदियों का जलस्तर की निगरानी के लिए गंगा, कोसी, बुढ़ी गंडक, बागमती, करेह, कमला, कुशहा, किउल, सोन, पुनपुन, कर्मनाशा, सकरी, कर्मनाशा, दामोदर, कोयल, रिहंद नदियों एवं तिलैया डैम पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं।

उप विकास आयुक्त ने की ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उप विकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में मनरेगा योजना की समीक्षात्मक बैठक परियोजना पदाधिकारी सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ कार्यालय कक्ष में की गई। बैठक में लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन, प्रति गांव पांच योजना का क्रियान्वयन, वीर शहीद पोटो हो खेल मैदान योजना को लक्ष्य के अनुसार लेने का निर्देश, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, अबुआ आवास में मानव दिवस सृजन करने, बिरसा हरित ग्राम योजना वित्तीय वर्ष 2024/25 में चयनित भूमि में पिट कार्य करने, एरिया ऑफिसर एप्प, एनएमएमएस, डीबीटी इत्यादि कार्यों में प्रगति लाने का निर्देश दिया गया। उक्त सभी बिंदुओ पर एक सप्ताह के अंदर प्रगति लाने का निदेश दिया गया। उप विकास आयुक्त ने मनरेगा के अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत अब तक जिले में कार्यान्वित की गई प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आमजनों के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सभी अधिकारियों को सक्रिय रूप से प्रयासरत रहने के लिए निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक महत्वपूर्ण योजना है। प्राथमिकता के आधार पर योग्य लाभुकों का चयन करते हुए अबुआ आवास योजना का लाभ दिया जाना है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि आमजनों के हित को ध्यान में रखते हुए योजनाओं का क्रियान्वयन हो, ताकि लोगों को उचित लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिया जा सके।

260 छात्र-छात्राओं के बीच विधायक ने किया साइकिल का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कल्याण विभाग द्वारा संचालित उन्नति का पहिया योजना के अंतर्गत आज केरेडारी प्रखंड में बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के द्वारा 260 बालक बालिकाओं के बीच साईकिल का वितरण किया गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में एसटी/ एससी/ बीसी व अल्पसंख्यक कोटि के सरकारी विधालय के कक्षा 8वीं में अध्ययनरत बच्चों के बीच यह साईकिल वितरण किया गया। इस दौरान 119 बालक एवं 141 बालिकाओं को साईकिल दिया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि सुदुरवर्ती इलाकों तथा दूर दराज क्षेत्र से आने वाले गरीब छात्र, छात्राओं को स्कूल पहुंचने तथा पढ़ाई में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न ना हो इसे लेकर कल्याण विभाग के द्वारा योजना चला कर 8 क्लास तक के बच्चों को साइकिल दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विधायक के अलावा, मुखिया, प्रखंड विकास पदाधिकारी, केरेडारी, वार्ड सदस्य, संबंधित विधालय के प्रधानाध्यापक मौजूद रहे।

पुतला दहन का मामला पकड़ा तूल भाजपा और कांग्रेस समर्थक आमने-सामने

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण प्रखंड में दिन मंगलवार को दो पार्टी के समर्थकों के बीच आमने-सामने के टक्कर का दिन रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव अपने समर्थकों के साथ ब्लॉक मोड़ में विधायक अकेला का पुतला दहन किए। जिसकी जनकारी मिलते ही विधायक पुत्र सह जिला परिषद भाग 2 रवि शंकर अकेला पूर्व विधायक का पुतला दहन करने के लिए भाजपा कार्यालय के पास पहुंचा। वहां पुतला दहन किया। इसी बीच पूर्व विधायक और विधायक पुत्र के आमने सामने आ गए। इसके बाद दोनों के बीच बहस होना शुरू हो गया और बहस इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथा पाई की नौबत आ गई। इसके बाद पूर्व विधायक अपने समर्थकों के साथ कुछ देर चतरा मोड़ में धरना प्रदर्शन किए। उसके बाद विधायक अकेला के आवास पर जाकर अपने समर्थकों के साथ घंटो धरना प्रदर्शन किए। इसके बाद दोनों समर्थकों के बीच खूब नारेबाजी हुआ। इसके बाद डीएसपी सुरजीत कुमार, बीडीओ सीमा कुमारी एवं अंचल अधिकारी संजय कुमार यादव के पहल पर पूर्व विधायक अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल से वापस लौटे। चौपारण की स्थिति नियंत्रण बनाए रखने के लिए धारा 163 लागू कर दिया गया।

जनमानस के सीधे संपर्क में रहकर हो रहा है जनोपयोगी कार्य : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय में हर मंगलवार के भांति मंगलवार को बड़कागांव विधायक अम्बा प्रसाद का जनता दरबार लगा जिसमें दर्जनों से ज्यादा विभिन्न प्रकार के मामले सामने आयें। जिसमें ज्यादातर मामले को विधायक अंबा प्रसाद ने ऑन द स्पॉट मामले को निष्पादन किया। मामले में खासकर जमीन संबंधित, पेयजल जल कि समस्या, फर्जी मुकदमा के मामले सामने आयें। पेयजल समस्या को लेकर विधायक ने पूर्व प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे को चिन्हित करके चापानल लगाने का निर्देशित किया गया। जमीन संबंधित मामले को लेकर विधायक ने अंचल अधिकारी को नियम संगत जल्द से जल्द समस्या को निष्पादन करने पर जोर दी। फर्जी मुकदमे मामले पर एसडीपीओ कुलदीप कुमार संज्ञान ली। वहीं जनता दरबार में महिलाओं की समस्या पर विधायक अंबा प्रसाद का विशेष ध्यान था। तथा विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि अफसर का लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आम जनता को बेफिजूल दौड़ाया न जाए। मौके पर मुख्य रूप से विधायक अम्बा प्रसाद, एसडीपीओ कुलदीप कुमार, बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, पूर्व कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, जगतनंदन प्रसाद गुप्ता, पूर्व मुखिया वाहिद हुसैन, रामकिशोर शुक्ला, जमाल सगीर, कैला गोप, विनय मुन्ना, शमशेर खान, अहमदुल्लाह इत्यादि दर्जनों लोग उपस्थित थें।

6 माह के बकाया वेतन भुगतान को लेकर ऊर्जा मित्रों ने विद्युत एरिया बोर्ड को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग विद्युत एरिया बोर्ड को बरही डिविजन के सभी ऊर्जा मित्रों ने 6 माह का बकाया वेतन के संबंध में हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन सौंपा है। बताया कि मेसर्स सांई कम्प्युटर लिमिटेड द्वारा सभी उर्जा मित्र का 6 माह का बकाया वेतन नहीं दिया गया है। बताया कि कंपनी अपना कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए कुछ उर्जा मित्रों का पीएफ का पैसा अकाउंट में जमा कर दिया है। हमलोगों का प्रिंटर एवं मोबाईल यह कह के जमा करवा लिया गया कि आपलोगों का सभी बकाया वेतन आपके अकाउंट में भेज दिया जायेगा। महिनों बीत गया लेकिन किसी के अकाउंट में वेतन नही आया है। बताया कि हम सभी गरीब उर्जा मित्र है। सरकारी रेवेन्यू की भी वसुली हमलोगों ने कर के दिया, जिसमें रिकार्ड वसुली बरही डिविजन द्वारा दिया गया है। पता चला कि साई कम्प्युटर लिमिटेड कंपनी अपना कारोबार हजारीबाग से समेट कर टाटा चला गया है। निवेदन करते हुए उन्होंने कहा कि सभी उर्जा मित्रों का 10 दिनों के अंदर 6 माह का बकाया वेतन दिलाने का प्रयास करें। वेतन नहीं देने की स्थिति में सभी उर्जा मित्र कंपनी के खिलाफ लेबर कोर्ट में मुकदमा दायर करेंगें। ज्ञापन में ऊर्जा मित्र कौशल किशोर कौशिक, मो रब्बानी, सदानंद सिन्हा, संजीव घोष, विपिन कुमार, मनोज ठाकुर, विनय प्रसाद, आजाद अंसारी सहित सैकड़ों हस्ताक्षर शामिल है।

सेवा के लिए हूं और सदैव सेवा करता रहूंगा : प्रदीप प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : शहर के पेलावल रोड पागमिल वार्ड 21, एन एच 100 की जर्जर रोड लोगों की समस्या बनते जा रही थी हल्की सी बारिश में नाली का पानी रोड पर आ जाना उसके बाद आने जाने वाले लोगों को समस्या उत्पन्न हो रही थी स्कूली बच्चे एम्बुलेंस बस जैसे यातायात सुविधा बाधित हो रही थी, तो वहीं दूसरी और टोटो रिक्शा फंसने के कारण कई महिलाएं गिर गई। इन्हीं समस्याओं के बीच चार दिन पूर्व कटकमसांडी में पौधा रोपण करने भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद अपने काफिले के साथ उस रोड से गुजर रहे थे उसी वक्त उन्होंने रोड की यह जर्जर स्थिति को देखकर स्थानीय लोगों से वातार्लाप किया और संकल्प लिया कि जल्द से जल्द रोड को ठीक करवाऊंगा। अपने संकल्प के अनुसार मंगलवार को सुबह करीब 10:00 बजे दो हाईवा अलकतरा चिप्स, गिट्टी लेकर उस जर्जर रोड पर पहुंचे। रोड में सभी सामग्री को डालने के उपरांत स्वयं प्लेन किया जिसके बाद स्थानीय लोगों ने भी उनका सहयोग और कार्य में हाथ बढ़ाना शुरू किया बगैर किसी मजदूर के पूरे रोड को स्थानीय लोग एवं प्रसाद और उनके टीम के सदस्यों के द्वारा किया गया। इसके पश्चात जेसीबी को बुलवाकर पूरी तरह से प्लेन करवाया गया ताकि आने जाने वाले लोगों को समस्या उत्पन्न ना हो। स्थानीय लोगों ने जताया आभार प्रदीप प्रसाद के द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करते हुए स्थानीय निवासी साजिद ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से जर्जर रोड पर लगातार झारखंड सरकार की ध्यान आकर्षित कराई जा रही थी।परंतु सरकार के द्वारा कुछ नहीं हुआ, और लोग समस्या झेलते रहे परंतु प्रदीप प्रसाद के द्वारा अपने खर्च से यह कार्य किया गया है। हम भी की ओर से बहुत-बहुत साधुवाद। मौके पर प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सेवा के लिए हूं और सदैव सेवा करता रहूंगा इसी दृष्टिकोण से रोड की जर्जर स्थिति को ठीक कराया गया है। ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से हो सके, किसी को भी कोई समस्या उत्पन्न हो। स्थानीय लोगों ने भी मिलजुल कर सामग्री को रोड में भरने का कार्य किया है जिसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। मैं पिछले चार दिन पूर्व कटकमसांडी में पौधा रोपण करने के लिए जा रहा था उसी वक्त इस कार्यक्रम को पूरा करने का संकल्प लिया था। जिला परिषद सदस्य मंजू नंदिनी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह रोड की स्थिति ऐसे ही बनी हुई है किसी का ध्यान इस रोड पर नहीं गया मैं विशेष रूप से धन्यवाद देता हूं प्रदीप प्रसाद को जिन्होंने अपने खर्चे पर यह कार्य किया है। मौके पर कई स्थानीय लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने कटकमसांडी प्रखंड का किया भ्रमण

कटकमसांडी : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने आज हजारीबाग के कटकमसांडी प्रखंड का भ्रमण किया, और विभिन्न स्थानों पर आयोजित विवाह समारोहों में अपनी उपस्थिति दी। मुन्ना सिंह कटकमसांडी प्रखंड के गद्दोखर पंचायत में प्रेम पासवान जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए और नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद दिया। इसके बाद, मुन्ना सिंह ने कटकमसांडी पंचायत के चट्टी निवासी अलकु रविदास की सुपुत्री के विवाह समारोह में भी शिरकत किया और कसियाहडीह टोला के महावीर भूईयां की सुपुत्री के विवाह समारोह में भी शामिल हुए। उलान्ज टोला के दिनेश्वर यादव की सुपुत्री के विवाह समारोह में सम्मिलित होकर मुन्ना सिंह ने अपने आशीर्वचन दिए और नवविवाहित जोड़े के सुखद भविष्य की कामना की। इसके बाद, शांतिविद्यापति पांडे की सुपुत्री रूपा कुमारी के विवाह समारोह में भी उनकी उपस्थिति रही। इस अवसर पर राजद जिलाध्यक्ष चरका यादव, शेरू खान, पप्पू पांडे, संजय सिंह, कैलाश यादव, महेश यादव, नरेश यादव, मुखिया कुमारी श्रीति पांडे, देव चौहान, विश्वास पासवान, दिनेश यादव, सुजीत यादव, और सुधीर यादव सहित कई अन्य प्रमुख व्यक्तिगण भी उपस्थित रहे। सभी ने इन विवाह समारोहों में सम्मिलित होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मनाया 76वां स्थापना दिवस

हजारीबाग : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हजारीबाग इकाई द्वारा मंगलवार 9 जुलाई को 76वां स्थापना दिवस मनाया गया। जिला कार्यालय में नगर मंत्री रुद्र राज ने झंडोत्तोलन किया।इस अवसर पर हजारीबाग के सभी इकाइयों में अलग अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विनोबा भावे विश्वविद्यालय एवं यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज में पौधारोपण किया गया तथा बाबू गांव में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद स्थापना दिवस को राष्ट्रीय छात्र दिवस के रुप में मनाती है। कार्यक्रम की शुरूवात स्वामी विवेकानंद और माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया,कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य नवलेश सिंह ने कहा अखिल भारतीय भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी। विद्यार्थी परिषद एक अनुशासित कार्यकताओं का संगठन है, जिसमें छात्र-छात्राएं, शिक्षक, पूर्णकालिक कार्यकर्ता शामिल रहते हैं विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता हमेशा सामाजिक कार्यों में आगे रहते हैं, राष्ट्र के पुनर्निर्माण के उद्देश्य के साथ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता कार्य करते आए हैं और फलस्वरूप आज भारत विश्वगुरु बनने के राह में है। प्रांत सह मंत्री रितेश यादव ने कहा कि परिषद हमेशा छात्र हित, समाज हित और राष्ट्र हित के लिए कार्य करता है, आज विद्यार्थी परिषद ना केवल भारत का बल्कि विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जिला संयोजक बाबूलाल मेहता ने बताया कि अभाविप स्थापना दिवस(राष्ट्रीय छात्र दिवस) जिले में धूमधाम से मनाया गया, विद्यार्थी परिषद दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करती है और छात्र हित के साथ ही समाज व राष्ट्र हित में भी सदैव कार्य करते आई है। नगर मंत्री रुद्र राज ने कहा आज हम सभी के लिए गौरव का दिन है आज विद्यार्थी परिषद 76वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है, हम सब कार्यकर्ता परिषद के 75 वर्षों के स्वर्णिम इतिहास से सीख लेकर समाज में कार्य करेंगे। अंत में प्रभात कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रामेश्वर सिंह की जयंती पर प्रतिमा का हुआ अनावरण, किया गया पौधरोपण

बरही : प्रख्यात समाजसेवी सह जन जागरण केंद्र के संस्थापक स्वर्गीय रामेश्वर सिंह के जयंती पर प्रतिमा स्थापना समारोह का आयोजन धोबियाडीह स्थित जन जागरण केंद्र में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूजा अर्चना कर अतिथियों के द्वारा प्रतिमा का अनावरण कर किया गया। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्व. रामेश्वर सिंह की पत्नी शारदा सिंह, प्रेस क्लब हजारीबाग के अध्यक्ष उमेश प्रताप, पंकज सिंह, जनजागरण केंद्र सचिव संजय सिंह, निदेशक अजय सिंह, डॉ एसपी सिंह, विधायक प्रतिनिधि छद्दू गोप, शालिनी कुमारी, डॉ एसबी सिंह, सत्यदेव कुमार, बीएसए संरक्षक अब्दुल मनान वारसी, जयमंगल सिंह, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, प्रदान संस्था से बाली देवी, डॉ मनोज, बीएस गुप्ता, चंद्रमोहन पटेल, कलाल साहा, अरविंद कुमार, कुलदीप कुमार, भिखारी मियां, गंदौरी रविदास, रघुनन्दन गोप सहित अन्य सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के सचिव संजय सिंह व संचालन पंकज सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के निदेशक अजय कुमार ने किया। आंदोलन के साथी रहे उमेश प्रताप ने उनकी जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए उनके प्रेरणादाई आचरण का अनुसशरण करने का सलाह दिया। कहा कि रामेश्वर सिंह सामाजिक अव्यवस्था, गैर बराबरी, गरीबी और भ्रष्टाचार को देखकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया था। महात्मा गांधी और लोकनायक जय प्रकाश नारायण के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने वर्ष 1978 में जन जागरण केंद्र (जेजेके) नामक संस्था की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से अनुसूचित जाति जनजाति, पिछड़े वर्ग के गरीबों व अनाथों का उत्थान के लिये उल्लेखनीय कार्य किया। सामाजिक सदभावना, शैक्षणिक, संस्कृति और आर्थिक उन्नयन हेतु जाति धर्म से परे एकजुट होकर समेकित प्रयास करना उनके जीवन का उदेश्य रहा। इसी लक्ष्य को पाने के लिये उन्होंने अनाथालय एवं महाविद्यालय की स्थापना की। विकास की अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने जल संरक्षण अभियान चलाया। जल संचय के क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल करने के कारण वर्ष 2020 में राष्ट्रीय जल पुरस्कार से भारत सरकार ने उन्हें सम्मानित किया ।

एक नजर

मुख्यमंत्री पहले शेर थे और अब बब्बर शेर हो गए हैं : बन्ना गुप्ता

रांची : मंत्री बन्ना गुप्ता ने मंगलवार को नेपाल हाउस स्थित कार्यालय में एक बार फिर से स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री का पदभार ग्रहण किया।साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण विभागीय योजनाओं की जानकारी भी ली। इस दौरान विभागीय सचिव अजय कुमार सिंह सहित अन्य ने मंत्री बन्ना गुप्ता का स्वागत किया। मौके पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को अधिक से अधिक और बेहतर सुविधा मिले यह प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जमानत को ईडी के सुप्रीम कोर्ट में चुनौती के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पहले शेर थे और अब बब्बर शेर हो गए हैं। जितना जुल्म बढ़ेगा उतना ही हम लोग मजबूत होंगे।
उल्लेखनीय है कि गत सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कैबिनेट का विस्तार किया गया था। इस दौरान बन्ना गुप्ता को एक बार फिर से स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदस्थापित किया गया है। बन्ना गुप्ता को स्वास्थ्य विभाग के साथ ही खाद्य सार्वजनिक एवं उपभोक्ता वितरण विभाग का भी पदभार दिया गया है।

खेत में मिला एक व्यक्ति का शव

रांची : रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र स्थित पतराटोली में मंगलवार की सुबह एक व्यक्ति का शव पुलिस ने खेत से बरामद किया है। मृतक की शिनाख्त कैलाश ठाकुर के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने मंगलवार की सुबह खेत में कैलाश ठाकुर का शव देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। कैलाश ठाकुर के शरीर पर जख्म के निशान पाये गये हैं। जख्म देखकर स्थानीय लोगों ने आशंका जतायी है कि उसकी हत्या की गयी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

350 वकीलों ने नहीं जमा किया ट्रस्टी कमेटी का शुल्क

रांची : रांची जिला बार एसोसिएशन के 350 से ज्यादा वकीलों ने ट्रस्टी कमेटी का पैसा जमा नहीं किया है। ऐसे में उन्हें ट्रस्टी कमेटी से मिलने वाले लाभ से वंचित रहना पड़ सकता है। इसके साथ ही एसोसिएशन के कई वकील ऐसे भी हैं, जिन्होंने अब तक ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता भी नहीं ली है। रांची जिला बार एसोसिएशन की कमेटी ने इन वकीलों को दो महीने का समय दिया है, ताकि वे ट्रस्टी कमेटी का बकाया जमा कर सदस्यता ले लें। एसोसिएशन द्वारा जारी की गई सूची में वैसे 50 से ज्यादा वकीलों का भी नाम शामिल है, जिनपर बार काउंसिल ऑफ इंडिया का शुल्क भी बकाया है। ट्रस्टी कमेटी की सदस्यता नहीं लेने और बकाया जमा नहीं करने पर वकीलों का न तो वोटर लिस्ट में नाम शामिल होता है और न ही बार एसोसिएशन से उन्हें किसी तरह की सुविधा ही मिल पाती है। काउंसिल के निर्देश पर जिला बार एसोसिएशन अधिवक्ताओं से लगातार आग्रह कर रहा है कि वे वेरिफिकेशन फॉर्म जमा कर दें, ताकि वकीलों के लिए काउंसिल और जिला बार एसोसिएशन द्वारा चलाई जा रही वेलफेयर की योजनाओं का लाभ उन्हें मिल सके।

मारपीट और धमकी देने से जुड़े मामले में छह माह का कारावास

रांची : न्यायिक दंडाधिकारी परिधि शर्मा की अदालत ने मंगलवार को नौ साल पुराने मारपीट करने और आपराधिक धमकी देने से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए दोषी त्रिलोकी गोंझू को छह महीने का साधारण कारावास की सजा सुनाई है। अभियुक्त सिल्ली के लुपुंग पंचायत के मुखिया सीमा कुमारी का भाई है। उस पर प्रभात कुमार सिंह के साथ मारपीट करने का आरोप था।

ओडिशा के एसीआर ज्वेलर्स में लूट की योजना बनाते आठ अपराधी रांची में पकड़ाये

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स लूटकांड का रांची पुलिस ने खुलासा कर लिया है। रांची पुलिस की टीम ने इस मामले में छह अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में विक्की कुमार उर्फ विकास, शशि भूषण प्रसाद, विवेक कुमार, पंकज कुमार शर्मा, अभिरंजन कुमार सिंह, सुरज कुमार विश्वकर्मा, रितेश वर्मा और मुकेश कुमार शामिल है। इनलोगों के पास से पुलिस ने लूटा हुआ सोना-चांदी के जेवरात, 85 हजार नकद, चार पीस हथियार समेत अन्य सामान जब्त किया है। उक्त जानकारी एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने दी। उन्होंने कहा कि पकड़े गए सभी अपराधी पलामू और गढ़वा जिला के है। सामानों की रिकवरी ऑक्सी होटल रातू रोड, सुभाष नगर बाजरा और डायमंड अपार्टमेंट से हुआ है। सिटी एसपी राजकुमार लकड़ा और हटिया डीएसपी पीके मिश्रा के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने अपराधियों को पकड़ा है।

ओडिशा में एसीआर ज्वेलर्स लूटने की थी अगली योजना

एसएसपी ने कहा कि गिरफ्तार अपराधी रांची में लूटने के बाद अगली योजना ओडिशा के बालासौर में बना लिया था। बालासौर स्थित एसीआर ज्वेलर्स गिरोह का अगला निशाना था। गिरफ्तार पंकज कुमार शर्मा बालासौर में एसीआर ज्वेलर्स की रेकी भी कर चुका था, लेकिन घटना से पूर्व रांची पुलिस की टीम ने अपराधियों को अलग-अलग जगहों से दबोच लिया।

क्या है मामला

जगनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित बिरसा चौक के पास डीपी ज्वेलर्स दुकान में अपराधियों ने दिनदहाड़े करोड़ों की लूट की घटना को अंजाम दिया था। अपराधियों ने घटना के समय दुकान के संचालक को हांथ में गोली भी मारा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों को अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार कर ली।

15-18 आयुवर्ग के ड्रॉपआउट स्कूली बच्चों को पढ़ाई का अवसर

- झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के माध्यम से एनआईओएस में करा सकेंगे नामांकन
- नामांकन कराने के लिए गूगल फॉर्म में कराना होगा रजिस्ट्रेशन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के तहत समग्र शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा आउट ऑफ स्कूल या ड्रॉपआउट हो चुके 15-18 आयुवर्ग के बच्चों को अपनी पढ़ाई राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के माध्यम से जारी रखने का अवसर मिल रहा है। झारखंड शिक्षा परियोजना की पहल पर ऐसे बच्चे जो 15 से 18 आयुवर्ग के हैं और किन्ही कारणों से विद्यालय नहीं जा पाए हैं एवं ड्राप आउट हो चुके हैं, वे 27 जुलाई की शाम पांच बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक पर पंजीकरण करा सकते हैं। वे अपनी इच्छानुसार वर्ग 3/5/8/10/12 कक्षाओं की पढ़ाई पूरी करने के लिए पंजीकरण करवा सकेंगे। इसके माध्यम से झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा उक्त आयुवर्ग के बच्चो की संख्या ज्ञात की जा रही है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेशक आदित्य रंजन ने ऐसे बच्चे और उनके अभिभावकों से अपील की है कि जो बच्चे विद्यालय से बाहर रह गए हैं या ड्रॉपआउट हैं वे पुनः अपनी पढ़ाई आरंभ करे और उसे उन्हें पूर्ण करे। निःशुल्क पंजीकरण कराने के लिए छात्रों को https://forms.gle/e3k8fyJGk5trYQ4L6 पर जाकर अपना विवरण जमा करना होगा।

सीआईडी ने जमीन कारोबारी को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने बंगाल रजिस्ट्री कार्यालय से हुए फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर रांची में जमीन बेचने वाले जमीन दलाल अशोक सिंह को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि जमीन कारोबारी अशोक सिंह को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जमीन मामले में पूर्व में चंद्रशेखर, अभिषेक और समीर को गिरफ्तार कर चूकी है। रांची के पिठोरिया इलाके के जमुआरी मौजा में स्थित जमीन को बंगाल के पावर को आधार बना कर खरीद-बिक्री की गई है। इसका खाता नंबर 10, 11, 33, 29 और प्लॉट नंबर 138, 139, 140, 142, 160, 161 और 162 है। जमीन पर खुद का मालिकाना हक बताने वाले सुशांत घोष ने इस सभी लोगों के खिलाफ पिठोरिया थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पिठोरिया थाना में दर्ज प्राथमिकी को टेकओवर करते हुए सीआईडी ने जांच शुरू की है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि विमल सिंघानिया ने साजिश के तहत प्रशांत घोष की जगह किसी फर्जी व्यक्ति का इस्तेमाल कर उनकी जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी ले ली। इसके आधार पर प्रशांत घोष की जमीन की खरीद-बिक्री की गयी। रांची में स्थित जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी चौबीस परगना, पश्चिम बंगाल की रजिस्ट्री कार्यालय में 19 अप्रैल 2023 को हुई है, जिसका नंबर 160400155 है।

रांची का हरमू फ्लाईओवर दो साल में बनकर होगा तैयार, मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कैबिनेट के फैसले के बाद पथ निर्माण विभाग ने राजधानी रांची के हरमू फ्लाईओवर निर्माण के लिए स्वीकृति आदेश जारी कर दिया है। 430.75 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण कराया जायेगा। दो वित्तीय वर्षों 2024-25 में 60 फीसदी व 2025-26 में 40 फीसदी पुल का काम पूरा कराने का लक्ष्य रखा गया है। इस वित्त वर्ष 260 करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जायेगी। इसमें भू-अर्जन की भी राशि शामिल है। जल्द ही इसके निर्माण के लिए भू-अर्जन व टेंडर का काम किया जायेगा। पथ निर्माण विभाग ने सहजानंद चौक के नजदीक से जज कॉलोनी के नजदीक चार लेन एलिवेटेड कुल लंबाई तीन किमी निर्माण की स्वीकृति दी है। इसके निर्माण का जिम्मा झारखंड राज्य राजममार्ग प्राधिकार को दिया गया है। रांची कार्यपालक अभियंता व एसई को मॉनिटरिंग की जिम्मेवारी दी गयी है। विभाग ने इस फ्लाईओवर के डीपीआर के अनुसार काम कराने के पहले आईआईटी या एनआईटी से सर्वे कराकर मंजूरी लेने को कहा ताकि भविष्य में कोई तकनीकी समस्या नहीं आये। फ्लाईओवर निर्माण में रैंप भी बनाये जाने हैं। राजभवन की भी सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा जायेगा।

फुटपाथ दुकानदारों एवं सब्जी विक्रेताओं को सड़कों से हटाएं और जवाब दाखिल करें : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में फुटपाथ दुकानदारों को हटाने के पूर्व उनका पुनर्वास करने को लेकर नेशनल हॉकर फेडरेशन की जनहित याचिका की सुनवाई मंगलवार को हुई। कोर्ट ने मौखिक रांची नगर निगम से कहा कि मेन रोड (महात्मा गांधी मार्ग), लालपुर, हीनू, बिरसा चौक आदि जगहों में फुटपाथ दुकानदार एवं सब्जी विक्रेताओं को अविलंब हटाएं और सोमवार यानी 15 जुलाई तक शपथ पत्र दाखिल करें। मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी। कोर्ट ने कहा कि फुटपाथ दुकानदार एवं सब्जी विक्रेताओं को सड़कों से हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर रांची नगर निगम अभियान चलाए ताकि सड़क पर जाम की समस्या ना हो और सुगम यातायात की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर के मुख्य सड़कों पर फुटपाथ विक्रेता बैठे रहते हैं, जिससे प्रतिदिन जाम की समस्या से राजधानीवासी परेशान रहते हैं। इनके लिए अलग जगह सुनिश्चित की जाए। कोर्ट ने रांची नगर निगम से कहा कि फुटपाथ दुकानदारों और सब्जी विक्रेताओं के लिए सड़क की बजाय अन्य जगहों पर वैकल्पिक व्यवस्था करें, जिससे सड़के आम लोगों के चलने के लिए खुली रहे। कोर्ट में नगर निगम के अधिवक्ता से पूछा कि लालपुर चौक के पास सब्जी विक्रेताओं के लिए कौन-सी जगह निर्धारित की गई, उसकी भी जानकारी दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि राजधानी में सड़कों पर लोग अपने वाहन लगा देते हैं और वेंडर भी अपने दुकान सजा देते हैं। ट्रैफिक पुलिस उन पर एक्शन नहीं लेती है। राज्य सरकार भी राजधानी में जाम की समस्या को गंभीरता से ले अन्यथा कोर्ट आला पुलिस अधिकारी को तलब कर सकती है।

चालू वित्तीय वर्ष में 4.50 लाख आवासहीन गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य : इरफान अंसारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य, पंचायती राज मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड मंत्रालय में मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बहुत कम समय है और काम अधिक है। ऐसे में सतत कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में 4.50 लाख आवासहीन गरीब परिवारों को आवास निर्माण कर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि आदिम जनजाति क्षेत्र की ग्रामीण सड़क को सड़क से जोड़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत जिन ग्रामों को अभी तक संपर्क पथ से नहीं जोड़ा गया उन ग्रामों को जल्द ही सड़क से जोड़ा जायेगा। राज्य में ग्रामीण पुल का निर्माण, कुंआ का निर्माण सहित बिरसा हरति ग्राम योजना अंतर्गत एक लाख एकड़ भूमि को सिंचित किया जायेगा। पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय चौबे, ग्रामीण विकास सचिव के. श्रीनिवासन, मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी, सीईओ जेएसएलपीएस संदीप सिंह, पंचायती राज निदेशक निशा उरांव, समेत अन्य वरीय प्रशासनिक पदाधिकारियों ने औपचारिक मुलाकात कर विभागीय मंत्री का स्वागत किया और बधाई दी। ग्रामीण विकास मंत्री बुधवार को विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक भी करेंगे।

पशु चिकित्सा सेवा नियमावली में संशोधन प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति जल्द : दीपिका पाण्डेय

राज्य की कृषि, पशुपालन मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने पशु चिकित्सा सेवा नियमावली में संशोधन के प्रस्ताव को मंत्रिपरिषद की स्वीकृति जल्द कराने का आश्वासन दिया है। मंत्री ने यह बात पशु चिकित्सा सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल से कही। पशुचिकित्सकों का सेवा नियमावली में प्रोन्नति के चार पद सोपन का प्रावधान है। इस विषय पर पशु चिकित्सा सेवा संघ ने विभागीय मंत्री से मिलकर पशु चिकित्सकों के प्रति मंत्री के सकारात्मक रूप के लिए उनका आभार प्रकट किया है।

संक्षिप्त खबरें

मानवाधिकार सुरक्षा के लिए समाज में जागरूकता लाना जरूरी : डॉ मेघा

रांची : रांची की लेखिका डॉ मेघा रानी को विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग ने राष्ट्रीय शौर्य सम्मान से नवाजने के लिए चुना है। उनके समाजिक कार्यो और लेखन के जरिये लोगों तक उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे सम्मानित पद पर नियुक्त किया है, जिसकी चिट्ठी अधिकारिक रूप से आयोग की ओर से जारी कर दी गई है। नियुक्ति के बाद बिरसा चौक स्थित होटल पार्क इन में मंगलवार को डॉक्टर मेघा ने संवाददाता सम्मेलन आयोजित की। मौके पर डॉ मेघा रानी ने कहा कि मानवधिकार सुरक्षा के लिए समाज में जागरुकता लाना जरूरी है। उन्होंने मानवाधिकार की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि बाल मजदूरी, नारी उत्पीड़न, भ्रुण हत्या पर रोक लगाने के साथ, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे मुलभुत सुविधाओं से कोई वंचित नहीं रहें, इस पर गंभीरता से काम किया जाएगा। डॉ रानी ने उम्मीद व्यक्त करते हुए कहा कि मानवाधिकार सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शासन- प्रशासन का सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा की मानवाधिकार सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन की भूमिका अति महत्वपूर्ण है, प्रशासन को सुनिश्चित करना होगा कि मानवाधिकार की अवहेलना करने वालों पर सख्त कार्यवाही हो।

झामुमो अब कभी सत्ता में नहीं आने वाली : प्रतुल शाहदेव

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर पलटवार करते हुए कहा कि अब यह राजनीतिक मृत्यु शैय्या पर पड़े हैं और दिन में ही बड़े-बड़े सपने देख रहे हैं ' प्रतुल ने कहा कि इस सरकार के बारे में प्रचलित कहावत है कि कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे हेमंत सरकार ने ठगा नहीं। प्रतुल ने कहा कि बेरोजगार, किसान, महिला, युवा, मध्यम वर्ग सब इस सरकार के गलत निर्णयों और भ्रष्टाचार का शिकार हुए हैं। यह सरकार अब दोबारा सत्ता में कभी नहीं आने वाली है। वैसे भी एनडीए को पिछले लोकसभा चुनाव में 52 विधानसभा सीटों पर बढ़त मिली थी जबकि सत्ताधारी गठबंधन 27 सीटों पर सिमट गया था। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार को बाबूलाल मरांडी का खौफ हमेशा सिर चढ़कर बोलता है। इन लोगों को सोते जागते बाबूलाल ही याद आते हैं। क्योंकि, इनको पता है बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में भाजपा गठबंधन आगामी विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत की ओर अग्रसर हो रही है। प्रतुल ने कहा कि भाजपा अभी भी मानती है कि मंत्री हफीजुल हसन का जो शपथ ग्रहण था, वह बिल्कुल असंवैधानिक था और यह मामला अभी राज्यपाल के पास लंबित है लेकिन गठबंधन उनका फैसला आने से पहले क्लीन चिट दे रहा है। यह साफ दिख रहा है कि यह सरकार बहुत हड़बड़ी में है और हड़बड़ी में गड़बड़ियां करती जा रही है। राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी कर रहे हैं बड़े पैमाने पर राजनीतिक घुसपैठ प्रतुल शाह देव ने राज्य सरकार को बांग्लादेशी घुसपैठियों का संरक्षक बताया। प्रतुल ने कहा कि बांग्लादेशी सीमा से बड़े पैमाने पर जो घुसपैठिए भीतर घुस आए हैं, उनको राज्य सरकार राजनीतिक संरक्षण दे रही है। उनसे राजनीतिक घुसपैठ भी करा रही है। प्रतुल ने कहा कि ऐसे दर्जनों मामले हैं, जिसमें भोली-भाली आदिवासी लड़कियों को प्रेमजाल में फंसा कर ये बंगलादेशी विवाह करके स्थानीय निकाय पर काबिज हो गए हैं। यही नहीं नेता प्रतिपक्ष अमर बावरी ने तो यह भी सिद्ध किया कि बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर अब्दुस हमीस की पत्नी मरियम मरांडी ने राजमहल से लोकसभा का चुनाव लड़ा था। प्रतुल ने कहा कि एक सिस्टमैटिक तरीके से सीमावर्ती इलाकों में में बांग्लादेशी घुसपैठियों को तुष्टिकरण की नीति के तहत कागजात उपलब्ध करके बसाया जाता है। फिर वह जमीन पर कब्जा करते हैं और अब तो सीधा राजनीतिक हस्तक्षेप प्रारंभ हो गया है।

आदिवासी छात्र संघ ने मनाया 24वां स्थापना दिवस

रांची : मंगलवार को आदिवासी छात्र संघ केंद्रीय समिति की 24 वां स्थापना दिवस रांची ट्राईबल छात्रावास के सभागार में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर सतीश कुमार भगत ने की। इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मिंज ने संघ से जुड़ी हक, अधिकारों तथा जल जंगल जमीन तथा छात्र-छात्राओं की समस्या पर प्रकाश डाला साथ ही संघ की रणनीति पर भी चर्चा की। आदिवासी छात्र संघ के उपाध्यक्ष सुरेश टोप्पो ने संघ की उज्जवल भविष्य की चर्चा करते हुए कहा यूनिवर्सिटी,पॉलिटेक्निक, बी.आई.टी में एसटी,एससी छात्र-छात्राओं का निःशुल्क नामांकन एवं छात्रावास व्यवस्था होता था। उसे कल्याण विभाग निःशुल्क जारी रखें,आदिवासियों की नन ट्रांसेबल जमीन सादा कागज के द्वारा सभी अवैध खरीद बिक्री पर रोक लगाकर आदिवासियों को बचाया जाय। संघ के विश्वविद्यालय प्रभारी संजय महली ने कहा एसटी, एससी, ओबीसी छात्रों का नामांकन, छात्रवृत्ति, छात्रावास आदि व्यवस्था को सुलभ बनाया जाय वहीं रांची कॉलेज अध्यक्ष महावीर उरांव ने कहा छात्र-छात्राओं का हक,अधिकार तथा आरक्षण चुनाव में प्राथमिकता से मिले तथा छात्रवृत्ति एवं नामांकन आदि में सरलतापूर्वक आरक्षण का लाभ मिले तथा विश्वविद्यालय में पारदर्शितापूर्वक कार्य हो नहीं तो संघ आंदोलन करेगा। स्थापना दिवस के अवसर पर प्रोफेसर सतीश कुमार भगत, प्रेम प्रकाश मिंज, प्यारू उरांव, सुरेश टोप्पो, महावीर उरांव, बादल भोक्ता, दयाराम जी, सचिन सेठ, अभिषेक रजक, सुखदेव उरांव, दिनेश उरांव, भोला मुंडा, संजय महली, बैजू मुंडा, आशीष भगत, तेज सिंह मुंडा, सुरेश उरांव, सुनील उरांव, महावीर उरांव, सुदेश कुजूर आदि उपस्थित थे।

सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

रांची : रामदूत अतुलित बल धामा अंजनि पुत्र पवनसुत नामा के सुरताल से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। अवसर था 109 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा के संगीतमय पाठ का। श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को होने वाला 109 वा कार्यक्रम आज भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। संजय सुरेका धरमपत्नी सविता सूरेका ने परिवार के संग हनुमान जी महाराज की दिव्य अखंड पावन ज्योति प्रज्वलित करके केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का प्रसाद अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना की । मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत संपन्न करवाया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद की सेवा केसरिया पेड़ा सेवा श्रीमती पुष्पा देवी पोद्दार फल प्रसाद सेवा राजेश जयसवाल एवम गिरि गोला सेवा मुकेश मित्तल ने निवेदित की। संजय सुरेका ने रामचरितमानस ग्रंथ व पाठ वाचको का चंदन वंदन किया। श्री गणेश वंदना करके हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक डफली झांझ करताल के सुरताल के साथ श्री सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने भक्ति भाव से सामूहिक रूप से पाठ किया। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। बजरंगबली की जय जयकारों से हरमू रोड गूंज रहा था। पाठ के समापन के बाद श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय संकीर्तन करके महाआरती की गई। सभी भक्तजनों को केसरिया पेडा चना गुड़ फल व नारियल का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी महामंत्री उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया श्याम सुन्दर जोशी आदि उपस्थित थे।

एक नजर

एनसीसी शिविरों में सफल छात्रों को पिट्स मॉडल स्कूल में किया गया सम्मानित

बोकारो : एनसीसी शिविरों में छात्रों की सफल भागीदारी के लिए आज 9 जुलाई 2024 को पिट्स मॉडल स्कूल गोमिया द्वारा एक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया । 45 झारखंड बीएन एन सी सी, कोडरमा द्वारा एनसीसी शिविर का आयोजन 24-06-2024 से 03-07-2024 तक कोडरमा में किया गया था । इंटर ग्रुप गवर्नर बैनर प्रतियोगिता और रिपब्लिक डे कैंप में चयन के लिए शिविर में हजारीबाग समूह के अंतर्गत 5 बटालियन के 500 कैंडेटों नेभाग लिया। 22 जेएच बीएन एनसीसी, हजारीबाग के 65 कैडेटों में पिट्स मॉडल स्कूल के 9 कैडेट शामिल थे । जिसमें 1एसडब्लू ,4 जेडी और 4 जे डब्लू शामिल थे। 22 वीं बटालियन के कमांडिंग आफिसर कर्नल हरमीत सिंह ने चयनित कैडेटों को बधाई दी और पिट्स मॉडर्न स्कूल के सभी विद्यार्थियों की भागीदारी और चयन की सराहना किए। विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठन में से एक है जहाँ पर अनुशासन और नेतृत्व के आधार पर प्रशिक्षित किया जाता है । आई ई एल ओरिका, गोमिया के महाप्रबंधक अभिषेक विश्वास एवं विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दास गुप्ता ने विद्यार्थियों के सफल होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दिए।

रेलवे स्टेशन पर नशेड़ियों से बचने के लिए 3 घंटे बाथरूम में बंद रहा यात्री

धनबाद : धनबाद रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की सुबह ट्रेन से उतरा एक यात्री नशेड़ियों से बचने के लिए खुद को बाथरूम में बंद कर लिया। वह करीब 3 घंटे तक बाथरूम में रहा। आरपीएफ और जीआरपी ने बाथरूम का दरवाजा तोड़कर उसे निकाला। वह छटपटा रहा था। डॉक्टरों के अनुसार उसे मिरगी की बीमारी है। उसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। भास्कर चौधरी नाम का यह यात्री बिहार के जमुई जिले के चंदा गांव का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार, यात्री भास्कर चौधरी जमुई से ट्रेन पकड़कर मंगलवार की अहले सुबह धनबाद पहुंचा। रेलवे स्टेशन से जैसे ही वह बाहर निकला, वहां मौजूद नशेड़ियों के गिरोह की नजर उस पर पड़ गई। उन लोलो ने पैसा छीनने के इरादे से उसे दौड़ाया। वह बचने के लिए स्टेशन के उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय के बाथरूम में घुसकर अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। काफी देर तक बाथरूम बंद रहने पर अन्य यात्रियों को लगा कि कोई यात्री आत्महत्या करने के लिए बाथरूम में घुसा है। उन्होंने इसकी सूचना आरपीएफ को दी। उसे अस्पताल भेज दिया गया।

महिला को झांसा दे युवक 40 हजार रुपये लेकर फरार

धनबाद : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की चिरकुंड शाखा के समीप उचक्के ने एक महिला को झांसा देकर 40 हजार रुपए लेकर फरार हो गया। भुक्तभोगी महिला साधन बाउरी बीसीसीएल की दहीबाड़ी कोलियरी में कार्यरत है। महिला ने बताया कि वह बैंक से 40 हजार रुपए निकालकर जैसे ही बाहर आई गेट के बाहर एक बाइक सवार युवक मिला। उसने महिला को बातों में फंसाकर उससे पूछा कि बैंक से कितने पैसे निकाली हो। फिर उसने कहा कि लाओ पैसे गिन देता हूं। महिला ने उसे पैसे दे दिए। मौका पाकर वह थोड़ी देर में आने की बात कह पैसे लेकर फरार हो गया। महिला ने काफी देर तक उसका इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आया।

राज्य को ठगबंधन सरकार से मुक्ति दिलाने का लें संकल्प : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि कार्यकर्ता ही जमीनी स्तर पर पार्टी की विचारधारा के लिए जूझता है। जनता से संवाद करता है। रोज-रोज होने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी है। इनका मान-सम्मान बढ़ाना नेतृत्व का कर्तव्य है। तीसरी बार मोदी सरकार कार्यकताओं के अथक परिश्रम का ही परिणाम है। अब कार्यकताओं का एक ही लक्ष्य है। राज्य की भ्रष्ट, निकम्मी ठगबंधन सरकार से मुक्ति दिलाना। मरांडी मंगलवार को धनबाद में कार्यकर्ता सम्मान एवं विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। मरांडी ने बूथ स्तर के कार्यकताओं को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह धोखेबाज सरकार है, जिसने युवाओं को रोजगार और बेरोजगारी भत्ता का वादा कर वोट तो प्राप्त किया लेकिन सत्ता में आते ही भुला दिया। सदन में मुख्यमंत्री ने पांच लाख नौकरी देने, बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही लेकिन नौकरी देने के नाम पर नौकरियों की बोली लगाई गई। प्रश्न पत्र लाखों में बेचे गए। जेपीएससी-जेएसएससी की सभी परीक्षाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। आज युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया। मरांडी ने कहा कि राज्य की विधि व्यवस्था ध्वस्त है। रोज हत्याएं हो रही हैं। राजधानी में सरेआम गोलियां चल रही। जेल से भी अपराधी धमकी दे रहे। व्यवसायियों से खुलेआम फिरौती मांगी जा रही। ऐसे में राज्य में कौन उद्योग धंधा लगाएगा। लगे हुए भी बंद हो रहे। उन्होंने कहा कि पुलिस पदाधिकारी वसूली में लगे रहते हैं। राज्य में खनिज संसाधनों, बालू पत्थर जमीन की लूट मची है। बिना पैसे का कोई काम नहीं होता। भ्रष्टाचार के कारण राज्य के पूर्व मंत्री जेल में हैं। मुख्यमंत्री बेल पर बाहर आए हैं। ठगबंधन सरकार ने योजनाओं के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं को भी भ्रष्टाचार में झोंक दिया। आयुष्मान योजना, नल जल योजना की स्थिति दयनीय है। लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे।

मरांडी ने कहा कि 24 वर्ष के युवा झारखंड में 10 वर्षों से ज्यादा इसी ठगबंधन का शासन रहा है लेकिन इस दौरान केवल घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार ही हुए। उन्होंने कहा कि राज्य में जो भी विकास दिखता है वह भाजपा और एनडीए सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ऐसी भ्रष्ट निकम्मी सरकार से ऊब चुकी है। जनता निजात चाहती है, जिसका स्पष्ट संकेत लोकसभा चुनाव में दिया है। राज्य के 52 विधानसभा क्षेत्र में एनडीए की बढ़त हुई है। एनडीए ने 9 लोकसभा सीटें जीता है। एनडीए को जनता ने 81 लाख वोट दिया जबकि इंडी एलायंस 60 लाख वोटों के साथ पांच सीट ही जीत सका।

पीड़ित मानवता की सेवा धर्म : चंद्र मोहन तनेजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास द्वारा चीरा चास स्थित रोटरी भवन परिसर में निशुल्क होम्योपैथी चिकित्सालय रोटरी संजीवनी का समाजसेवी चंद्र मोहन तनेजा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा की बढ़ती आबादी के अनुपात में अभी भी सरकारी निशुल्क चिकित्सा सुविधा ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। विनोद चोपड़ा ने कहा की मध्यम श्रेणी के परिवार इससे प्रभावित होते हैं। उद्घाटन कर्ता लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष चंद्र मोहन तनेजा ने कहा की अपने लिए तो सब जीते हैं, सही मायने में दूसरों की भलाई के लिए जीना ही जीवन है। श्री तनेजा ने कहा अन्य सामाजिक संस्थाओं को भी मानव सेवा का कार्य करने आगे आना होगा। उन्होंने कहा पीड़ित मानवता की सेवा धर्म है। इस अवसर पर डॉ एम आर मिश्रा ने बताया की सभी जटिल एवं पुराने रोगों का उपचार यहां निशुल्क किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक कमल तनेजा ने कहा की स्थाई रूप से आबादी वाले क्षेत्रों में निशुल्क सेवा देकर ही हम सही अर्थ में निस्वार्थ सेवा दे सकते हैं। श्री कमल ने कहा कि रोटरी संजीवनी से आसपास के वरीय एवं बुजुर्ग व्यक्तियों को काफी लाभ मिलेगा। रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया की स्वर्गीय शशि तनेजा की स्मृति में तनेजा परिवार के सहयोग से शहर के प्रसिद्ध होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ एम आर मिश्रा द्वारा मरीज का निशुल्क उपचार एवं उन्हें निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाएगी। मुकेश ने यह भी बताया की सप्ताह में मंगलवार और शनिवार को संध्या 6:00 बजे से 8:00 तक डॉक्टर मिश्रा अपनी सेवा देंगे।

हड़तालियों की सहायक श्रमायुक्त के यहां वार्ता विफल : बि के चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ठेकाकर्मियों को मेडिकल जांच के नाम पर काम से निकाले जाने के खिलाफ नन एन जे सी एस युनियन के द्वारा दिनांक-11/07/24 को एक दिवसीय हड़ताल को सफल करने के लिए प्लांट मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज आठवें दिन शॉप्स एन्ड फाउन्ड्री मे संवाद स्थापित किया गया जिसमे स्टील फाउन्ड्री, कोपर फाउन्ड्री, स्ट्रक्चर शॉप ,मसीन शॉप के सेकडो मजदूरों को संबोधित करते हुए नेताओ ने कहा कि हड़ताल से घबराये प्रबंधन कल 8/07/24 को संध्या 6 बजे से रात्री 8 बजे तक इस्पात भवन मे युनियन प्रतिनिधिमंडल से लम्बी बार्ता के बाद भी प्रबंधन मजदूर अपने हठधर्मिता से हटने को तैयार नहीं होने के पश्चात आज 9/07/24 को सहायक श्रमायुक्त केन्द्रीय धनबाद मे 5 घंटे तक चली बैठक मे आधा अधूरा सफलता मिलने के बाद बार्ता बिफल हो गया तत्पश्चात नन एन जे सी एस युनियन के नेताओं ने 11 जुलाई को एक दिवसीय हड़ताल पर अडिग रहा । मजदूरों से कल संध्या 4:30 बजे सी ई जेड गेट पर होने बाला आम सभा मे ज्यादा से ज्यादा संख्या मे आने का अपील किया गया। प्लांट मे चलाए गए जनजागरण कार्यक्रम मे मुख्य रूप से संयुक्त महामंत्री एन के सिंह, एस के सिंह, आशिक अंसारी, आर आर सोरेन, सी के एस मुंडा, बादल कोईरी, आई अहमद, रामा रवानी, लालबाबु भारती, राजकुमार, जितेन्द्र, शशिकांत, ओमप्रकाश चौहान, राजेन्द्र प्रसाद, आर के मिश्रा, कुमार ऋषी राज,नासीर अहमद, राजेश कुमार, सुरेन्दर शर्मा, जितन मांझी, राजू बाउरी, सोहन, भोला, दिवाकर कुमार इत्यादि उपस्थित थे। जबकि सहायक श्रमायुक्त,धनबाद के बैठक मे नन एन जे सी एस युनियन के संयोजक और जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी,जनता मजदूर सभा के अध्यक्ष साधुशरण गोप, एक्टू के महामंत्री देवदीप सिंह दिवाकर, सीटू के संयुक्त महामंत्री बी डी प्रसाद, आर बी चौधरी,बी एन तिवारी, इत्यादि मौजूद थे।

सांसद ढुल्लू महतो के सम्मान में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : धनबाद लोकसभा से नवनिर्वाचित सांसद ढुलु महतो के सम्मान में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा का आयोजन टाउन हॉल धनबाद में भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर एवं धनबाद विधानसभा द्वारा किया गया। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि झारखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में धनबाद विधानसभा अंतर्गत सभी बूथों के ऊजार्वान कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। जिसमें अपने अपने बूथों में भाजपा को बेहतर बढ़त दिलाने वाले कार्यकताओं को सांसद ने अपने हाथों सम्मानित किया। जिसमें सदर मंडल के सदस्यों को सम्मानित न करने पर नाराज होकर नारे बाजी की जिसे भाजपा के पदाधिकारी समझते रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार के भ्रष्टाचार और नाकामियों को दशार्या। वहीं सांसद ने राज्य सरकार को धोखेबाज सरकार करार देते हुए कहा कि 2019 के चुनाव में हेमंत सोरेन ने 5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का वादा किया था। वहीं इनके सहयोगी कॉग्रेस पार्टी ने प्रत्येक घरों में एक एक सरकारी नौकरी और ग्रेजुएट छात्रों को पाँच हजार महीना और पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को सात हजार रुपया महीना देने का वादा किया था जिसमे एक भी वादा पूरा नहीं किया, बदलें में युवाओं पर लाठिया बरसाई गई। इस लाठी का बदला आगामी चुनाव में झारखण्ड की जनता जरूर लेगी। विजय संकल्प सभा में पूर्व सांसद पी एन सिंह धनबाद विधायक राज सिन्हा, संजय झा समेत भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

तेतुलमारी में विरोध के बाद गोफ भराई का कार्य रुका , वैरंग लौटी टीम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : बी सी सी एल कतरास क्षेत्र के एकेडब्लूएमसी अंतर्गत तेतुलमारी के एनटीसी 5 नंबर में बीते रविवार की रात हुई गोफ की भराई के लिये वेस्ट मुडीडीह प्रबंधन की टीम मंगलवार को जेसीबी व डम्फर लेकर पहुची । जिसका स्थानीय ग्रामीण व रैयतों में मुआवजा विस्थापन की मांग को लेकर विरोध, धक्का मुक्की, गाली गलौज के बाद विस्थापित अधिकारी अशोक कनॉजिया, सेफ्टी अधिकारी प्रेम कुमार शर्मा , सीआईएसएफ के जवान विरोध के बाद वैरंग वापस लौट गये। रैयत धर्मेन्द्र वर्मा ने उक्त जमीन को अपनी रैयती जमीन बताते हुये कहा कि यहाँ पर हमलोगों का कुल देवी का स्थान है,और कंपनी ने मुआवजा भी नही दिया इसलिये हमलोग गोफ भराई का विरोध कर रहे है। यह हमारी जमीन है। रैयत धर्मेन्द्र वर्मा ने कहा कि जबतक हमलोगों को कंपनी आज तक मुआवजा भी नही दिया है। यहाँ रहने वाले लोग जान जोखिम में डाल कर रह रहे लोगो को बी सी सी एल प्रबंधन तत्काल सुरक्षित स्थान पर पहले बसाने का कार्य के बाद गोफ की भराई करे। साथ ही रैयतों के बकाये मुआवजा का भी भुगतान करें। मौके पर रैयत सहित दहशत के साये में रह रहे ग्रामीणों थे।

डीएवी-6 में अग्निशमन विभाग ने बच्चों को सिखाए आग पर काबू पाने के तरीके

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 बोकारो में अग्निशमन विभाग, सी.आई.एस.एफ की ओर से जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अग्निशमन विभाग के इंस्पेक्टर निलेश कुमार, सब-इंस्पेक्टर पी के सिंह, ये.ये.खान, डी.वि.वि. सत्यनारायण व गुरूप्रीत सिंह ने विद्यार्थियों को मॉक ड्रिल से सुरक्षा के तरीके सिखाए। अधिकारियों ने बच्चों को आग से बचने के विभिन्न उपायों को पॉवर पॉइंट के माध्यम से बताया । उसके बाद उन्होंने विभिन्न उपायों के व्यवहारिक ज्ञान से अवगत कराया । उन्होंने चार प्रकार के अग्नि के प्रचंड रूप से बचने के उपायों में सर्वाधिक कम्बल अथवा जूट की बोरी को भिगो कर ढकने के लिए कहा । गैस सिलेंडर खोलने से पूर्व खिड़की या दरवाजा को खोल तथा फायर विभाग को यथा शीघ्र सूचित करने की सलाह दी । आग पकड़ने पर तुरंत बालू से ढकना चाहिए । उन्होंने शिक्षक एवं शिक्षिकाओं व बच्चों को अचानक आग लग जाने, गैस सिलेंडर में लगी आग को बुझा कर खुद को तथा अपने सामानों को किस प्रकार से सुरक्षित किया जाये इसकी जानकारी दी गयी । गंध से गैस की पहचान होती है । इस धुएं से बचने के लिए लेट कर या नीचे निकल जाना आवश्यक है । इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनुराधा सिंह ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अग्नि-शमन मानव जीवन को संकट में डालने वाली, सम्पत्ति और पर्यावरण को विनाशकारी अवांछित अग्नि को बुझाने या नियन्त्रण का कार्य करती है । इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में हम किस प्रकार आग पर काबू पा कर अपना तथा अपने घर को सुरक्षित रख सकते है । इस अवसर पर कक्षा नवीं के शशांक वैभव, मान्या, हनी, आयुष, धृति, संचिता, आराध्या आदर्श, अंजली, प्रेम, सामर्थ, तेजस, श्रृष्टि, मोहित सहित 600 बच्चों ने भाग लिया । विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकेत्तर कर्मचारी, बस चालक व उपचालकों ने भी कार्यक्रम को बखूबी ढंग से मॉक ड्रिल किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आपदा प्रबंधन विभाग के राजेश, स्वरूप नाथ, भोलांचल स्वाइन, मनीषा सहाय बी.के.झा व श्याम भूषण श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

बीमा कर्मचारी संघ ने जीएसटी हटाने के संदर्भ में सांसद को सौंपा ज्ञापन

धनबाद : बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल के धनबाद क्षेत्र के सदस्यों द्वारा संघ के अध्यक्ष हेमन्त मिश्रा के नेतृत्व में धनबाद के नवनिर्वाचित सांसद ढुलू महतो को धनबाद का सांसद निर्वाचित होने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी ।अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ के आह्वान पर संघ के प्रतिनिधि मंडल द्वारा सांसद को बीमा प्रीमियम पर से जीएसटी हटाने, बीमा प्रीमियम पर आयकर की धारा 80 सी के आयकर में अलग से छूट देने, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर आयकर की धारा 80 डी के अंतर्गत आयकर में छूट को पुनः लागू करने तथा साधारण बीमा क्षेत्र की चारों बीमा कंपनियों, यथा न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इन्शुअरन्स ओरिएंटल इन्शुअरन्स तथा यूनाइटेड इन्डिया इन्शुअरन्स को मिलाकर एक बड़ी बनाने संबंधी मेमोरेंडम सौंपा। सांसद ने इन विषयों पर विचार करने तथा वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से चर्चा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में संयुक्त सचिव नीरज कुमार,पेन्शनर संघ के अलगू प्रसाद,संघ के सहायक सचिव सुरेश कुमार, धनबाद बेस 1 के सचिव शुभम राज,अध्यक्ष राकेश कुमार,बेस कमिटी सदस्य राहुल कुमार एवं रिशु गुप्ता, धनबाद बेस 4 के सचिव नीशेष कुमार तथा धनबाद बेस 3 के सचिव प्रशांत कुमार सिन्हा ने सराहनीय योगदान दिया।

जागृत मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुरू हुआ रूद्र पाठ

धनबाद : जागृत मंदिर चीरागोड़ा मे चल रहे नव दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा एवं रूद्र चण्डी महायज्ञ के तिसरे दिन यज्ञ आचार्य सुबोध पांडे के नेतृत्व में आचार्य धर्मेंद्र पांडे, सुनील पांडे,अखिलेश पांडे,गणेश शास्त्री,रतन पांडे,सौरभ दुबे,विक्की मिश्रा,लवकुश पांडे, सत्यानंद पांडे,ऋषभ कुमार,सुमन पांडे,श्रीकांत पांडे,नीतीश पांडे, द्वारा सस्वर रूद्री पाठ किया गया,ब्राह्मणों द्वारा किए जा रहे रूद्री पाठ व वैदिक मंत्रोच्चार से पूरा माहौल भक्ति में हो गया वहीं दूसरी ओर यज्ञ मंडप में वेदी पूजन,मंडप पूजन,कुंड पूजन हुआ । दोपहर 2:00 बजे से विद्वानों के सानिध्य में हवन शुरू हुआ जो संध्या 6:00 बजे तक चला। इसके बाद महादेव एवं भगवती की आरती की गई।सुबह से ही यज्ञ मंडप के परिक्रमा के लिए महिला,पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ यज्ञ मंडप में उमड़ पड़ी।यज्ञ आचार्य सुबोध पांडे ने बताया कि बुधवार को विद्वानों के द्वारा रुद्र व चंडी पाठ होगा समस्त आवाहित देवताओं की षोडशोपचार विधि से पूजन होगी,तत्पश्चात हवन होगा।जगत जननी जगदंबा,शंकर भगवान, राम दरबार,राधा,कृष्ण, बजरंग बली, शिव लिंग, शीतला माता के प्रतिमा में 15 जुलाई 24 को दोपहर 3:40 में प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा।

केशलपुर झिझिपहाड़ी की जनसमस्याओं का जल्द होगा निदान : शरद

धनबाद : केशलपुर झिझिपहाड़ी व आस पास के ग्रामीण इलाकों में पानी बिजली आपूर्ति ,नाली सफाई की जनसमस्या के समाधान के लिये केशलपुर हनुमान मंदिर में ग्रामीणों को संबोधित करते हुये धनबाद सांसद प्रतिनिधि शरद महतो उर्फ शत्रुघ्न महतो ने कहा की गुरुवार को कतरास महाप्रबंधक से व बुधवार को वेलफेयर बोर्ड की बैठक में क्षेत्र में व्याप्त समस्या का समाधान की दिशा में ठोस निर्णय लिया जायेगा,सांसद प्रतिनिधि श्री महतो ने पानी,बिजली,नाली सफाई ,जर्जर सड़क निर्माण के दिशा के कई महत्वपूर्ण बाते कही।श्री महतो ने दूरभाष पर महाप्रबंधक व एजेंट से भी बात की। झिझिपहाड़ी पंचायत के मूखिया प्रतिनिधि गणेश महतो ने समस्या व समाधान से अवगत कराया।साथ ही डीप बोरिंग करवा कर पानी की समस्या का समाधान करवाने की चर्चा हुई, मौके पर केशलपुर रामकनाली व झिझिपहाड़ी के महेंद्र सिंह ,पंकज सिंह,आकाश सिंह उर्फ छोटू,राम पांडेय,मनोज कुमार मिश्रा,रोबिन कुमार,कंचन चौरसिया,मंटू,संजीत खत्री, लालटू,कृष्णा, राजेश,धनेश्वर, कमल,बैजनाथ,जीतु सिंह,अशोक कुमार सहित अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित थे ।

पर्यावरण संरक्षण में है गांवों की अहम भूमिका : अमित

बोकारो : भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने पार्टी के एक पेंड़ मां के नाम अभियान के तहत विस्थापित गाँव मधुडीह में वृक्षारोपण किया। इस दौरान कुमार अमित ने कहा कि देश के पर्यावरण को संरक्षित करने में यहाँ के गाँवों की भूमिका महत्वपूर्ण है। शहरों के प्रदूषण और पेंड़ों की कटाई के बावजूद गाँवों के हरियाली के कारण हीं आज देश का पर्यावरण बहुत हद तक संरक्षित है। बोकारो के विस्थापित गाँव बोकारो स्टील प्लांट के प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। आए दिन इस क्षेत्र के ग्रामीण प्रदूषण के कारण गम्भीर रोगों के शिकार होकर अपनी जान गँवा रहे हैं। प्रबंधन और प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। भाजपा कार्यकताओं के वृक्षारोपण जैसे रचणात्मक कार्य भी पर्यावरण को संरक्षित करने में सहायक हैं। इस बार भाजपा कार्यकताओं ने एक पेंड़ माँ के नामह्व अभियान के तहत झारखण्ड में भीं लाखों पेंड़ लगाएँ हैं। वृक्षारोपण के बाद उन पौधों का संरक्षण भी कार्यकताओं की हीं ज़िम्मेदारी है जिसे पुरा करना सभी भाजपा कार्यकताओं का कर्तव्य है।

एक नजर

सिल्ली मुरी में मां विपत्तारणी की पूजा धूमधाम से की गई

सिल्ली/मुरी : सिल्ली मुरी में मंगलवार के दिन मां दुर्गा स्वरूप विपत्तारिणी की पूजा हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर पुरोहित दिनेश बनर्जी के द्वारा व्रतियों को विधिवत मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करा कर संकल्प कराया गया। पूजा में महिलाओं ने उपवास रखकर मां की पूजा अर्चना की तथा कथा श्रवण की। इसके बाद हवन किया गया। व्रतियों के द्वारा अपने पति एवं संतान की दीघार्यु हेतु मां से प्रार्थना की। तत्पश्चात सभी महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर सिंदूर खेला किया। साथ ही एक दूसरे को सुहागन रहने की कामना की। ज्ञात हो की मां विपत्तारणी को 13-13 तरह के फल, फूल और मिष्ठान भोग के रूप में चढ़कर पूजा अर्चना की जाती है।

दो टेंपो में हुई भिड़ंत टेंपो पलटा 15 लोग घायल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर के समीप दो टेंपो में सीधी भिड़ंत हो गई। इसके बाद एक टेंपो पलट गया। टेंपो पलटने से उसमें सवार पांच लोग घायल हो गए जबकि सामने के टेंपो में सवार 10 लोग भी घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पालकोट ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद घायल महिला को सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य सभी घायलों का पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है।

जन शिकायत निवारण दिवस का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : समाहरणालय भवन सभागार गुमला में मंगलवार को साप्ताहिक जनशिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया. जिसमें डीडीसी दिलेश्वर महतो ने जिले भर से पहुंचे आवेदकों से मुलाकात किया। समस्याओं को जाना। इस दौरान लगभग 50 आवेदकों ने डीडीसी के समक्ष अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याओं को रखा और निदान करने का मांग किया। रायडीह प्रखंड के ग्राम सिलम निवासी स्वर्गीय एतवा सिंह की बेटियों अहिल्या उर्फ संजू देवी, उषा कुमारी, बजरंगी कुमारी आदि आवेदकों ने जमीन खाता संख्या 95, प्लॉट संख्या 3033 के रकबा 0.27 डीसमिल जमीन का दाखिल खारिज करने से रोकने की मांग की। गुमला प्रखंड के ग्राम खटंगा निवासी बिलो भगत ने पीएम किसान योजना का लाभ दिलाने की मांग की। बताया कि वह पीएम किसान योजना के लिए जब ऑनलाइन कराने जाती है तो बताया जाता है कि उसका आवेदन ऑनलाइन किया हुआ है। बिलो भगत ने बताया कि आवेदन ऑनलाइन होने के बाद भी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है. गुमला के ग्राम कुल्ही निवासी स्वर्गीय तिजु उरांव के पुत्र बंधु उरांव ने आर्थिक मदद करने की गुहार लगायी। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों ने बंद रास्ता को खुलवाने, जमीन विवाद को निदान करने, बैट्रीचालित गाड़ी देने, सड़क बनाने, मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत कराने समेत अन्य समस्याओं को आवेदकों ने डीडीसी के समक्ष रखा और निदान का मांग किया। घाघरा निवासी स्वर्गीय फूलदेव भगत की पत्नी रेणुका तिर्की ने डीडीसी को आवेदन सौंपकर मुआवजा दिलाने की गुहार लगायी। आवेदिका ने बताया कि 29 सितंबर 2019 में उसके पति फूलदेव भगत पर बिजली का तार टूटकर गिर गया था। जिससे फूलदेव भगत की मौत हो गयी थी। उस समय बिजली विभाग द्वारा मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया था। परंतु अभी तक विभाग द्वारा मुआवजा नहीं दिया गया है। वहीं गुमला प्रखंड अंतर्गत टोटो निवासी आवेदक महेंद्र ठाकुर ने जिला गव्य विकास से गाय दिलाने की गुहार लगायी। आवेदक ने बताया कि गव्य विकास विभाग से उसकी दिव्यांग पुत्री सुरभि कुमारी के नाम से दो दुधारू गाय स्वीकृति हुई थी। परंतु योजना के तहत गाय मिलने से पूर्व ही पुत्री की मृत्यु दुर्घटना में हो गयी। आवेदक ने कहा कि उसकी पुत्री को दिव्यांग कोटा में मिलने वाली गाय उसे दिया जाये. ताकि परिवार का जीवन-यापन चल सके। घाघरा के ग्राम गोया निवासी दिव्यांग नेजाम खां ने इंदिरा आवास बनवाने की मांग की। गुमला की 60 वर्षीय वृद्ध सुनता लोहरा ने वृद्धा पेंशन दिलवाने की गुहार लगायी जिसपर डीडीसी ने संबंधित विभाग को आवेदकों के आवेदन को अग्रसारित करते हुए निदान करने का आश्वासन दिया। मौके पर सामाजिक सुरक्षा सहायक निदेशक ललन कुमार रजक समेत अन्य मौजूद थे।

आजसू पार्टी का भ्रष्टाचार के खिलाफ नामकुम प्रखंड मुख्यालय में हल्ला बोल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : नामकोम अंचल कार्यालय में 9 को जुलाई आजसू पार्टी का नामकुम प्रखंड कार्यालय के समक्ष भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल धरना प्रदर्शन प्रखंड अध्यक्ष रतनलाल होंडा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुवा

संचालन प्रखंड सचिव-धर्मेंद्र सिंह ने किया

मौके पर आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उराँव ने कहा हेमंत सोरेन सरकार परिवार वाद से पीड़ित है प्रखंड मुख्यालय से ऊपर तक ऑफसर साही हाबी हो चुकी है बालू कोयला चोरी पर लूट मची है सरकार सिर्फ अपना जेब भरने में लगी है और जानता विकास के लिए पुरी तरह से त्रस्त हो चुकी है खिजरी विधायक पैसा कमाने में मस्त हो चुकी है। 2024 विधानसभा चुनाव परिवार वाद और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर जानता इस बार सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेगी अतिथि के रूप में आए आजसू पार्टी राँची जिला अध्यक्ष-संजय महतो ने कहा प्रखंड स्तर पर भ्रष्टाचार चरम सीमा पार कर चुकी है किसी भी गरीब परिवार को समय पर अनाज, वृद्धा पेंशन,अबुवा आवास एवं जमीन खरीद बिक्री पर धांधली बढ़ चुकी है बिना वसूली गरीबों का काम नही होता है, इऊड और उएड प्रखंड कार्यालय से गायब रहते हैं और ये सब आजसू पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। मौके पर केंद्रीय सदस्य राजू नायक,जिला सचिव कुदरत शेख, प्रदीप जायसवाल,राजू उराँव, सुरेंद्र महतो, विवेक गोप, चमरा बिंहा, फैजान अंसारी,आदि धरना प्रदर्शन में सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित सिसई थाना क्षेत्र की इंटर की 22 वर्षीय छात्रा लिलमुनी कुमारी ने अपने घर पर और अपने दुपट्टा से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलते ही सिसई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुयें एस . आई . कुमार राजवेंद्र ने अपने दलबल के साथ उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन और पुछताछ शुरू करते हुए। उक्त छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु उक्त शव को गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया गया। जहां पोस्टमार्टम के बाद उक्त शव को उसके परिजनों को सौंप दिया गया हैं।

कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति ने दीपिका पांडेय को दी बधाई

सिल्ली: झारखंड सरकार में तेरहवीं मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री ने 8 जुलाई को मंत्रिमंडल विस्तार करते हुए कैबिनेट मंत्री के रूप में दीपिका पांडेय सिंह को मंत्रिमंडल में जगह दिया तथा इन्हें कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, सहकारिता विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिम्मेदारी मिलने के बाद दीपिका सिंह पांडेय को कुरमी/ कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़ीसा के संयोजक लालचन महतो, समिति के प्रमुख नेता डाक्टर धनैश्वर मेहता, उपेन्द्र नारायण सिंह, खिरोधर महतो, प्रभु दयाल महतो, धुमा महतो आदि ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दिये।

नगर परिषद प्रशासक से मिला चेंबर का प्रतिनिधि मंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स ने नगर परिषद प्रशासक से मुलाकात कर पार्किंग, नवपर्किंग के संबंध मे चर्चा की पार्किंग, नव पार्किंग को लेकर गुमला के ब्यापारियों एवम आम नागरिक असमंजन के स्थिति बनी हुई है। चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा की व्यापारी से जो ग्राहक कोई भी क्रय विक्रय करते है तो ओह अपना टेंपो, पिकप, या पियगो, में अपना क्रय विक्रय का लोड अनलोड दुकान से करते है। गुमला कोई ट्रांसपोर्ट की सुविधा नही है यह एक पिछड़ा जिला ग्रामीण छेत्र से छोटी छोटी गाड़िया चलती है वही ब्यापारियों से रोजमारा का सामान लेकर जाते है। इसलिए जो भी छोटी गाड़िया लोड अनलोड करते है तो उसपर जुमार्ना से मुक्त किया जाय इसपर प्रशासक ने का लोड अनलोड जल्द से जल्द करा कर गाड़ी व्यापारी गाड़ी हटा ले उस पर जुमार्ना नही लगेगा पर अगर गाड़ी घनों खड़ा रहती है तो जुमार्ना लगेगा दूसरा विषय यह है की अपनें और ग्राहक के गाड़ी को पार्किंग में लगाए इस पर कसेरा ने कहा इससे ग्राहक मे कमी आयेगी और विवाद की संभावना है। नगर परिषद प्रशासक ने इस पर कहा की अगले विक अनुमंडल पदाधिकारी के के साथ होगी इस पर अपने बातो को आपलोग रखेगे। एक ज्ञापन चेट्टर रोड को यथा शीघ्र बनवाने की मांग की बरसो से यह रोड जर्जर है चेट्टार के निवासी काफी दिनो से रोड बनने की मांग कर रहे है। टेंडर पास हो गया है पर कुछ टेक्निकल प्रोब्लम के कारण सड़क बनाने में दिकात हो रही है प्रशासक के द्वारा आश्वासन दिया गया मैं इस पर विभाग से बात करूंगा सभी ब्यापारिय से आग्रह की है ।

तीन नए कानून को लेकर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : मंगलवार को सरिया कॉलेज राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से तीन नए कानून के विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के अध्यक्षता प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने की। उन्होंने कहा की नए कानून लागू होने से न्याय प्रक्रिया सरल होगी। उन्होंने नए कानून के महत्व के बारे में भी बताया। भूगोल विषय के सहायक अध्यापक शैलेश मोहन ने भारतीय न्याय संहिता कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा कानून व भारतीय साक्ष्य कानून की आवश्यकता एवं महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तीनों कानून अंग्रेज जमाने से चले आ रहे थे जिसमें संशोधन करने की आवश्यकता थी। राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा इन तीनों कानून में परिवर्तन करना आवश्यक था, क्योंकि इन कानून के बने लगभग डेढ़ सौ साल हो चुके थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का नए कानून जगह लिया। समय के साथ इसमें बदलाव करने की जरूरत थी।नए कानून बन जाने पर न्यायिक प्रक्रिया सरल होगी तथा न्यायालय में आपराधिक मामले में गिरावट आएगी। विद्यार्थियों को नए कानून से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं को यूट्यूब के माध्यम से दिखाया गया। संगोष्ठी में आइ क्यू ए सी के कोऑर्डिनेटर रविंद्र कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक कार्तिक प्रसाद यादव, रघुनंदन हजाम, डॉ प्रमोद कुमार, सहायक प्राध्यापक आशीष कुमार सिंह, डॉ श्वेता,चायरा निशा आईद आदि शामिल थे। इस मौके पर रानी कुमारी, रुबी कुमारी, प्रियंका कुमारी, नेहा कुमारी ,पम्मी कुमारी, सोनाली कुमारी, मनोरमा कुमारी, पंकज कुमार, धीरज कुमार, मधु कुमारी तनुश्री, नंदिनी,मनीषा, धीरज समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राऐ उपस्थित थे।

7 वर्षीय बच्ची के गले में अटका सिक्का

गुमला : गुमला सदर थाना क्षेत्र के धोधरा टंगरा टोली निवासी सोमे उरांव की 7 वर्षीय बेटी अरुणा कुमारी के गले में 10 का सिक्का अटक गया। जिससे बच्ची को सांस लेने में परेशानी होने लगी और वह बेसुध हो गई। इसके बाद परिजन उसे सदर अस्पताल लेकर आए।

जिले में पर्यटन विकास को लेकर योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में आज सोमवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन परिषद् शासी निकाय विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। पर्यटन को बढ़ावा देने एवं नए पर्यटन क्षेत्रों के विकास को लेकर उपायुक्त ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने जिले के अधिसूचित पर्यटन क्षेत्रों के विकास को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने जिला खेल पदाधिकारी को उक्त स्थानों को पर्यटन क्षेत्र के रूप में परिवर्तित करने को लेकर डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया। पर्यटन स्थलों के विकास से संबंधित भी समीक्षा कर उक्त स्थानों को विकसित करने हेतु भी डीपीआर तैयार करने का निर्देश जिला खेल पदाधिकारी को दिया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों अंजन धाम, टांगीनाथ धाम, नवरत्न गढ़, गोबर सिल्ली आदि जैसे स्थानों के भी विकास के कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया, साथ ही धरातलीय कार्यों को अविलंब प्रारंभ करने की बात कही। साथ ही बैठक में पर्यटक संवर्धन परिशद् को डीटीपीसी अधिनियम 1860 के तहत निबंधन को बढ़ावा दने का निर्णय लिया गया। जिले का प्रवेश बोर्ड पर साईनेज लगाने को कहा गया। सभी पर्यटन स्थलों पर साईन बोर्ड तथा साफाई कराने का निर्देश दिया। जिले के सभी पर्यटन स्थालों को साफ सफाई रखने को निर्देश डीटीपीसी को दिया गया। फ्एड के माध्यम से रोड बनवाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा सिरा सीता में सप्ताहिक स्थानिय पुलिस के द्वारा गस्ती करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिले में सभी शहीदों का एक ही स्थल पर शहीद स्मारक बनाने का निर्णय लिया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER AND SANITATION DIVISION
RANCHI EAST, RANCHI

E-Request For Proposal Notice
1st Call

e-Tender Notice No. LAB/DWSD/09/2024-25 Dated – 08/07/2024

1.	कार्य का नाम	REQUEST PROPOSAL FOR SUPPLYING FIELD TEST KIT (FTKs) for Ranchi Zone in 18 nos. OF Divisions (Chatra, Garhwa, Gumla Hazaribagh, Khunti, Jhumritilliya, Latehar, Lohardaga, Medninagar, Chaibasa, Chakardharpur, Jamshedpur, Adityapur, Ramgarh, Ranchi West, Ranchi East, Saraikela, Simdega And State Lab Ranchi (For Training Purpose)
2.	परिमाण विपत्र मूल्य एवं अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र मूल्य (10,000) एवं अग्रधन की राशि (6,00000)
3	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	15.07.2024 at 1:00PM से।
4	प्री बीड बैठक की तिथि एवं समय	18.07.2024 in the Office of the Chief Engineer-cum-Executive Director, Programme Management Unit, DWSD, Jharkhand, Doranda, Ranchi at 3:00PM
5	ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	24.07.2024 at 5:00PM
6	ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय	26.07.2024 at 2:00PM
7	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	Executive Engineer, Drinking Water and Sanitation Division- Ranchi East, Ranchi - 834002
8	ई-मेल	eedwsd.ranchieast@gmail.com
9	ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या	9431687981

NB:- For Details
1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रॉंची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान सम्वेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही सम्वेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http//:jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
PR 329058 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D रॉंची पूर्व, रॉंची

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER AND SANITATION DIVISION,
RANCHI EAST, RANCHI

E-Request For Proposal Notice
1st Call

e-Tender Notice No.– LAB/DWSD/08/2024-25 Dated- 08.07.24

1.	कार्य का नाम	REQUEST PROPOSAL FOR SUPPLYING FIELD TEST KIT (FTKs) For Dumka Zone in 14 nos. OF Divisions (Tenughat, Chas, Deoghar, Madhupur, Dhanbad,-1, Dhanbad-2, Dumka-1, Dumka-2, Giridih 1, Giridih 2, Godda, Jamtara, Pakur, Sahebganj
2.	परिमाण विपत्र मूल्य एवं अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र मूल्य (10,000) एवं अग्रधन की राशि (6,00,000)
3	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	15.07.2024 at 1:00PM से।
4	प्री बीड बैठक की तिथि एवं समय	18.07.2024 in the Office of the Chief Engineer-cum-Executive Director, Programme Management Unit, DWSD, Jharkhand, Doranda, Ranchi at 3:00PM
5	ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	24.07.2024 at 5:00PM
6	ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय	26.07.2024 at 2:00PM
7	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	Executive Engineer, Drinking Water and Sanitation Division- Ranchi East, Ranchi - 834002
8	ई-मेल	eedwsd.ranchieast@gmail.com
9	ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या	9431687981

NB:- For Details
1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रॉंची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान सम्वेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही सम्वेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http//:jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR 329040 Drinking Water and Sanitation(24-25).D
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पूर्व, रॉंची

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला
Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति-अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना संख्या : 10/2024-25 दिनांक – : 09.07.2024

1 Name of Work :- Construction of rural water supply Scheme with DC Solar motor pump complete set & with new Source/Existing Source for PVTG Tola at different blocks of Gumla Dist. under Drinking Water and Sanitation Division, Gumla for the year 2024-25 (Head PM JAN MAN Yojna & JJM).

ग्रुप संख्या	योजनाओं की संख्या	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रु० में)	परिमाण विपत्र के मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
GML/PVTG/Bahagarha – Gr.01	09	1,11,47,616.00	2,23,000.00	10,000.00	03 Months
GML/PVTG/Hapad – Gr.02	10	1,17,83,137.00	2,36,000.00	10,000.00	03 Months
GML/PVTG/Kochi Gr.03	10	1,23,46,068.00	2,47,000.00	10,000.00	03 Months

2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.07.2024 समय 05.00 बजे अपराह्न तक
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडिंग) की अन्तिम तिथि एवं समय	18.07.2024 समय 05.00 बजे अपराह्न तक
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	18.07.2024 समय 05.00 बजे अपराह्न तक
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	19.07.2024 समय 05.00 बजे पूर्वाह्न
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला।
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :-	ई० संतोष कुमार मणि, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं०	7488491963
9	ई- प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं०	7488491963

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
PR 329049 Drinking Water and Sanitation(24-25)D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
DRINKING WATER AND SANITATION DIVISION
RANCHI EAST, RANCHI

E-Request For Proposal Notice
1st Call

e-Tender Notice No. LAB/DWSD/11/2024-25 Dated – 08/07/2024

Sl	कार्य का नाम	EXPRESSION OF INTEREST FROM TECHNICAL MANPOWER PROVIDING AGENCIES FOR PROVIDING HUMAN RESOURCES IN ZONE 3 (GARHWA, MEDININAGAR, CHATRA, LATEHAR, LOHARDAGA, GUMLA AND SIMDEGA) WATER TESTING LABORATORIES OF JHARKHAND UNDER DRINKING WATER AND SANITATION DEPARTMENT, JHARKHAND.
1.	परिमाण विपत्र मूल्य एवं अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र मूल्य (10,000) एवं अग्रधन की राशि (3,10,000)
3	वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय	15.07.2024 at 1:00 PM से।
4	प्री बीड बैठक की तिथि एवं समय	18.07.2024 in the Office of the Chief Engineer-cum-Executive Director, Programme Management Unit, DWSD, Jharkhand, Doranda, Ranchi at 3:00 PM
5	ई-निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	24.07.2024 at 5:00 PM
6	ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय	26.07.2024 at 2:00 PM
7	ई-निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता	Executive Engineer, Drinking Water and Sanitation Division- Ranchi East, Ranchi - 834002
8	ई-मेल	eedwsd.ranchieast@gmail.com
9	ई-निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या	9431687981

NB:- For Details
1. निविदा अन्तर्गत परिमाण विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि ई-गवर्नेंस विभाग झारखण्ड मंत्रालय, धुर्वा, रॉंची के आदेश सह ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के अनुरूप प्राप्त की जाएगी।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई-भुगतान सम्वेदक द्वारा जिस बैंक खाता से किया जाएगा। उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर बैंक खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही सम्वेदक की होगी।
3. प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन एवं परिमाण विपत्र की राशि भी देय होगी है।
4. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट http//:jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल
PR 329044 Drinking Water and Sanitation (24-25)_D रॉंची पूर्व, रॉंची

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd.
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building Kusai Colony, Doranda, Ranchi - 834002
Fax No.:0651-2400123 (E-mail:cetjusnl@gmail.com)

SHORT e-TENDER NOTICE
NIT No.-79/PR/JUSNL/2024-25

E-tender in two parts i.e. Technical (Part-I) and Financial (Part – II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound firm for the following works : -

Name of work	Housekeeping, cleaning, sweeping, dusting & sanitization work at JUSNL Hqrs. and its associated premises including supply of medium size (cemented) flower pots with flowering and nonflowering plants alongwith maintenance of newly supplied and existing flower pots with flowering and non-flowering plants, operation of 3-phase submersible pump, cleaning of all water tanks and supervision of water supply line for a period of one (01)year w.e.f. 01.08.2024 to 31.07.2025 at JUSNL Hqrs, Kusai, Doranda, Ranchi.
Estimated cost (Rs.)	Rs. 33,05,550.00 (Inclusive of all taxes)
Earnest Money Deposit	Rs. 66,200.00 in Online mode
Completion Period	**12 Months**
e-Tender fee	Rs. 10,000/- only + 18% GST in online mode
Start Date & Time of Download the Tender Documents	10.07.2024 at 11:00 AM
Start Date and time of upload of BID	10.07.2024 at 01:00 PM
End date and time of upload of BID	25.07.2024 upto 04:00 PM
BID Opening date for technical part	26.07.2024 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated
Procurement Officer and address for communication	General Manager, C&M (NWBP), 2nd Floor, JUSNL (SLDC) Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (8987421011) during office hours.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager, C&M (NWBP)
JUSNL,Ranchi

PR 329034 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25)#D

संपादकीय

मॉस्को में मोदी

तीसरी बार सत्ता संभालने के बाद अपने पहले द्विपक्षीय विदेश दौरे के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस को चुना। पिछले दो कार्यकालों में उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए पड़ोसी देशों को चुना था। जाहिर है, साल 2014 और 2019 के मुकाबले आज की वैश्विक चुनौतियां काफी अलग हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने जहां तमाम देशों की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को प्रभावित किया है, तो वहीं हमास-इजरायल जंग ने एक अलग किस्म की मानवीय चुनौती पेश की है। ऐसे में, इस यात्रा के जरिये प्रधानमंत्री ने क्रेमलिन को यह संदेश देने की कोशिश की है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश का महत्व समझता है। रूस भी इस कदम की अहमियत से वाकिफ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के कार्यालय के प्रवक्ता के बयान इसकी तस्दीक करते हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने प्रधानमंत्री मोदी के नई दिल्ली से उड़ान भरने से पहले ही कहा कि 'हम एक अति महत्वपूर्ण दौरे की आशा करते हैं, जो दोनों देशों के आपसी रिश्तों के लिहाज से काफी अहम होगा।' भारत और रूस के शीर्ष नेतृत्व की आखिरी सालाना शिखर बैठक दिसंबर 2021 में हुई थी, तब राष्ट्रपति पुतिन नई दिल्ली आए थे। उसके बाद से शीर्ष स्तर पर दोनों नेताओं की बैठक नहीं हो सकी थी। हालांकि, दोनों देशों के संबंधों की ऊष्मा बनी रही। इसकी एक बानगी उस वक्त देखने को मिली, जब यूक्रेन पर आक्रमण करने के कारण रूस के खिलाफ तमाम प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने पश्चिमी रुख को नजरअंदाज करते हुए उससे तेल खरीदना जारी रखा, बल्कि उसने पहले से कहीं अधिक तेल आयात किया। इस तरह उसने अपने अरबों डॉलर बचाए हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री के मौजूदा दौरे ने पश्चिम को प्रकारांतर से यह संदेश दिया है कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और अपने राष्ट्रीय हितों से संचालित है। गौर करने वाली बात यह है कि प्रधानमंत्री का मॉस्को दौरा उस समय हुआ है, जब रूस विरोधी नाटो समूह की अमेरिका में बैठक हो रही है। किसी एक देश की कीमत पर दूसरे से संबंधों में प्रगाढ़ता का भारत कभी हिमायती नहीं रहा। देर से ही सही, पश्चिम को यह बात अब समझ में आने लगी है। शायद यही कारण है कि अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते विगत दो दशकों में काफी सुधरे हैं और वाशिंगटन में भारत की जरूरतों की समझ भी बढ़ी है। जहां तक रूस का प्रश्न है, तो उसके साथ ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा-संस्कृति, पर्यटन आदि अनेक क्षेत्रों में भारत के गहरे संबंध हैं और बदली वैश्विक स्थितियों में उन पर नए सिरे से विमर्श जरूरी हैं। निस्संदेह, भारत प्रत्येक देश की संप्रभुता की शुचिता के बड़े पैरोकारों में से एक रहा है और इसीलिए यूक्रेन पर रूसी हमले का उसने कभी समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी कई मौकों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दे चुके हैं। मुमकिन है, राष्ट्रपति पुतिन से अनौपचारिक बातचीत में इस मौजू पर उनकी बात हुई हो। रूस, चीन और ईरान की बढ़ती नजदीकियों पर भी भारत की गहरी निगाह है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे ने यकीनन रूस को यह कहने का अवसर दिया है कि वह लोकतांत्रिक दुनिया में पूरी तरह से अलग-थलग नहीं पड़ा है। ऐसे में, क्रेमलिन को भी बीजिंग के साथ अपने संबंधों की पटकथा लिखते हुए भारतीय हितों और चिंताओं का ख्याल रखना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

समुद्र में कार्बन भंडारण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

मुकुल व्यास

जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक उत्सर्जित कार्बन को वायुमंडल से हटाने के लिए नए-नए तरीके खोज रहे हैं। कार्बन को ठिकाने लगाने के लिए कुछ वैज्ञानिकों का ध्यान समुद्र तल की चट्टानों की ओर गया है। समुद्र तल पर स्थित बेसाल्ट की चट्टानों के भंडार में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता है। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड को जमा करने की क्षमता रखती हैं। ये ज्वालामुखीय चट्टानें हमारे वायुमंडल से गर्मी को कैद करने वाली गैस को हटाने में मदद कर सकती हैं। वैज्ञानिकों की एक टीम समुद्री तटों के निकट फ्लोटिंग रिग बनाना चाहती है। ये रिग समुद्र तल से तेल निकालने के बजाय उसमें कार्बन डाइऑक्साइड प्रविष्ट करेंगे। अपने स्वयं के विंड टर्बाइनों द्वारा संचालित फ़्लोटिंग प्लेटफार्म आकाश या समुद्री जल से कार्बन डाइऑक्साइड को खींचेंगे और उसे समुद्र तल में छिद्रों में पंप करेंगे। वैज्ञानिक अपनी परियोजना को 'सॉलिड कार्बन' कहते हैं। अगर यह परियोजना उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करती है तो तल में प्रविष्ट कार्बन डाइऑक्साइड हमेशा के लिए समुद्र के तल पर एक चट्टान बन जाएगी। प्रोजेक्ट पर काम कर रहे कनाडा के भूभौतिकीविद् मार्टिन शरवाथ ने कहा कि इससे कार्बन भंडारण बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाएगा। इस तकनीक से हमें अन्य भंडारण तकनीकों की तरह कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और वैश्विक तापमान वृद्धि के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। यह अभी तक निश्चित नहीं है कि ये कार्बन हटाने वाली समुद्री फैक्टरियां उम्मीद के मुताबिक काम करेंगी या नहीं। सबसे पहले विज्ञानियों को समुद्र में एक प्रोटोटाइप का परीक्षण करने के लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि दुनियाभर में, बेसाल्ट चट्टानें पृथ्वी के समस्त जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन को स्थायी रूप से जमा कर सकती हैं। गौरतलब है, इस तरह की तकनीक को अपनाने का मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध तरीके से जलाना सुरक्षित है। फिर भी विज्ञानियों का कहना है कि कुछ रिग ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। शरवाथ के अनुसार कनाडा के पश्चिमी तट से दूर, वैंकूवर द्वीप के पास कैस्केडिया बेसिन में विश्व के 20 साल के कार्बन उत्सर्जन को कैद करने की गुंजाइश है। यहीं पर विज्ञानी एक फील्ड टेस्ट करना चाहते हैं। यह योजना एक रासायनिक प्रतिक्रिया पर आधारित है जो पहले से ही स्वाभाविक रूप से होती है। बेसाल्ट चट्टान अत्यधिक प्रतिक्रियाशील होती है। ऐसी चट्टानें धातुओं से भरी होती हैं जो आसानी से कार्बन डाइऑक्साइड को पकड़ लेती हैं और कार्बोनेट खनिजों का निर्माण करने के लिए रासायनिक रूप से इसके साथ जुड़ जाती हैं। बेसाल्ट भी टूट जाता है और छिद्रपूर्ण हो जाता है, जिससे नए कार्बोनेट के भरने के लिए पर्याप्त जगह बच जाती है। आइसलैंड में कार्बफिक्स नामक एक परियोजना ने इस प्रक्रिया के एक छोटे संस्करण का सफल प्रदर्शन किया है। इस विधि में पानी में कार्बन डाइऑक्साइड को घोला जाता है। फिर उसे भूमिगत बेसाल्ट चट्टान में इंजेक्ट किया जाता है। ये समुद्री कार्बन-भंडारण कारखाने बहुत महंगे उपक्रम होंगे लेकिन यदि हम पृथ्वी को पूर्व-औद्योगिक तापमान पर वापस लाना चाहते हैं तो हमें अंततः ऐसे मेगा-प्रोजेक्ट का सहारा लेना पड़ सकता है। सॉलिड कार्बन उन बुनियादी तात्कालिक उपायों का विकल्प नहीं है, जिनकी दुनिया भर के जलवायु विशेषज्ञ मांग कर रहे हैं। इन उपायों में जीवाश्म ईंधन को नवीकरणीय ऊर्जा में बदलना और खाद्य प्रणालियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करना शामिल है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने ऐसे वायरस खोजे हैं जो जलवायु परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। वायरस शब्द हमारे मन में खौफ पैदा करता है लेकिन सभी वायरस खौफनाक नहीं होते। इनकी दूसरी भूमिकाएं भी हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने ग्रीनलैंड की बर्फ पर विशाल वायरस की मौजूदगी का पता लगाया है जो बर्फ के शैवाल को संक्रमित करके आर्कटिक की बर्फ के काले होने और पिघलने को नियंत्रित कर सकते हैं। वायरस के 'विशाल' से चकित न हों। विशाल होने के बावजूद इन वायरस को कोरी आंख से नहीं देखा जा सकता। अभी माइक्रोस्कोप से भी इन्हें नहीं देखा जा सका है। इनकी खोज नमूनों के डीएनए विश्लेषण से हुई। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन वायरस का उपयोग करके बर्फ के पिघलने की गति को धीमा किया जा सकता है। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने के लिए एक नया रास्ता मिल सकता है। हर वसंत में आर्कटिक के पिघलने पर जीव-जंतु और काले शैवाल सक्रिय हो जाते हैं। शैवाल के सक्रिय होने से बर्फ पिघलने की गति बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ के तेजी से पिघलने से होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए ये वायरस प्राकृतिक समाधान प्रदान करते हैं। आर्कटिक में महीनों के अंधेरे के बाद हर वसंत में जब सूरज उगता है,तो जीवन वापस आ जाता है। ध्रुवीय भालू अपनी सर्दियों की मांद से बाहर निकलते हैं। आर्कटिक टर्न नामक पक्षी अपनी लंबी यात्रा से दक्षिण की ओर उड़ते हैं और कस्तूरी बैल उत्तर की ओर बढ़ते हैं। लेकिन जानवर ही एकमात्र ऐसे जीव नहीं हैं जो वसंत के सूरज से फिर से जागृत होते हैं। बर्फ पर निष्क्रिय पड़े शैवाल वसंत में खिलने लगते हैं और बर्फ के बड़े क्षेत्रों को काला कर देते हैं। जब बर्फ काली हो जाती है तो सूरज को परावर्तित करने की इसकी क्षमता कम हो जाती है। इससे बर्फ पिघलने की प्रक्रिया में तेज़ी आती है जिससे ग्लोबल वार्मिंग और भी बढ़ जाती है। डेनमार्क के आहस विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञानी लॉरा पेरीनी का कहना है कि विशाल वायरस बर्फ के शैवाल पर फ़ीड करते हैं। शैवाल के खिलने पर ये वायरस एक प्राकृतिक नियंत्रण तंत्र के रूप में काम कर सकते हैं। वायरस आम तौर पर बैक्टीरिया से बहुत छोटे होते हैं। सामान्य वायरस का आकार 20-200 नैनोमीटर होता है,जबकि सामान्य बैक्टीरिया का आकार 2-3 माइक्रोमीटर होता है। दूसरे शब्दों में,सामान्य वायरस बैक्टीरिया से लगभग 1000 गुना छोटा होता है। हालांकि, विशाल वायरस के मामले में ऐसा नहीं है। विशाल वायरस 2.5 माइक्रोमीटर के आकार तक बढ़ते हैं। विशाल वायरस ज्यादातर बैक्टीरिया से बड़े होते हैं। लेकिन विशाल वायरस सिर्फ आकार में ही बड़े नहीं होते। आनुवंशिक जटिलता के हिसाब से ये वायरस बहुत अनोखे हैं। उनका जीनोम जीन समूह सामान्य वायरस से बहुत बड़ा होता है। बैक्टीरिया को संक्रमित करने वाले बैक्टीरियोफेज नामक वायरस के जीनोम में 100.000 से 200.000 अक्षर होते हैं। विशाल वायरस में लगभग 2.500.000 अक्षर होते हैं। विशाल वायरस की खोज सबसे पहले 1981 में समुद्र में हुई थी।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

भारतीय सांख्यिकी के प्रणेता प्रशांत चंद्र महालनोबिस

(लेखक- संजय गोस्वामी)

किसी देश की सांख्यिकी प्रणाली उसके दर्पण के रूप में कार्य करती है। यह आंकड़े तैयार करता है जो पर्यवेक्षकों को यह देखने की अनुमति देता है कि कोई देश प्रति व्यक्ति आय, मुद्रास्फीति, गरीबी, जीवन प्रत्याशा और स्कूली शिक्षा के औसत वर्षों जैसे प्रमुख सामाजिक-आर्थिक मानकों पर कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।भारत में सांख्यिकी प्रणाली का विकास प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किया गया थाप्रशांत चंद्र महालनोबिस का जन्म कोलकाता स्थित उनके पैतृक निवास में 29 जून, 1893 को हुआ था। उनके दादा गुरचरण ने सन 1854 में बिक्रमपुर (अब बांग्लादेश) से कोलकाता आकर अपना व्यवसाय स्थापित किया था। उनके पिता प्रबोध चंद्र महालनोबिस साधारण ब्रह्मो समाज के सक्रिय सदस्य थे और उनकी माता निरोदबसिनी बंगाल के एक पढ़े-लिखे कुल से सम्बन्ध रखती थीं। प्रशांत का बचपन विद्वानों और सुधारकों के सान्निध्य में गुजरा और उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा उनके दादा द्वारा स्थापित ब्रह्मो ब्वायज स्कूल में हुई। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा भी इसी विद्यालय से सन 1908 में पास की। इसके बाद उन्होंने सन 1912 में प्रेसीडेंसी कालेज से भौतिकी विषय में आनर्स किया और उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए लंदन चले गए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में जगदीश चन्द्र बोस, सारदा प्रसन्न दास और प्रफुल्ल चन्द्र रॉय जैसे शिक्षकों ने उन्हें पढ़ाया। मेघनाद साहा उनसे एक कक्षा जूनियर थे तथा सुभाष चन्द्र बोस 2 कक्षा जूनियर। लन्दन जाकर उन्होंने कैंब्रिज में दाखिला लिया और भौतिकी और गणित दोनों विषयों से डिग्री हासिल की। कैंब्रिज में इनकी मुलाकात महान भारतीय गणितग्य श्रीनिवास रामानुजन से हुई। फिजिक्स में अपना ट्रीपोस करने के बाद उन्होंने कवेंडिश प्रयोगशाला में टी.आर. विल्सन के साथ कार्य किया। उसके बाद ये कुछ समय के लिए कोलकाता लौट आए जहाँ उनकी मुलाकात प्रेसीडेंसी कॉलेज के प्रिंसिपल से हुई जिन्होंने उन्हें वहाँ पर भौतिकी पढ़ने का आमंत्रण दिया। कुछ समय बाद प्रशांत इंग्लैंड वापस चले गए जहाँ किसी ने उनको बायोमेट्रिका पढने के लिए कहा। यह एक सांख्यिकी जर्नल था। उन्हें इसे पढ़कर इतना आनंद आया कि उन्होंने इसका एक सेट ही खरीद लिया और अपने साथ भारत ले गए। बायोमेट्रिका पढने के बाद उन्हें मानव-शास्त्र और मौसमविज्ञान जैसे विषयों में सांख्यिकी की उपयोगिता का ज्ञान हुआ और उन्होंने भारत लौटते वक़्त ही इस पर काम करना प्रारंभ कर दिया। कोलकाता में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस की मुलाकात निर्मला कुमारी से हुई जो हेरम्भाचंद्र मित्रा की पुत्री थीं। हेरम्भाचंद्र एक अग्रणी शिक्षाविद और ब्राह्मो समाज के सदस्य थे। 27 फरवरी 1923 को दोनों ने हेरम्भाचंद्र की मर्जी के विरुद्ध विवाह कर लिया। प्रशांत के मामा सर नीलरतन सरकार ने कन्या के पिता का रस्म अदा किया। भारतीय सांख्यिकी संस्थान प्रशांत चन्द्र महालनोबिस के कई सहयोगियों ने सांख्यिकी में दिलचस्पी लेना प्रारंभ किया और धीरे-धीरे ये समूह बढ़ता ही गया। ये सभी लोग प्रशांत के प्रेसीडेंसी कॉलेज कमरे में इकट्ठे होते थे। 17 दिसम्बर 1931 को भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना हुई और 28 अप्रैल 1932 को औपचारिक तौर पर पंजीकरण करा लिया गया। प्रारंभ में संस्थान प्रेसीडेंसी कॉलेज के भौतिकी विभाग से चलाया गया पर धीरे-धीरे इसके सदस्यों ने जैसे-जैसे इस दिशा में काम किया वैसे-वैसे संस्थान भी बढ़ता गया। बायोमेट्रिका के तर्ज पर सन 1933 में संस्थान के जर्नल संख्या की स्थापना हुई। सन 1938 में संस्थान का प्रशिक्षण प्रभाग स्थापित किया गया। सन 1959 में भारतीय सांख्यिकी संस्थान को राष्ट्रिय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया और इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। कोलकाता के अलावा भारतीय सांख्यिकी संस्थान की शाखाएँ दिल्ली, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे, कोयंबटूर, चेन्नई, गिरिडीह सहित भारत के दस स्थानों में हैं। इसका मुख्यालय कोलकाता में है जहाँ मुख्य रूप से सांख्यिकी की पढ़ाई होती है। सांख्यिकी में योगदान आचार्य ब्रजेन्द्रनाथ सील के निर्देशन में प्रशांत चन्द्र महालनोबिस ने सांख्यिकी पर काम करना शुरु किया और इस दिशा में जो सबसे पहला काम उन्होंने किया, वह था कालेज के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण। इस काम में उन्हें काफ़ी सफलता मिली। इसके बाद महालनोबिस ने कोलकाता के ऐंग्लो-इंडियंस के बारे में एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। यह विश्लेषण और इसका परिणाम भारत में सांख्यिकी का पहला शोध-पत्र कहा जा सकता है। महालनोबिस का सबसे बड़ा योगदान उनके द्वारा शुरु किया गया सैंपल सर्वे की संकल्पना है। इसके आधार पर आज के युग में बड़ी-बड़ी नीतियाँ और योजनाएँ बनाई जा रही हैं। महालनोबिस की प्रसिद्धि महालनोबिस दूरी के कारण भी है जो उनके द्वारा सुझाया गयी एक सांख्यिकीय माप है। सम्मान एवं पुरस्कार सन 1944 में उन्हें वेलडन मेडल पुरस्कार दिया गया सन 1945 में लन्दन की रायल सोसायटी ने उन्हें अपना फेलो नियुक्त किया सन 1950 में उन्हें इंडियन साइंस कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया अमेरिका के एकोनोमेट्रिक सोसाइटी का फेल्लो नियुक्त किया गया सन 1952 में पाकिस्तान सांख्यिकी संस्थान का फेलो रॉयल स्टैटिस्टिकल सोसाइटी का मानद फेलो नियुक्त किया गया (1954) सन 1957 में उन्हें देवी प्रसाद सर्वाधिकार स्वर्ण पदक दिया गया सन 19 59 में उन्हें किंग्स कॉलेज का मानद फेलो नियुक्त किया गया 1957 में अंतर्राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान का ऑनररी अध्यक्ष बनाया गया नका जन्‍ मदिन, 29 जून, हर वर्ष भारत में सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है सन 1968 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म विभूषण से सम्मानित किया सन 1968 में उन्हें श्रीनिवास रामानुजम स्वर्ण पदक दिया गया निधन प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस एक दूरद्रष्टा थे। 28 जून, 1972 को उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने सांख्यिकी का प्रयोग आम लोगों की भलाई के कार्यों के लिए किया। उन्होंने कभी भी कोई पद आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया क्योंकि उन्हें विज्ञान में ब्यूरोक्रेसी की दखलअंदाजी पसंद नहीं थी। वे भारतीय सांख्यिकी संस्थान को सदैव एक स्वतंत्र संस्था के रूप में देखना चाहते थे।

विचार मंथन

बारिश के पानी को बचाने के लिए करने होंगे नए उपाय

(लेखक - सनत जैन)

भारत में बारिश के 8 फ़ीसदी पानी को ही हम संचित कर पाते हैं। शेष पानी नदियों से बहते हुए समुद्र में चला जाता है। बारिश के पानी का हम संचयन कर सकें, तो काफी हद तक जल संकट से निपटा जा सकता है। छोटी-छोटी योजना बनाकर बेहतर तरीके से पेयजल और भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने की दिशा में बेहतर उपाय करने होंगे। हमें बारिश के पानी की बहुत अधिक जरूरत है। भारत में भूमिगत जल स्तर बड़ी तेजी के साथ गिर रहा है। खेती किसानी के काम में भी भूमिगत जल स्तर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण साल दर साल जल स्तर गिरता ही जा रहा है। भारत की बहुत बड़ी आबादी पेय जल संकट से 1 माह से लेकर 3 माह तक जूझती रहती है। पानी के कारण कई हिस्सों से पलायन होता है। देश में पिछले 75 सालों से पानी को लेकर हम कई अभियान संचालित कर रहे हैं। उसके बाद भी केवल 8 फीसदी बारिश का जल ही हम बचाने में सफल हो पा रहे हैं। यह बड़ी चिंता का विषय है। 1947 में भारत में 6042 क्यूबिक मीटर पानी की उपलब्धता थी। जो 2021 में घटकर 1486 रह गई है। पर्यावरण विद् ज्ञानेंद्र रावत के अनुसार भारत में हर व्यक्ति को रोजाना लगभग 150 लीटर पानी की जरूरत होती है। लापरवाही के कारण 45 लीटर पानी रोजाना बर्बाद कर दिया जाता है। भारत सरकार अभी भी शुद्ध पेयजल अपने नागरिकों को उपलब्ध नहीं कर पा रही है। प्राकृतिक जल स्रोतों के ऊपर भारत सरकार का ध्यान नहीं है, जैसा होना चाहिए। देश के अधिकांश जल स्रोत इस समय संकट में है। कुआं, तालाब और पोखरों का रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण बारिश के जल का जो संग्रहण प्राकृतिक रूप से होता था वह भी अब नहीं हो पा रहा है। अधिकतर जलाशयों का उपयोग मछली पालन और खेती किसानी के लिए होने लगा है। भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चले जाने से कुआं और नलकूप खनन के जरिए जो पानी पेयजल एवं अन्य कामों के लिए उपलब्ध होता था, वह भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हैंड पंप 4 से 5 महीने ही पानी दे पा रहे हैं। सरकार के साथ-साथ स्थानीय संस्थाओं, सामाजिक एवं पारिवारिक गतिविधियों में हम प्राकृतिक जल संसाधनों का अत्याधिक दोहन तो कर लेते हैं। प्राकृतिक जल के रखरखाव और जल संग्रहण को लेकर जो काम हमें करने चाहिए, वह नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में जो जल स्रोत हैं। उनके आसपास मिट्टी का जमा हो जाना। समय-समय पर उनकी सफाई नहीं होना, बढ़ते जल संकट का बड़ा कारण है। भारत में हर साल बारिश के समय देश के अधिकांश राज्यों में बाढ़ की समस्या होती है। बारिश का जल हम बह जाने देते हैं। बाढ़ के समय नदियों और नालों का जल स्तर काफी ऊंचाई पर पहुंच जाता है। बारिश के पानी को संग्रहित करने की कोई योजना बनाएं। बाढ़ के पानी को भी बड़ी मात्रा में निचले क्षेत्रों में आसानी से संग्रहित किया जा सकता है। इस दिशा में अभी तक कोई काम भारत में नहीं हुआ है।

दुनिया के सभी देशों में पेयजल संकट देखने को मिल रहा है। भारत जैसे देश में जहां पेयजल प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। अब भारत में भी पानी को खरीदकर पीना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ समय-समय पर चेतावनी दे रहा है। पूरी दुनिया के 270 करोड लोग अभी भी जल संकट से प्रभावित हैं। इतनी बड़ी आबादी को पीने के लिए शुद्ध जल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जल संकट के कारण अब युद्ध तक की बात होने लगी है। भारत में बारिश के पानी को बचाने के लिए छोटी छोटी योजनाएं बनानी पड़ेंगी। मानसून के समय बाढ़ के पानी को उन निचले क्षेत्रों में ले जाकर संग्रहित कर सकें जहां इनकी जरूरत है। बिहार जैसे राज्य जहां हर साल बारिश में बाढ़ आती है। उस समय जल काफी ऊंचाई के स्तर पर रहता है। छोटे-छोटे कटाव करके पानी निचले क्षेत्रों में आसानी के साथ तेज बहाव में भेजा जा सकता है। बाढ़ से जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित होता है। उसके बाद साल भर जल संकट का भी सामना उन्हीं क्षेत्रों को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार और राज्य सरकारों को गंभीर चिंतन करना होगा। जहां पर आबादी है उन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बारिश के पानी को बचाने का प्रबंध करना चाहिए। जिससे भूमिगत जल स्तर बेहतर हो। साथ ही पेयजल के साथ-साथ जानवरों, पशु पक्षियों और खेती के लिए पर्याप्त मात्रा में लंबे समय तक जल उपलब्ध हो सके।

हम बारिश के पानी का पांच फीसदी और ज्यादा बचा पाए, तो बहुत सारी समस्याओं का हल बारिश के पानी से हो जाएगा। इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार घायल

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत जोड़ाजाम के समीप अचानक कुत्ता के सड़क पर दौड़ जाने से बाइक सवार 23 वर्षीय अमित केरकेट्टा अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना में उसके सिर में गंभीर चोट लगी। जबकि बाइक में पीछे बैठे भलमंडा अंबा टोली निवासी बहुरन गोप को मामूली चोट लगी। जानकारी के मुताबिक दोनों रायडीह से गुमला आ रहे थे। तभी सोमवार की रात करीब 8:00 बजे जोड़ाजाम के समीप अचानक कुत्ता के सड़क पर दौड़ जाने से अनियंत्रित होकर दोनों सड़क पर गिर गए।

झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मानजनक पेंशन दे सरकार : बीपी मेहता

हजारीबाग : झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा जिला इकाई में अपनी मांगों को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय धरना उपायुक्त कार्यालय के समक्ष दिया। अध्यक्षता महमूद आलम व संचालन खलील अंसारी ने किया। धरना के बाद अपनी मांगों से संबंधित मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद भुनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि झारखंड अलग राज्य की लड़ाई में सैकड़ों आंदोलनकारी शहीद हुए। यातनायें झेली और जेल गये लेकिन अलग राज्य बनने के 24 साल बाद भी सरकार आंदोलनकारियों के लिये अबतक कुछ भी नहीं किया है। उन्होंने सरकार से आंदोलनकारियों की पहचान कर उन्हें सम्मानजनक पेंशन एंव अन्य सुविधायें उपलब्ध कराने की मांग की। धरना में महासचिव पुष्कर महतो, बटेश्वर प्रसाद मेहता, चंद्रनाथ भाई पटेल, शबनम परवीन, सुखदेव यादव, गणेश कुमार सीटू, संजर मल्लिक, नंदलाल मेहता, सद्दाम अंसारी, मीसबाहुल, करीम अंसारी, अनवर अहमद, इंद्रदेव कुशवाहा, दिगंबर मेहता, विपिन सिन्हा समेत बड़ी संख्या में झारखंड आंदोलनकारी मौजूद रहे।

पंचायत समिति की हुई बैठक

सरिया(गिरिडीह) : मंगलवार को सरिया प्रखंड पंचायत समिति सदस्यों की मासिक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में सरकारी योजनाओं में बालू की कमी, बैंकों में डीबीटी की समस्या, केवाईसी की समस्या एवं कुसुम योजना आदि का मुद्दा छाया रहा। वहीं बैठक के दौरान जल नल योजना में अनियमियता बरते जाने को लेकर मां दुर्गा नामक एजेंसी पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए काली सूची में शामिल करने को लेकर नोटिस भेजने का भी कार्य किया गया। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख प्रीति कुमारी, उप प्रमुख रामदेव यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी पप्पू राजक, अंचलाधिकारी संतोष कुमार, जिला परिषद सदस्य लालमणि यादव सेमत कई विभाग के अधिकारी व पंचायत समिति उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत होते हैं लाखों की लागत से बनी पंचायत में जल नल योजना में काफी अनियमिया, बरते जाने व सरकारी राशि का लूट होने का मुद्दा छाया रहा। जिस पर संबंधित विभाग की अधिकारी ने जल्द इसकी जांच कर कार्य कर रही है एजेंसीयों से सुधार करने का बात कही। वही प्रखंड में संचालित अबुवा आवास एवं अन्य योजनाओं में एनजीटी लागू हो जाने के कारण बालू की कमी पर सवाल उठाए गए। जिस पर संबंधीत अधिकारियों ने जिले के पदाधिकारी से कोई स्पष्ट निर्देश नहीं होने की बात कही गई। उन्होंने कहा जब तक वरीय पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश नहीं प्राप्त होता है तब तक अवैध ढंग से बालू उठाव पर कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं इसके अलावा बैंकों में ग्राहकों के साथ डीबीटी, आधार सीडिंग, केवाईसी आदि के लिए चक्कर लगवाने और बेवजह परेशान करने की भी मामला छाया रहा ।

राजद जिलाध्यक्ष ने अपने निष्कासन पर उठाए सवाल, लगाए गंभीर आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : राष्ट्रीय जनता दल के निवर्तमान जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा ने अपने निष्कासन पर सवाल उठाते हुए पार्टी नेताओं और पलामू लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी पार्टी उम्मीदवार ममता भुइयां पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मंगलवार को बाइपास रोड स्थित राजद के जिला कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्राथमिक सदस्य एवं जिलाध्यक्ष पद से हटाने से पहले वरीय नेताओं ने उनसे कोई सवाल जवाब नहीं किया और ना ही किसी तरह का स्पष्टीकरण पूछा गया। अचानक से उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। यह राजद के संविधान के विरूद्ध है। इसके खिलाफ आवाज उठायी जायेगी। निर्वाचन आयोग के साथ साथ पटना हाईकोर्ट में न्याय के लिए जाने की बात कही गयी। राष्ट्रीय जनतादल के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव एवं प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव के निदेर्शानुसार राजद के पलामू जिलाध्यक्ष मोहन विश्वकर्मा को सोमवार को पार्टी से छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया गया है। मोहन पर पार्टी विरोधी कार्य करने एवं गोपनीयता भंग कर पार्टी की छवि धूमिल करने का आरोप है। मोहन विश्वकर्मा ने कहा कि झारखंड में लोकसभा चुनाव के हार का कारण प्रदेश अध्यक्ष हैं। इस बात को ममता भुइयां भी अच्छी तरह से जानती है। लेकिन इसलिए नहीं बोल रहीं हैं, क्योंकि उन्हें विधानसभा का टिकट चुनाव लड़ने के लिए प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दिलाने की बात है। मोहन विश्वकर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष पर यह भी आरोप लगाया कि चुनाव प्रचार में कहीं भी नहीं गए हैं। चुनाव के दौरान कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव चुनाव प्रचार में आए, इसमें भी प्रदेश अध्यक्ष नहीं गए थे। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी बोला था कि तुम्हें इस चुनाव में हराकर दिखाउंगा। यह भी बात कही कि लोकसभा का टिकट मोहन विश्वकर्मा के द्वारा दिलायी गयी थी। कहा कि तुम तो गोबर गोइठा करने वाली महिला हो। तुम्हे कैसे टिकट मिल गया? प्रदेश अध्यक्ष ने टिकट दिलाने के नाम पर कामेश्वर बैठा से पांच लाख रूपए लिया था, लेकिन टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें पांच लाख रूपए लौटाने पड़े। उन्होंने कहा कि नजारत में अभी भी लोकसभा चुनाव के 55 हजार खर्च का ब्यौरा नहीं दिया गया है। ममता भुइयां इस मामले को अबतक छुपाए हुए हैं।

भाजपा नेत्री लवली गुप्ता के घर हुई लाखों की चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पांकी की पूर्व जिला परिषद एवं भाजपा नेत्रीलवली गुप्ता के घर में लाखों की चोरी हुई है। घटना को अंजाम देने वाले चोर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर भी अपने साथ ले गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन कर रही है। चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अपराधी मौके पर एक भुजाली छोड़ गए हैं लवली गुप्ता का घर मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन रोड में है। पुलिस के अनुसार लवली गुप्ता अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में भाग लेने के लिए रांची गई थीं। रांची से वापस लौटने के क्रम में वे पार्टी के कार्यक्रम में भाग लेने चतरा चली गई थीं। इसी क्रम उनके घर के किराएदार बैंक मैनेजर ने कॉल कर बताया कि घर का ताला टूटा हुआ है। पुलिस ने बताया कि लवली गुप्ता के घर में रहने वाला किराएदार बैंक मैनेजर भी रविवार को घर गया था। सोमवार को वह ड्यूटी पर लौटा था। ड्यूटी से वापस लौटने के बाद बैंक मैनेजर ने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ है। इसके बाद उन्होंने लवली गुप्ता को घटना की जानकारी दी। भाजपा नेत्रीलवली गुप्ता ने पुलिस को बताया है कि उनके घर से करीब 25 लाख के जेवर और एक लाख रुपये नगद की चोरी हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद सदर एसडीपी ओमणिभूषण प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने मौके से एक भुजाली भी बरामद किया है।

अश्लील वीडियो और आठ माह की गर्भवती मामले को लेकर युवती ने एसपी को सौंपा आवेदन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित रायडीह थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 29 वर्षीय युवती ने गुमला एसपी का आवेदन सौंप कर चाकू का भय दिखा कर बलात्कार करने बलात्कार का फोटो वीडियो बनाकर इंटरनेट में वायरल करने की धमकी तथा वर्तमान में साढे आठ माह की गर्भवती करने के मामले में कार्रवाई को लेकर एसपी को आवेदन सौंपा है। एसपी को सोफे आवेदन में युति ने बताया मेरी मां लकवा ग्रस्त है एवं चलने पीने में असमर्थ है मेरे पिता की मृत्यु हो चुकी है तथा मेरे भाई का दिमाग हालात सही नहीं है जून 2021 को मैं अपने घर के बगल के जंगल में बकरी चराने गई थी। इस बीच एक आदमी चाकू दिखाते हुए पेड़ के पीछे से मेरे सामने आ गया तथा चाकू की नोक पर मेरे मुंह में अपना रुमाल ठूंस कर मुझे नंगा कर मेरे साथ जबरन बलात्कार किया। मैं उसके पैर छूकर बहुत विनती की मुझ गरीब की जिंदगी बर्बाद मत करो लेकिन वह नहीं माना। बलात्कार करने के बाद मेरा अश्लील फोटो एवं वीडियो अपने मोबाइल से बनाया। जबरन मेरा मोबाइल नंबर डरा धमका कर ले लिया और बोला जब मैं तुझे बुलाऊंगा तुमको आना पड़ेगा। जब मैं फोन करके बोलूंगा तो तुम्हें फोन उठाना पड़ेगा। वरना मैं तुम्हारा नंगा फोटो और वीडियो इंटरनेट वायरल कर दूंगा तथा गांव में भी सभी लोगों को दिखाकर तुम्हें कहीं का नहीं छोड़ूंगा। और तुम्हें आत्महत्या करने को मजबूर कर दूंगा। मैं काफी रोई गिड़गिड़ाई उसका पैर पड़ी लेकिन वह हंसते हुए मुझे लात मार कर चला गया। इस घटना के बाद मैं आत्महत्या करने की सोची लेकिन मैं अपनी लकवा ग्रस्त मां और दिमाग से कमजोर अपने भाई के कारण आत्महत्या नहीं कर पाई। इस घटना के बाद उस आदमी के द्वारा कई बार अश्लील फोटो वीडियो का भय दिखाकर मेरे साथ बलात्कार किया गया तथा मुझे बाद में जानकारी मिला कि उसे आदमी का नाम रूप सूदन हजम पिता स्वर्गीय सलातुल हजाम ग्राम रायडीह पोस्ट मांझा टोली थाना रायडीह कूड़ो छतरपुर जिला गुमला है। वर्तमान में मैं रूप सूडान हजाम द्वारा जबरन असील फोटो वीडियो को वायरल करने का भय दिखाकर बलात्कार किए जाने के कारण करीब साढ़े आठ माह की गर्भवती हूं। तथा लोगों के आश्वासन दिए जाने के बाद आज एसपी के समक्ष आवेदन दे रही हूं। इससे पूर्व में रायडीह थाना का कई बार चक्कर काट चुकी हूं। लेकिन रायडीह थाना के द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया गया।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में बेबी केयर यूनिट का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : महिला केंद्रित विषयों पर पूरे देश में 100 दिनों का विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को एमएमसीएच के मातृ शिशु वार्ड में समाज कल्याण विभाग की ओर से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषयक पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के उपायुक्त शशि रंजन, उप विकास आयुक्त शब्बीरअहमद,सिविल सर्जन डॉ अनिल व समाज कल्याण पदाधिकारी नीताचौहान उपस्थित रहे। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने 35 से अधिक नवजात बच्चियों के माताओं के बीच बेबीकेयर यूनिट व फल का वितरण किया। किट में नवजात की जरूरत के सभी सामान उपलब्ध थे।सभी बच्चियों के अभिभावकों को स्तनपान की महत्वता के विषय पर भी जागरूक किया गया। इन कार्यक्रमों का होगा आयोजन महिला केंद्रित विषयों पर पूरे देश में 100 दिनों का विशेष जागरूकता अभियान के तहत प्रत्येक सप्ताह का रूटीन बनाया गया है जिसके तहत जिले में बाल विवाह, भ्रूणहत्या, बालमजदूरी, लिंगभेद, डायन प्रथा के विषय पर कार्यक्रम कियेजायेंगे। यह सभी कार्यक्रम स्कूल, विद्यालय, कस्तूरबा विद्यालय, व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर चलाया जायेगा।

छात्रवृत्ति के लिए 25727 छात्रों ने किया आवेदन, 6507 छात्रों को मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : जिले में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 25727 छात्रों ने आवेदन डाला है। इनमें 6507 आवेदकों की स्वीकृति मिल चुकी है। शेष आवेदकों का सत्यापन किया जा रहा है। इसके बाद उन्हें छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा। यह बात मंगलवार को जिला छात्रवृत्ति समिति की बैठक में डीसी चंदन कुमार ने कही। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी निशा सिंह ने उपायुक्त एवं समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी दी कि वर्तमान में 19220 विद्यार्थियों को स्वीकृति दिए जाने के लिए आवेदन प्राप्त है, जिनका सत्यापन उपरांत विद्यार्थियों को लाभ दिया जाएगा। उपायुक्त ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने के लिए आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त रोबिन टोप्पो, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक और अग्रणी जिला प्रबंधक सहित अन्य उपस्थित रहे।

आवंटन के बावजूद नहीं मिला जून का वेतन, शिक्षक परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

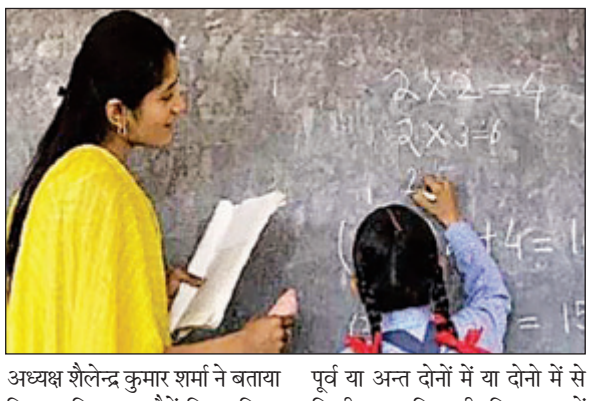

मेदिनीनगर (पलामू) : पलामू में शिक्षको को जून माह का वेतन न मिलने से शिक्षक परेशानी का सामना कर रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षक अपने परिवार के साथ छुट्टी पर रहते हैं। परिवार के साथ छुट्टियों में घर पर रहने के बाद स्वभाविक है कि खर्च बढ़ जाता है। साथ ही बहुत शिक्षकों ने बैंक से लोन ले रखा है। यदि समय से वेतन का भुगतान हो जाता है तो उस खर्च की भरपाई हो जाती है और बैक की इएमआई का भी भुगतान समय से हो जाता। लेकिन छुट्टी से वापस आने के बाद आवंटन रहने के बाद भी 8 जुलाई तक पीजीटी शिक्षकों के वेतन का भुगतान नहीं होने से शिक्षक आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। इस समस्या के संबंध में झारखंड +2 शिक्षक संघ, पलामू के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि इस विषय पर मैनें जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में सम्पर्क किया तो ज्ञात हुआ कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद और पूर्व या दोनों में से किसी एक दिन जिन शिक्षकों ने आकस्मिक अवकाश ले लिया है उसी वजह से वेतन में विलंब हो रहा है। विभाग का कहना है कि झारखण्ड कर्मचारी सेवा संहिता के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश के पूर्व या अन्त दोनों में या दोनो में से किसी एक दिन भी विद्यालय में अनुपस्थित नहीं रहना है। उनका कहना है कि यदि ऐसा है तो कुछ शिक्षक मई माह में ग्रीष्मकालीन अवकाश के पूर्व छुट्टी पर थे उनका वेतन क्यों निर्गत किया गया? मई माह का वेतन निर्गत करते समय उस नियम का पालन किया जाना चाहिए था। वास्तविकता यह है कि जानबूझकर शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है। कई शिक्षकों का कहना है कि झारखण्ड कर्मचारी सेवा संहिता के अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश के पूर्व या अन्त दोनों में से किसी एक में आकस्मिक अवकाश लिया जा सकता है। अभी तक ऐसा ही जिले में होता रहा है। जिला के पडोसी जिलों में इन परिस्थिति में भुगतान हुआ है। माध्यमिक शिक्षक संघ, पलामू के जिला अध्यक्ष अजय कुमार ने भी इस विषय पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में सम्पर्क किया और उन्होंने भी बताया कि कार्यालय से ऐसी ही जानकारी प्राप्त हो रही है। बताते चले कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद जिले के कई शिक्षक भीषण गर्मी और व्यक्तिगत कारणों से आकस्मिक अवकाश पर थे। इसी वजह से विभाग अभी तक वेतन भुगतान नही कर रहा है। जबकि शिक्षकों का कहना है कि हम नियम विरूद्ध नही है। अवकाश के पूर्व या अन्त में से किसी एक में छुट्टी ली जा सकती है। रविवार को झारखण्ड +2 शिक्षक संघ, पलामू के सदस्यों ने जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक बैठक किया जिसमें निर्णय लिया कि यदि शिक्षकों का ससमय वेतन का भुगतान नहीं होता है तो शिक्षक आन्दोलन करने के लिए विवश होगें। सोमवार को भी झारखण्ड +2 शिक्षक संघ, पलामू के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शर्मा और माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने शिक्षक की समस्याओं को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गानन्दझा के साथ संयुक्त बैठक की और शिक्षक समस्याओं से रूबरू कराया। हालांकि डीईओ,पलामू ने शिक्षकों की समाओं का तत्काल निदान का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. तस्लीम आरिफ झारखंड में उर्दू साहित्य का बड़ा नाम : अजहर

मेदिनीनगर (पलामू) : होटल निवार्ना में अदबी संसार ने जशन ए डॉ. तस्लीम आरिफ का आयोजन किया। संस्था के अध्यक्ष इमरान शाद, खजांची अदनानकाशिफ व मीडिया प्रभारी मो. इस्तेखार ने संयुक्त रूप से डॉ. तस्लीम आरिफ को बुके भेंटकर सम्मानित किया जबकि संचालन संस्था के संस्थापक एम.जे. अजहर ने किया। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग पटना द्वारा उर्दू में सहायक प्राध्यापक के पद पर डॉ. तस्लीम आरिफ की नियुक्ति हुई है। उन्हें आयोग के विज्ञापन संख्या- 665 दिनांक 05.07.2024 के अंतर्गत अनारक्षित कोटि में 20 वां स्थान टीएमबीयूभागलपुर प्राप्त हुआ है। एम.जे. अजहर ने कहा कि डॉ. तस्लीम आरिफ ने स्थानीय जीएलएकॉलेज में उर्दू प्राध्यापक के पद पर रहते हुए लगभग छः साल सेवा दी व अदबी संसार के संरक्षक रहे। उनकी दो पुस्तकें इंतिकाद ए नज्म व नस्र और मुताल ए अदब प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने कई पुस्तकों का संपादन भी किया है। वह झारखंड में उर्दू साहित्य के बड़े हस्ताक्षर हैं। डॉ. तस्लीम आरिफ को जीएलएकॉलेज के उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. खुर्शीद आलम, अदबी संसार के संरक्षक अमीन रहबर, शिक्षक नेता मुमताज अंसारी, कय्यूम रूमानी, डॉ. अब्दुलजब्बार खां, मौलाना सद्दाम हुसैन परवाज, जावेदअहमद खां, फैयाजअहमद, मो. यासीन, डॉ. अबरारसादिक, रहबर पालमुवी, जूही इशरत सहित शिक्षा व साहित्य जगत से दर्जनाधिक लोगों ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाईयां दी हैं।

दुर्गा बाड़ी में की गई मां दुर्गा की पूजा

मेदिनीनगर (पलामू) : बंगीय दुर्गा बाड़ी में मंगलवार को बिपदतारिणी पूजा संपन्न हुई। मुख्य पुरोहित देवी प्रसाद बनर्जी और मुख्य यजमान शिवनाथचटर्जी ने पूजा संपन्न कराया। दुर्गा बाड़ी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष देवेश मोइत्रा ने कहा की हर वर्ष दुर्गा बाड़ी प्रांगण में बिपदतारिणी पूजा का आयोजन किया जाता है, मान्यता के अनुसार इस पूजा के आयोजन से परिवार में आने वाली विपतियां टल जाती है। विपदा से मुक्ति मिलती है। इस पूजा में परिवार की शादीशुदा महिलाएं भाग लेती है। पूजा के आयोजन के बाद महिलाएं एक दूसरे को सिंदूर लगाती है और अपने परिवार के सदस्यों के बाहों में पूजा किया हुआ लाल धागा बांध कर विपदा से मुक्ति की दुआ करती है। मोइत्रा ने बताया की दुर्गा पूजा की तैयारी भी शुरू हो गई है, इसके लिए कई उप समितियां बनाई जाएगी। इसके लिए आगामी 14 जुलाई दिन रविवार को शाम चार बजे से बैठक की जाएगी। बिपदतारिणी पूजा को सफल बनाने में सचिव दिवेन्दु गुप्ता, गौतम बोस, सौभिकदत्ता, उज्वलसेनगुप्ता, शिवेशमोइत्रा, वासुदेव गोस्वामी, बिपुलडे, दीप साहा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व हिंदू परिषद ने मेदनीनगर में स्थापित किया सिलाई प्रशिक्षण केंद्र

मेदिनीनगर (पलामू) : विश्व हिंदू परिषद पलामू, सेवा प्रकल्प के द्वारा आज मेदनी नगर, रेड़मा, श्री राम पथ, रोड नंबर 03 में एक सिलाई प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया। इस केंद्र में वर्तमान में दो सिलाई मशीन रखी गई है। इस सिलाई केंद्र में वंचित वर्ग के बच्चियों को कम से कम शुल्क पर सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सिलाई मशीन प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन प्रांत विहिप मंत्री मिथलेश मिश्र के कर कमलों से किया गया। सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का संचालन वर्तमान में जिला उपाध्यक्ष अनामिका सिंह जी के द्वारा किया जाएगा। इस सिलाई केंद्र का सदुपयोग और प्रशिक्षण लेने के लिए बालिकाओं को प्रेरित करने की जिम्मेवारी प्रशिक्षण केंद्र संचालिका और जिला सेवा प्रमुख का होगा। सिलाई सीखने के लिए वंचित वर्ग के लड़कियां विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं। उद्घाटन समारोह में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत मंत्री मिथलेश्वर मिश्र जी, पलामू विभाग विहिप मंत्री कुमार गौरव, विभाग सह मंत्री महेंद्र नाथ, विभाग संगठन मंत्री विजय यादव, विश्व हिंदू परिषद के पलामू जिला अध्यक्ष उमेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनामिका सिंह, मातृ शक्ति प्रमुख उमा शुक्ल, जिला मंत्री दामोदर मिश्र, जिला सह मंत्री अमित तिवारी, जिला सेवा प्रमुख गोपाल तिवारी, जिला समरसता सह प्रमुख रवि तिवारी, बजरंग दल जिला सह संयोजक हिमांशु पांडेय इत्यादि अनेकों सम्मानित सदस्यों की सहभागिता रही।

विद्यार्थी परिषद ने संगोष्ठी, पौधरोपण व मेहंदी कार्यक्रम का किया आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा 76 वें 9 जुलाई राष्ट्रीय छात्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। अभाविप के कार्यकर्ताओं के द्वारा 12 प्रखंडों में अन्यत्र प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता, गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय में रन फारकैंपस के नियमित दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विचार संगोष्ठी, पौधारोपण, मेहंदी प्रतियोगिता,रंगोली प्रतियोगिता आदि अन्यत्र प्रकार के कार्यक्रम परिषद के कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया, सर्वप्रथम परिषद के कार्यकर्ताओं ने प्रमंडलिय कार्यालय गणपति धर्मशाला में 'वन्देमातरम' गान के साथ झंडोत्तोलन किया तत्पश्चात पूरे जिले में परिषद के कार्यकर्ताओं के द्वारा अन्यत्र प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जनता शिवरात्रि महाविद्यालय में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्राचार्य एस०के पांडे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है एवं यह ज्ञान शील और एकता के मूल मंत्र पर चलने वाला छात्र संगठन हैं, प्रवासी के रुपए में उपस्थित झारखंड प्रदेश के सह मंत्री निशांत चतुवेर्दी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 75वर्ष पूर्ण होने की बहुत बधाई और शुभकामनाएं प्रकट करते हुए कहां की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता छात्र हित, समाज हित और राष्ट्रीय हित के मुद्दों को लेकर के हमेशा से समाज में मुखर रही हैं और आगे भी परिषद के कार्यकर्ता निरंतर कार्य करते रहेंगे। उक्त अवसर पर पलामू जिले का जिला संयोजक नितीशदुबे ने कहां की पलामू जिले में परिषद सभी प्रखंडों में इकाई पुनर्गठन करेगी एवं सदस्यता 12000 करने का कार्य करेगी राष्ट्रीय छात्र दिवस की संपूर्ण पलामू जिले के छात्रों को अनंत बधाई और शुभकामनाएं ।

एक नजर

उपायुक्त ने जनता दरबार लगा कर आम जनों की सुनी समस्याएं

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगा कर आज आम नागरिकों के साथ सीधे जुड़े। साहेबगंज जिला के विभिन्न प्रखण्डों से आए जीतनी देवी, मंजू देवी, धनंजय कुमार पांडेय, अंजू कुमारी, भगत कुमार मंडल एवं अन्य लोगों से सीधा संवाद कर समस्याओं को सुने। प्राप्त शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया और आश्वासन दिया गया जल्द से जल्द समस्याओं को दूर किया जाएगा।

विद्यार्थी परिषद् ने स्थापना दिवस के पर संगोष्ठी का किया आयोजन

देवघर : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् देवघर नगर के द्वारा स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर झंडोत्तोलन एवं संगोष्ठी का कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुरूआत प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो .जानकीनंदन सिंह, जिला प्रमुख प्रो .डी. पी. मंडल, प्रदेश सह छात्रा प्रमुख खुशी देव एवं जिला संयोजक प्रशांत शंकर ने संयुक्त रूप से झंडोत्तोलन कर किया। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर जानकीनंदन सिंह ने कहा कि यह एकमात्र गैर राजनीतिक छात्र संगठन है जिसको विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन का गौरव प्राप्त है और 76 वां स्थापना दिवस मना रहा है। प्रो. डी. पी. मंडल ने विषय प्रवेश करवाते हुए कहा कि युवाओं को बढ़कर शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करना चाहिए। प्रदेश सह छात्रा प्रमुख खुशी देव ने कहा हर महिला को सशक्त होना चाहिए इस देश ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई को जन्म दिया है। वही मौके पर जिला संयोजक प्रशांत शंकर ने कहा की विद्यार्थी परिषद छात्र शक्ति - राष्ट्र शक्ति और सशक्त भारत के निर्माण की संकल्पना की यात्रा परिषद के माध्यम से अनवरत पूर्णांक की ओर बढ़ रही है। परिषद गीत प्रियंका कुमारी एवं मंच संचालन युवराज सिंह ने किया। मौके पर नगर उपाध्यक्ष प्रो. पूनम ठाकुर, सौरभ पाठक, कुंदन पंडित, नगर मंत्री सानू सिंह, नगर सह मंत्री गोपाल राज, नगर एस. एफ. डी.प्रमुख नरोत्तम कुमार, ए.एस कॉलेज अध्यक्ष कुंदन लाल यादव, कॉलेज मंत्री दीपक कुमार,बाजला कॉलेज मंत्री किया बाटाचार्य, अभिषेक, रौशन,रवि, अमन, श्रुति, काजल, कोमल,नेहा,मनीषा,स्वीटी, साक्षी, प्रिया,करिश्मा,पायल आदि सैकड़ों छात्र-छात्रा मौजूद थे।

उत्पाद विभाग ने शराब अड्डा किया ध्वस्त, एक हजार किलो जावा महुआ जब्त

सरायकेला : सरायकेला-खरसावां जिले के उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा के निर्देश पर मंगलवार को उत्पाद विभाग ने छापामारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान आरआईटी थाना क्षेत्र के भुआ और पर्वतीपुर के जंगलों में छापामारी कर बड़े पैमाने पर अवैध सामग्री जब्त की गई है। बताया जा रहा है कि उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा सरायकेला-खरसावां के निर्देश पर आरआईटी थाना क्षेत्र के भुआ जंगल और पार्वतीपुर जंगल में नदी किनारे संचालित दो शराब अड्डा पर छापामारी की गई। छापामारी के दौरान 1000 किलोग्राम जावा महुआ को नष्ट किया गया है। अड्डा संचालकों के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया जा रहा है। उत्पाद अधीक्षक के निर्देश पर शराब माफिया दखिन बेसरा और डोमा मांझी के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कर आगे की करवाई की जा रही है।

दुमकी गांव के आदिम जनजाति परिवारों का पूरा नहीं हुआ पीएम आवास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोरियो : प्रखंड क्षेत्र के पोआल पंचायत अंतर्गत पहाड़िया समुदाय बहुल गांव दुमकी के आधे दर्जन से अधिक परिवारों का पीएम आवास पूरा नहीं बना है। पहाड़ और घने जंगल के किनारे बसे इस गांव में आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के लगभग 70 परिवार निवास करते हैं। वर्ष 2022-23 में केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी पीएम आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 6 परिवारों को पक्का आवास आवंटित किया गया था। लेकिन 2 वर्ष बीत जाने के बाद भी इन आवासों का निमार्ण कार्य पूरा नहीं हुआ है। घर की दीवारें खड़ी कर दी गई है लेकिन छत की ढलाई नहीं हुई है। गांव के छोटा मुरिया पहाड़िया, भादो चांदू पहाड़िया, सूरजा पहाड़िया, मुरिया पहाड़िया,

सुरजा पहाड़िया, और गुहिया पहाड़िया को आवास आवंटित किया गया था, लेकिन इन लाभुकों के आवास के लिए आवंटित राशि की निकासी ठेकेदार/बिचौलिए के द्वारा करवा लिया गया था। उक्त ठेकेदार ने बताया था कि उन्हें इन पैसों से ही शानदार आवास बनाकर दिया जायेगा, लेकिन दो वर्ष से अधिक के समय बीत चुके हैं और अब तक आवास का निमार्ण कार्य पूरा नहीं हुआ है। इन भोले-भाले जनजाति पहाड़िया परिवारों ने बताया कि ठेकेदार को आवास निमार्ण का राशि निकासी कर दिया था, वो पंचायत के पूर्व मुखिया थे। बता दें कि इस गांव में 2019-20 में एक परिवार को पीएम आवास आवंटित किया गया था लेकिन उस घर का भी छत आज तक अधूरा है। एक लाभुक मुरिया पहाड़िया की पत्नी मडिया पहाड़िन ने बताया कि उसके पति बाहर प्रदेश मजदूरी के लिए चले गए हैं ताकि वो जब बाहर से कुछ कमा कर लाएं तो घर की छत बन सके।

गांव के प्रधान बोले.. मुझे भी नहीं बख्शा गया

गांव के प्रधान चमरा पहाड़िया से जब बातचीत किया गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें भी पीएम आवास आवंटित किया गया था, लेकिन ठेकेदार ने उनसे भी 20 हजार रुपए ले लिया था, और उन्हें बोला गया कि सरकार के पैसे से छत निमार्ण कार्य पूरा नहीं होगा। प्रधान ने भी एक बकरी और गाय बेचकर पैसों को जुटाया था और तब जाकर सिर्फ छत ढलाई किया गया था। दीवारों में पलस्तर और रंगरोहण आज तक एक भी आवास योजना में किया ही नहीं गया है। प्रधान ने कहा कि उक्त आवास मामले में जल्द ही ग्राम सभा किया जायेगा और लाभुकों को जो लाभ मिलना चाहिए, उसके लिए सरकार के जिम्मेवारों से जवाब मांगा जायेगा।

पीएम आवास कॉर्डिनेटर ने जांच पड़ताल किया शुरू

दुमकी गांव के मसले पर जब प्रखंड मुख्यालय में कार्यरत पीएम आवास कॉर्डिनेटर से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि मामले में जांच पड़ताल शुरू हो चूका है, जल्द से जल्द सारे अधूरे आवास का निमार्ण कार्य पूरा करवाया जायेगा।

संक्षिप्त खबरें

शौचालय निर्माण में बरती जा रही भारी अनियमितता

तालझारी : प्रखंड में राजकीय बुनियादी मध्य विद्यालय में 15 वे वित्तीय मुखिया फंड द्वारा शौचालय का निर्माण दो रूम का करना है। जिसकी कुल राशि ढाई लाख रुपैया जिसमें घटिया किस्म का समान का प्रयोग किया जा रहा है। शौचालय टंकी बनाने में सिर्फ गर्दी का प्रयोग किया गया है पूरा टंकी का कार्य बिना बालू का ही किया गया। स्कूल का प्रबंध समिति के अध्यक्ष मोहम्मद नौशाद के द्वारा पूछे जाने पर बताया कि हमें किसी बात की जानकारी नहीं है, स्कूल के सचिव राजेश कुमार की मिली भगत से घटिया माल से शौचालय का निर्माण कराया जा रहा है। पारा शिक्षक बलराम प्रसाद दास जो कुछ लालच में ठेकेदार के द्वारा मनमानी ढंग से काम को अंजाम दिया जा रहा है।

हाइवा व स्कॉर्पियो की आमने सामने की टक्कर में 3 युवक घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के बांसकोला मुख्य मार्ग पर सोमवार की रात हाईवा और स्कॉर्पियो में आमने सामने जोरदार टक्कर हो गई जिसमें तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर स्थानीय लोगों व परिजनों की मदद से सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां सदर अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. केशव कृष्णा व डॉ. विवेकानंद मंडल ने फौरन सभी घायलों का प्राथमिक उपचार करते हुए तीनों युवकों को हायर सेंटर रेफर कर दिया है। उधर सभी घायल तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर निवासी अर्जुन महतो, विशाल महतो व कुंदन महतो बताए जा रहे है। उधर घायल ने बताया की वे लोग महाराजपुर से साहिबगंज जा रहे थे इसी दौरान एक हाईवा ने सीधा स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे सभी घायल हो गए। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र की पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल करती नजर आई।

कार्यालय परिसर में निःशुल्क योग शिविर का हुआ उद्घाटन

देवघर : पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के निर्देशन में शाखा देवघर की ओर से भारत स्वाभिमान पतंजलि योगपीठ के प्रांतीय सदस्य सह जिला संयोजक अनुज कुमार त्यागी के नेतृत्व में साधना भवन स्थित भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय परिसर के तीसरे तल्ला पर मंगलवार से निशुल्क योग शिविर का विधिवत उद्घाटन एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशांत कुमार झा, पतंजलि के युवा प्रभारी मनोज कुमार ने किया, योग शिक्षक शंभू कुमार बरनवाल ने गायत्री मंत्र के साथ योग के विभिन्न आसन प्राणायाम कराते हुए। उसके होने वाला विस्तार पूर्वक लाभ बताएं उन्होंने कहा भागदौड़ एवं तनावपुर्ण जिंदगी में स्वस्थ रहने के लिए नियमित योग बहुत जरूरी है। वही बैंक के सीनियर अधिकारी धीरज कुमार ने योगाभ्यास के प्रथम दिन उपस्थित बैंक कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि अगले दिन से अधिक से अधिक संख्या में योग शिविर में शामिल होकर योग का लाभ बैंक कर्मचारी लें योगाभ्यास में भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मुन्ना कुमार झा,सीनियर अधिकारी धीरज कुमार सुमित सौरभ,आयुष कुमार,पियुष कुमार आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

जमीन अधिग्रहण का मुआवजा नही मिलने पर ग्रामीणों ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड की बोंटा - माधवपुर सड़क निर्माण (चौड़ीकरण) के नाम पर वर्ष 2019 में किये गए रैयत जमीन अधिग्रहण का मुआवजा राशि अभी तक भूअर्जन विभाग से ग्रामीणों को नही मिला है। इससे नाराज होकर मंगलवार को ग्रामीणों ने भाजपा नेता विमल बैठा के नेतृत्व में जिले के उपायुक्त के नाम एक ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द मुआवजा राशि देने की मांग की है। इस संबंध में भाजपा नेता विमल बैठा ने बताया कि रैयत जमीन अधिग्रहण कर राज्य सरकार ने सड़क का निर्माण तो कर दिया है, लेकिन इसका खामियाजा यंहा के गरीब किसान परिवार जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्षो बीत जाने के बावजूद ग्रामीणों को मुआवजा राशि नही मिलना दु:खद बात है। उन्होंने कहा कि मुआवजा राशि नही मिलने पर ग्रामीण आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौपनें वालों में अरुण गोप, मधुसूदन मोदक, जितुलाल महतो, भीम चंद्र मोदक, मृत्युंजय गोप, आनंद महतो, श्रावण महतो, नारायण चंद्र महतो आदि लोग शामिल थे।

समय कंस्ट्रक्शन की सनराइज प्वाइंट प्रोजेक्ट निर्माण में नया विवाद

सरायकेला : समय कंस्ट्रक्शन की सनराइज प्वाइंट प्रोजेक्ट निर्माण में एक नया विवाद सामने आया है। समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर पर 55 डिसमिल जमीन पर कब्जा करने आरोप लगा है। मंगलवार को जब मापी के लिए अंचल की टीम पहुंची तो बिल्डर ने विरोध कर अंचल कर्मियों को बगैर जांच किए बैरंग लौटा दिया है। बता दें कि आदित्यपुर थाना क्षेत्र के हरिओम नगर में निमार्णाधीन समय कंस्ट्रक्शन का प्रोजेक्ट सनराइज प्वाइंट शुरू से ही विवाद में है। अब नया विवाद दो बिल्डरों के बीच सामने आया है। समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर पर हेवेन प्रोजेक्ट के बिल्डर आरके सिन्हा की जमीन पर कब्जा कर वहां अवैध निर्माण का आरोप लगा है। मंगलवार को यहां जमीन की मापी करने आए अंचल के कर्मचारियों से बिल्डर के लोगो ने धक्का मुक्की करते हुए मापी का काम नहीं करने दिया। जानकारी के अनुसार जयप्रकाश उद्यान निवासी बिल्डर रविंद्र कुमार सिन्हा की 55 डिसमिल जमीन को समय कंस्ट्रक्शन बिल्डर जबरन अपने प्रोजेक्ट में मिलाकर यहां निर्माण काम कर रहा है। जिसकी शिकायत आदित्यपुर पुलिस से की गई है।

थाना प्रभारी की सक्रियता से पूर्व सैनिक को छोड़कर भागे अपहरणकर्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह की सक्रियता से सोमवार की रात पूर्व सैनिक के अपहरण की साजिश नाकाम हो गई। अपहरणकर्ता अपहृत को छोड़ फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार मिजाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत कीर्तनियां स्थित पेट्रोल पंप से उसके मालिक पूर्व सैनिक राजेश सिंह उर्फ पप्पू महतो हिसाब-किताब कर घर लौटने के लिए निकले। उसके बहनोई हेमंत कुमार मिजाचौकी फाटक के पास बाइक लेकर इंतेजार कर रहे थे। फिर राजेश सिंह वहां पहुंचे और दोनों बाइक से अपने घर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के डिहारी के लिए रवाना हुए। इस बीच डिहारी के निकट ढलान पर पहले से घात लगाए बैठे 4-5 नकाबपोश ने उनकी बाइक रोक ली। फिर हथियार के बल पर दोनों को कार में बैठा कर भाग निकले। इधर इसकी सूचना छुट्टी पर गए मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह को मिली। शशि सिंह ने वरीय पदाधिकारियों को सूचना देते हुए तुरंत मिजाचौकी और बिहार के बाखरपुर पुलिस व मुफस्सिल थाना के थाना प्रभारी अजीत लकड़ा के साथ समन्वय स्थापित कर छानबीन शुरू कराई। तीनों थाना की पुलिस ने जगह-जगह जांच-पड़ताल व छानबीन शुरू कर दी। इस बीच ग्रामीण भी सतर्क होकर अपने स्तर से इलाके में ढूंढना शुरू कर दिया। पुलिस की दबिश से अपहरणकताओं ने हाजीपुर रोड पर मखमलपुर के पास दोनों को कार से उतार दिया। फिर सभी फरार हो गए। इधर ग्रामीणों ने वहां पहुंच दोनों को सकुशल देख इसकी सूचना पुलिस को दी।

कुकडू में केन्द्रीय राज्यमंत्री ने किया निमार्णाधीन एफसीआई गोदाम का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू : सरायकेला-खरसावां जिला के कुकडु प्रखंड मुख्यालय के समीप बन रहे एफ सी आई गोदाम का केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने निरीक्षण किया। उन्होंने सक्षम पदाधिकारी को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने काला इंटा लगाए जाने का जांच कर अच्छा सामग्री लगाने का निर्देश भी फोन पर डीसी को दिया। मालूम हो कि एक सप्ताह पूर्व झामुमो कार्यकताओं ने भी गोदाम निर्माण में घटीया सामग्री लगाने का विरोध किया था। पत्रकारों द्वारा भी विभिन्न समाचार पत्रों व चैनलों में प्रमुखता के साथ घटीया निर्माण कार्य को प्रसारित किया गया था। स्थानीय लोगों, राजनीतिक दलों के कार्यकताओं द्वारा लगातार घटिया निर्माण का विरोध किया जा रहा है। काला इंट इतना कमजोर है कि 5 फीट ऊंचाई से पटकने से चुर चुर हो रहा है। केन्द्रीय राज्यमंत्री संजय सेठ ने भी निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री को देखकर जेई व कार्य कराने वाले को जमकर फटकार लगाया । गोदाम का निर्माण करीब 1 करोड़ 15 लाख की लागत से किया जा रहा है। वहीं राज्य मंत्री श्री सेठ ने कहा कि गोदाम निर्माण कार्य बहुत ही खराब है। काला इंट लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिडिया कर्मियों से ओर पेपर आदि के माध्यम से जानकारी मिली कि यहां गोदाम निर्माण में घटीया सामग्री लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीसी को इस संबंध में जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच होने तक कार्य बंद रहेगा और निश्चित रूप से जांच कराई जाएगी,इस तरह का मनमानी नहीं चलेगा । मौके पर डी डी सी प्रभात कुमार बरदरियार, बी डी ओ किकू महतो, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव, भाजपा नेता मधु गोराई, सचिदानंद महतो, भरत महतो,सुमन मुखर्जी समेत कई अन्य लोग उपस्थित थे।

डीडीसी के निर्देश के बाबजूद अवैध निकासी मामले में जमा नहीं की गयी राशि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मंडरो : प्रखंड के तत्कालीन मनरेगा बीपीओ शंकर कुमार का हर एक कार्य हमेशा चर्चा में रहा है। उनके कई ऐसे-ऐसे कारनामे हैं जिसके कारण बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम मंडरो प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार की बैठक के दौरान कार्यशैली में सुधार करने का हिदायत दे चुके हैं। प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुबोध सोरेन के साथ-साथ झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जेम्स किस्कू इनकी शिकायत उपायुक्त से कर चुके हैं। विभाग में उनकी कार्यशैली एवं व्यवहार के कारण 06 जुलाई को मंडरो प्रखंड सह अंचल कार्यालय में डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान मनरेगा बीपीओ को फटकार लगाते हुए मीटिंग हॉल से बाहर भेज दिया। इसका मुख्य कारण था बीपीओ ने उपायुक्त को मीटिंग के दौरान विभागीय रिपोर्ट स्पष्ट रुप से नही सौंपा था। उपायुक्त ने यह भी कहा कि इतने दिनों से कार्य करने के बावजूद रिपोर्ट तक तैयार करने नहीं आता। साथ ही साथ प्रखंड के ग्राम पंचायत दामिनभीठा, महादेववरण, बडतल्ला में मनरेगा मजदूरों को रोजगार सृजित नहीं करने एवं मनरेगा कार्यो में रुचि नहीं लेने के कारण मंडरो प्रखंड विकास पदाधिकारी को बीपीओ से स्पष्टीकरण मांगने को कहा। संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर कठोर कार्रवाई की बात कही। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, बीपीओ से स्पष्टीकरण की मांग को लेकर प्रखंड कार्यालय से पत्र जारी किया जा चुका है और इसकी सूचना उपायुक्त को भी दी गई है।

क्या है मामला

मंडरो प्रखंड में पदस्थापित तत्कालीन मनरेगा बीपीओ शंकर कुमार जिस वक्त बोरियो प्रखंड में मनरेगा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित थे उस समय मनरेगा योजना के तहत क्रियान्वित कई मनरेगा योजनाओं में गड़बड़ी एवं फजीर्वाड़ा कर राशि का निकासी किया गया था। उक्त मामले की जांच टीम गठित कर कराई गई थी जांच के क्रम में पाया गया था कि कुल तीन अलग-अलग योजनाओं में गड़बड़ी और अवैध राशि की निकासी हुई है।

अवैध ई-टिकटिंग को लेकर बरहरवा आरपीएफ ने एक को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : सोमवार को आरपीएफ ने अवैध रूप से ऑनलाइन रेलवे ई टिकटींग करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार मालदह डीएससी कार्यालय साइबर सेल द्वारा उक्त मामले को पियारपुर निवासी संदिग्ध अबू सुफियान उर्फ सफीक जो राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर हाजीटोला निवासी है बरहरवा आरपीएफ पुलिस एवं राधानगर थाना पुलिस द्वारा राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर के हाजिटोला खुसरूद्दीन अंतर्गत रेहान कम्प्यूटर दुकान में छापेमारी की परंतु दुकान बंद पाया गया,तत्पश्चात दल बल के साथ संदिग्ध आरोपी अबू सिफियांन के घर जो दुकान से महज 500 मीटर की दूरी पर है छापेमारी की गई। इस दौरान आरोपी की पत्नी तोफरार्ना बीबी ने उसे बरहरवा आरपीएफ पुलिस को सरेंडर करा दिया। तत्पश्चात पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका पूरा नाम अबु सुफियान उर्फ सौफिक पिता-कैश अली साकिन-पियारपुर हाजिटोला खुसरूद्दीन थाना-राधानगर है।साथ ही आरोपी नव पुलिस को बताया कि वो ई टिकटींग बिजनेश में शामिल है, और मोबाइल की जाँच से पता चला कि दुकान के मालिक बनकर व्यक्तिगत यूजर आईडी से ई टिकटिंग का गैरकानूनी धंधा कर रहा था।

छह वर्षों से मुआवजा के लिए सरकारी कार्यालयों का चक्कर लगा रहे ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : बोड़ाम थाना क्षेत्र के भादुडीह से बोड़ाम, माधवपुर होते हुए पश्चिम बंगाल सीमा तक सड़क निर्माण के लिए वर्ष 2019 में जमीन-मकान का अधिग्रहण किया गया था। लेकिन अभी तक बोड़ाम अंचल के प्रभावितों को फूटी कौड़ी भी नहीं मिली है। यही नहीं कई जगहों पर अधिग्रहित जमीन पर ग्रामीणों को विश्वास में लेकर गार्डवाल का निर्माण भी करा दिया गया। स्वयं को ठगा महसूस कर रहे ग्रामीणों ने अब आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया है। कई बार अंचल एवं जिला भू-अर्जन कार्यालय का चक्कर लगा चुके ग्रामीण अब उपायुक्त से मुआवजा मांगने पहुंचे। मंगलवार को बोड़ाम मौजा के दर्जनों जमीनदाता भाजपा नेता विमल बैठा के नेतृत्व उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। उपायुक्त को मांग पत्र सौंपकर जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान की मांग की।

बंगाल की सीमा तक बननी है सड़क

बोड़ाम से पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित माधवपुर तक सड़क का निर्माण किया जाना है। इसके लिए भादूडीह, बोंटा, सातनाला होते हुए माधवपुर तक वर्तमान सड़क के किनारे पड़ने वाले मकान एवं जमीन का अधिग्रहण किया गया। इसके लिए सीमांकन भी कर दिया गया। वहीं कई जगहों पर खेती योग्य जमीन में गार्डवाल का निर्माण करा दिया गया। जिससे किसान जमीन खेती भी नहीं कर पा रहे हैं। खेती एवं मुआवजा से वंचित किसान अब आंदोलन की रणनीति तैयार कर रहे हैं।

सेमी टाउन के कारण लटका है मुआवजा

बोड़ाम अंचल के अंतर्गत सड़क निर्माण की जद में आने वाले गावों को भू-अर्जन विभाग ने सेमी टाउन की श्रेणी में रखा है। जिसके कारण मुआवजा भुगतान में विलंब हो रहा है। ग्रामीण अरूण गोप ने बताया कि इस वर्ष फरवरी में ग्रामीण भू-अर्जन पदाधिकारी से मिले थे। जिसमें उन्होंने कहा था कि बोड़ाम क्षेत्र को अर्ध शहरी श्रेणी में रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा अर्धशहरी क्षेत्र के लोगों को ज्यादा मुआवजा देने का प्रावधान है। जिसके कारण मुआवजा का निर्धारण विभाग के स्तर से किया जा रहा है। निर्धारण होते ही नोटिस जारी करने के बाद कैंप आयोजित कर मुआवजा दिया जाएगा।

मुजफ्फरपुर में नौकरी के नाम पर दुष्कर्म का आरोप पुलिस ने नहीं दर्ज की थी शिकायत

मुजफ्फरपुर। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद वृषिण पटेल मुश्किलें बढ़ गई है। नाबालिग से दुष्कर्म करने के मामले में वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। मुजफ्फरपुर की रहने वाली पीड़िता ने नवंबर 2023 में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। इस मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने वारंट जारी किया है। पीड़िता ने कोर्ट को बताया था कि दुष्कर्म मामले में शिकायत करने कुढ़नी थाने पहुंची थी, लेकिन शिकायत नहीं दर्ज की। पीड़िता ने

कोर्ट को यह भी बताया था कि पूर्व मंत्री वृषिण पटेल नौकरी दिलाने के नाम पर पटना ले गए और लगातार दो साल तक दुष्कर्म करते रहा। शिकायत के आधार पर विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की, लेकिन वृषिण पटेल लगातार अनुपस्थित रहे। इसके बाद मंगलवार को वारंट जारी किया गया है। स्पेशल पोक्सो कोर्ट के लोक अभियोजक अजय कुमार ने बताया कि पीड़िता ने कोर्ट में कंप्लेन की थी, जिसके बाद विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की। कंप्लेन केस की सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री वृषिण पटेल न्यायालय में 6 जुलाई को हाजिर नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने जमानती वारंट (ऐसी कार्रवाई, जिसमें जमानत मिलता हो) जारी करते हुए 31 अगस्त को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया गया है। पूर्व मंत्री के खिलाफ धारा- 323, 341, 354B, 3070, 420, 376, 504 और POCSO की धारा- 4, 6 के तहत मुजफ्फरपुर POCSO कोर्ट में सुनवाई चल रही है। पीड़िता की अधिवक्ता ऋचा स्मृति ने बताया कि नाबालिग से रेप मामले में POCSO कोर्ट ने कंप्लेन केस में संज्ञान लेते हुए आरोपी पूर्व मंत्री वृषिण पटेल को हाजिर होने का आदेश दिया था। पूर्व मंत्री जब हाजिर नहीं हुए तो कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। ऋचा स्मृति ने बताया की पीड़िता कुढ़नी थाना क्षेत्र की रहने वाली है। पीड़िता को नौकरी देने के नाम पर पटना ले जाकर रेप किया गया। लगातार दो साल तक दुष्कर्म किया गया था, जिसका वीडियो भी बनाया गया था। पीड़ित को फोटो-वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल कर रेप किया गया। इस घटना को लेकर पीड़िता शिकायत करने कुढ़नी थाने गई, लेकिन थाने में प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई। इसका कारण था कि अभियुक्त राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ था। इसके बाद पॉक्सो-2 न्यायालय में केस दर्ज किया गया, जिसे कोर्ट ने संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय जनता दल को समर्पित कार्यकताओं की आवश्यकता नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

अनंत-राधिका के वेडिंग कार्ड में बिहार की बेटी की आवाज

पटना। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्री-वेडिंग इवेंट के बाद अब सभी को वेडिंग का इंतजार है। सभी मेहमानों को शादी के कार्ड बंट चुके हैं। यह कार्ड अपने आप में खास है। सोने-चांदी से जड़े लगभग 6 लाख के कार्ड पर बिहार की बेटी माधवी मधुकर की आवाज गूंज रही है। कभी इंडियन आइडल में रिजेक्ट हुई माधवी की प्रतिभा को अंबानी परिवार ने पहचाना। नीता अंबानी को उनकी आवाज काफी पसंद आई। उन्होंने माधवी से संपर्क किया। भागलपुर की माधवी को जब इस मंत्र के लिए पहला मेल आया तो उन्होंने इग्नोर कर दिया। उन्हें लगा कि ये फेक मेल है। माधवी ने अपने मंत्र के लिए अंबानी परिवार से कोई फीस नहीं ली है। माधवी से बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें एक मेल आया, जिसमें उनके गाये मंत्र को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के कार्ड और विवाह के दिन इस्तेमाल करने की परमिशन मांगी गई थी। उन्होंने जब ये मेल देखा तो उन्हें फ्रॉड लगा। इस कारण उन्होंने इस मेल को इग्नोर किया। अगले दिन उनके किसी टीम मेंबर ने कहा, किसी कॉन्सर्ट के लिए कॉल आएगा।जब माधवी ने कॉल रिसीव किया तो बोला गया कि वह रिलायंस की तरफ से बोल रहे हैं। माधवी को लगा की रोज की तरह कोई रिलायंस-जियो को लेकर कंपनी की तरफ से कॉल कर रहा है। फिर आगे बात करने पर उन्होंने बताया कि वो मुकेश अंबानी की टीम से बोल रहे हैं। माधवी का गाया 'विष्णु सहस्त्रनाम' मंत्र नीता अंबानी को काफी पसंद आया है और उन्होंने अपने घर के पुरोहितों से भी इसके बारे में बात की है। इसलिए वह माधवी से शादी की कार्ड और विवाह में वरमाला से लेकर सिंदूर दान तक उनके गाये मंत्र को इस्तेमाल करने की परमिशन चाहते हैं। माधवी को पहले तो इस बात पर यकीन नहीं हुआ था। फिर उन्होंने उनके टीम मेंबर से पूछा कि आखिर वे लोग उन तक कैसे पहुंचे। तब उन्होंने बताया कि वे लोग ऐसी ही किसी मंत्र की तलाश में इंटरनेट पर सर्च कर रहे थे कि अचानक माधवी का गाया मंत्र दिखा और सभी ने उसे रेकमेंड किया। माधवी के हां करने के बाद अंबानी परिवार की ओर से माधवी को उनके गीत के लिए पैसों का ऑफर भी दिया गया, लेकिन उन्होंने सम्मानपूर्वक इनकार कर दिया। माधवी ने कहा कि यह पुण्य का काम है और किसी भी धर्म के काम के लिए उनका गाया मंत्र इस्तेमाल हो रहा है, यही बहुत बड़ी बात है। माधवी ने बताया कि इस 'विष्णु सहस्त्रनाम' मंत्र की खासियत यह है कि इसमें भगवान विष्णु के हजार नाम हैं। उन्होंने इस मंत्र को करीब दो साल पहले गाकर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया था। आधे घंटे के इस मंत्र के कुछ भाग को ही शादी की कार्ड में इस्तेमाल किया गया है। 36 साल की माधवी बिहार के भागलपुर की रहने वाली हैं। माधवी ने बताया कि उन्होंने गाने की कभी कोई ट्रेनिंग नहीं ली है। हालांकि, बचपन से ही इस चीज का काफी शौक रहा है। दादी पूजा-पाठ या घर के शादी समारोह में कोई गीत गाती थीं तो मुझे काफी अच्छा लगता था और मैं बड़े ध्यान से सुनती थी। मेरे अंदर इस चीज का काफी असर पड़ा। माधवी की सारी पढ़ाई भागलपुर से हुई है। वह बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती थी। उनके घर में सभी बैंकिंग सेक्टर में थे, इसलिए उनके दादाजी की यह ख्वाहिश थी। माधवी ने तिलका मांझी यूनिवर्सिटी से मास्टर्स की डिग्री प्राप्त की है। फिर उनकी शादी झारखंड के गोड्डा में हो गई। बाद में उन्होंने बैंकिंग में भी अपनी किस्मत आजमाई पर उसमें सफलता नहीं मिली। म्यूजिक में इंट्रेस्ट होने के कारण वह इंडियन आइडल में ऑडिशन के लिए भी गई थी, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया था। माधवी कहती हैं कि उनकी लाइफ में एक समय ऐसा भी आया, जब वह पूरी तरह से हताश हो गई थी और बीमार रहने लगी थी। इन सभी चीज से बाहर निकलने के लिए उन्होंने भगवान की शरण का सहारा लिया। वह भगवान के मंत्र जाप करती रहती थी, जिससे उन्हें पॉजिटिव एनर्जी मिलती थी। उनके पति ने उन्हें काफी मोटीवेट किया और उनके गायन को और तराशने के लिए कहा। उन्होंने 2014 में एक यूट्यूब चैनल बनाकर ऐसे ही छोड़ दिया, पर उसमें कुछ अपलोड नहीं किया। 2019 में उन्होंने अपने चैनल पर एक मैथिली गाना गाकर डाला। फिर आगे संस्कृत में भजन, मंत्र, गीत गाकर डालने लगी। आज माधवी के गाये स्तोत्रम को दो करोड़ से अधिक बार लोग देख चुके हैं। उनका गाया कृष्णष्टकम कोरोना के समय काफी वायरल हुआ था। माधवी ने अपने एंटरप्रेन्योर पति पीयूष झा के साथ मिलकर अपनी एक म्यूजिक बैंड की टीम बनाई, जिसका नाम 'मधुरम वृंद' रखा है। उन्होंने पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद से दीक्षा भी ली है। माधवी की आवाज रामलला के प्राण प्रतिष्ठा में भी गूंजी है। अयोध्या में अमृत महोत्सव के दौरान माधवी को गाने के लिए निमंत्रण भेजा गया था। इसके अलावा पंचायत- 3 वेब सीरीज में भी उनका मैथिली में गाया कृष्ण भजन इस्तेमाल किया गया है। माधवी अब संस्कृत भाषा को दुनिया के कोने-कोने में अपने गाने के माध्यम से पहुंचना चाहती हैं। वह भोपाल के शंकर न्यास संस्कृति विभाग से जुड़कर शंकर दूतों को शंकर गान भी सीखा रही हैं। ये इंविटेशन कार्ड एक बॉक्स के रूप में है। बॉक्स को खोलते ही डिजिटल आवाज में वैदिक मंत्र 'ॐ श्री विष्णवे नमः' की धुन सुनाई देती है और सामने चांदी से बना मंदिर होता है। इस मंदिर के अंदर सोने की चार मूर्तियां हैं। इसके बाद चांदी के सुनहरे रंग के डिब्बे में विवाह के आयोजन की तिथियों के निमंत्रण पत्र रखे गए हैं। इसमें कई यादगार चीजें शामिल हैं, जैसे कि अफके नाम से कढ़ाई किया हुआ कपड़ा, एक नीली शॉल और उपहार से भरा एक चांदी का डिब्बा। नीता अंबानी 1 जुलाई को वाराणसी पहुंची थीं। वो अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी का कार्ड भगवान को चढ़ाने गई थीं। उन्होंने बताया था कि बेटे अनंत की इच्छा थी कि मैं खुद बाबा विश्वनाथ को कार्ड देने जाऊं। पूरा विश्वनाथ धाम सचमुच बदल गया है।

नवोदय विद्यालय के छात्र का पेड़ से लटका मिला शव

पूर्णिया। में जवाहर नवोदय विद्यालय के 10वीं के छात्र का शव हॉस्टल की छत से लगे आम के पेड़ से लटका मिला। शव रस्सी से लटका था। शव के पास से एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। सोमवार की सुबह हॉस्टल के बच्चों ने पेड़ से लटका शव देखा। इसकी सूचना विद्यालय. प्रशासन को दी। फिर विद्यादल प्रशासन ने शव को नीचे उतारा और आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद विद्यालय प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम भी विद्यालय पहुंची और छानबीन की। मृतक छात्र की पहचान बनमनखी थाना क्षेत्र के धोकरधारा गांव निवासी पंकज कुमार चौधरी के 15 वर्षीय बेटे गौरव कुमार के रूप में हुई है। मृतक छात्र के भाई भी इसी स्कूल में 8वीं क्लास में पढ़ता है। मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताई है। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य प्रकाश शर्मा ने बताया कि बच्चे मेरे पास दौड़ते हुए आए और कहा कि एक छात्र छत से लटका हुआ है। गाड़ी की व्यवस्था कर उसे अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। फिर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। छोटे भाई प्रिंस कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह साढ़े सात बजे विद्यालय के सीनियर छात्र बाबुल ने सूचना दी। तुम्हारे बड़े भाई के साथ कुछ घटना हो गई है। भइया अपनी सारी बातें मुझे बताते थें। रविवार को भी उनसे बात हुई। वह काफी खुश नजर आ रहे थे। भाई की किसी भी छात्र से कोई दुश्मनी नहीं थी।

खड़े ट्रक में पीछे से दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर

नालंदा। में NH-20 पर मंगलवार की अहले सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। मामला वेना थाना क्षेत्र अंतर्गत पैठना टोल प्लाजा पावर हाउस गेट के पास की है। मृतकों की पहचान नवादा के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र निवासी जंगलबेलदारी विगहा निवासी वीरेंद्र कुमार और रोहित कुमार(19) के रूप में की गई है। वहीं, इस घटना में चालक ब्रजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हायर सेंटर

रेफर कर दिया गया है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की अहले सुबह पावर हाउस गेट के पास सड़क किनारे बालू लोड ट्रक खड़ी थी। वहीं, बिहारशरीफ की ओर से आ रही तेज गति से ट्रक ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक की केबिन में आग लग गई। जब तक ट्रक में लगे आग को बुझाया जाता तब तक चपेट में आकर एक उपचालक की झुलस कर जबकि दूसरा उपचालक बाहर सड़क पर आकर गिर गया। इससे उसका हाथ कट गया और उसकी भी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। ट्रक पर बालू लोड था, जो नवादा से चल कर बख्तियारपुर जा रही थी। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए। वहीं, इस मामले में वेना थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अग्निशमन विभाग के कर्मियों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

रोहतास में 2 जगह गिरी आकाशीय बिजली चपेट में आकर 1 की मौत 5 घायल

रोहतास। जिले के चेनारी प्रखंड क्षेत्र के रामगढ़ और मल्हीपुर गांव में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें 5 एक ही परिवार के हैं। जबकि एक अन्य बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई है। इससे पहले सभी घायलों को स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सासाराम सदर हॉस्पिटल रेफर किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर 2 बजे तेज बारिश के साथ बिजली गरजने से थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में आकाशीय

बिजली के चपेट में आने से किशोर कुमार के 20 वर्षीय पत्नी संगीता देवी, रमेश राम की 19 वर्षीय पुत्री गुड़िया कुमारी, अशोक राम के 30 वर्षीय पत्नी प्रमिला देवी, मुन्ना राम की 18 वर्षीय पुत्री देवी कुमारी, मुन्ना राम के 12 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार घायल हो गए। जबकि थाना क्षेत्र के मल्हीपुर गांव निवासी स्वर्गीय चिरकुट साह के 50 वर्षीय पुत्र दिनेश साह आकाशीय बिजली गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गये। बताते हैं कि रामगढ़ गांव के सभी लोग अपने घर के बरामदे में दोपहर में बैठकर मोबाइल चला रहे थे। इसी दौरान घर के आंगन में आकाशीय बिजली गिरी, इसके चपेट में आने से सभी गंभीर रूप से घायल हो गये। जबकि मल्हीपुर गांव के दिनेश साह गांव से बाहर भैंस चरा रहे थे. जहां आकाशीय बिजली के चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर चंद्रशेखर कुमार सिंह ने बताया कि रामगढ़ गांव से पांच और मल्हीपुर गांव से एक बुजुर्ग को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर हॉस्पिटल सासाराम रेफर कर दिया गया है। सभी घायलों का सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। हालांकि बाद में दिनेश साह की इलाज के दौरान मौत हो गई है।

किशनगंज में बोले एआईएमआईएम विधायक-रुपौली में भाजपा के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार को दें वोट

बिहार। एआईएमआईएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक अख्तरुल इमान ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि अगर वो बिहार विधानसभा में जय हिन्दू राष्ट्र का नारा लगाएंगे तो हम को जो पसंद होगा वो नारा लगाएंगे। उनके खिलाफ काउंटर एक्शन होगा। कहा कि यह कोई बता दे कि किस संविधान में किस पैरा में लिखा है कि किसी की हमदर्दी में जय बोलना नुकसान होता है। जय बोलने से देशभक्त होता है और

किसी दूसरे के लिए जय बोल दिया तो उसकी देशभक्ति खत्म हो जाती है। क्या उसकी नागरिकता में आंच आ जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों को मिर्ची लगी हुई है। फिलीस्तीन के इतिहास को पढ़ो। उनके साथ देश हमेशा खड़ा रहा है। भारत हमेशा से खड़ा रहा है। आप बोलते हैं हिन्दू राष्ट्र। यह एक सेकुलर देश है। हजारों बच्चे अनाथ हो गए। लाखों लोग मर गए। बिहार विधानसभा में अगर कोई हिन्दू राष्ट्र का नारा लगाएगा तो मुझे जो पंसद आएगा तो मैं वहीं नारा लगाऊंगा। अगर वो लगाएंगे तो हम भी जो पसंद होगा वो लगाएंगे। उनके खिलाफ काउंटर एक्शन होगा। अख्तरुल ईमान ने कहा कि भाजपा के खिलाफ मजबूत उम्मीदवार को अपने विवेक से वोट करें। देश को पाकिस्तान और चीन से ज्यादा भाजपा से खतरा है। अमल नहीं होता है। सरकार इतनी अंधी हो गयी है कि तो उसका क्या होगा। पुल के अलावा सरकारी भवन में भी काफी घोटाला हुआ है।

पटना में गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि

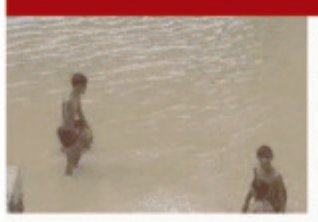

पटना। में गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। गांधी घाट पर दर्ज आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार की सुबह 3 सेंटीमीटर का इजाफा हुआ है। पिछले 6 घंटे से 2 से 3 सेमी. की रफ्तार से वृद्धि दर्ज की जा रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार सोमवार के दिन गंगा का जलस्तर 45.730एम था, जो अब बढ़कर 46.470एम हो गया है। हालांकि अभी भी वार्निंग लेवल तक पहुंचने में 1 मीटर और खतरे के निशान तक पहुंचने में 2 मीटर का फासला है। गंगा का वार्निंग लेवल 47.60एम और डेंजर लेवल 48.60 एम केंद्रीय जल आयोग के द्वारा निर्धारित किया गया है। विशेषज्ञों और कर्मियों के मुताबिक एक से दो दिनों का समय अभी भी वार्निंग लेवल और डेंजर लेवल को पार करने में लग सकता है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि होने के चलते पानी घाट की सीढ़ियों को छूने लगा है।

नीट पेपर लीक मामले में 2 और आरोपी गिरफ्तार

पटना। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बिहार से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम ने पटना से सन्नी कुमार और रंजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। 8 जुलाई को सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने 4 आरोपियों की रिमांड 4 दिन के लिए बढ़ा दी थी। हालांकि, एक आरोपी चिंटू को जेल भेज दिया था। स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत ने आरोपी अमन, एहसान, इम्तियाज और जमालुद्दीन को रिमांड पर भेज दिया था। सीबीआई की टीम 4 आरोपियों को रिमांड पर लेने के बाद से लगातार पूछताछ कर रही है। 28 जून को झारखंड के हजारीबाग से CBI ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज और पत्रकार जमालुद्दीन शामिल हैं। इससे पहले 27 जून को पटना से एजेंसी ने 2 लोगों को अरेस्ट किया था। इसके बाद उइक की टीम ने धनबाद से अमन को गिरफ्तार किया था। वहीं, झारखंड के देवघर से चिंटू और मुकेश को गिरफ्तार किया था। उइक की टीम ने अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पैकेट स्कूल में ही खोला गया था। बिहार पुलिस ने पेपर लीक के शक में 5 मई को ही 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

खेत में घुसा पानी तो आया मछली पालन का आइडिया

बेगूसराय। के रहने वाले राकेश कुमार चौरसिया ने बाहर कई कंपनियों में मजदूरी की। पर वहां समय ज्यादा देना और सैलरी कम होने से परेशान राकेश ने अपना कारोबार करने का प्लान बनाया। वो अपने गांव बखरी प्रखंड के लौछे सारवकोठी पहुंचे। यहां उनके खेत में पानी घुस गया था। यही से उन्हें मछली पालन का आइडिया आया और यूट्यूब की मदद से काम शुरू कर दिया। राकेश ने एक साल में 10 लाख रुपए सालाना की कमाई की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे नहीं देखा। अब राकेश मत्स्य बीज प्रजनन केंद्र (हैचरी) भी चला रहे हैं। बीते 25-30 दिन में ही उन्होंने करीब 50 हजार रुपए की मछली बीज (मछली के बच्चे) बेच लिए हैं और 20 लाख से अधिक के बीज इसके पास तैयार हैं। राकेश ने अपने इस कारोबार को सही तरीके से चलाने के लिए कुछ लोगों को जॉब पर भी रखा है। इन्हें 8-10 हजार रुपए मंथली सैलरी भी दे रहे हैं। राकेश बताते हैं कि उन्होंने 10वीं तक की पढ़ाई की है। उनका पूरा परिवार खेती-बाड़ी से ही जुड़ा हुआ है। अन्य राज्यों में रहकर उन्होंने कई कंपनियों में काम किया। पर काफी व्यस्त शेड्यूल रहने के कारण उनका मन इस काम से उब गया और उन्होंने नौकरी छोड़ दी और मछली पालन में हाथ आजमाया। उन्होंने मत्स्य विभाग से संपर्क किया। जहां से तालाब खुदवाने के लिए 14 लाख रुपए की स्वीकृति मिली। राकेश ने अपने 10 बीघा जमीन में तालाब खुदवा लिया। मत्स्य विभाग ने ही पटना के मीठापुर में प्रशिक्षण दिलाया।

प्रशिक्षण के बाद मछली प्रजनन केंद्र (हैचरी) खोलने का निर्णय लिया और मत्स्य विभाग से 25 लाख का सहयोग मिल गया। अगस्त 2022 में राकेश ने मछली उत्पादन शुरू किया और एक साल में 10 लाख रुपए से अधिक की कमाई कर ली। इससे उनका मनोबल बढ़ा और हैचरी का व्यवसाय करने लगे। राकेश मत्स्य बीज प्रजनन केंद्र (हैचरी) की काफी चर्चा हो रही है। यह पूरी तरह से वैज्ञानिक विधि से मछलियों का प्रजनन करा रहे हैं। इनकी मछलियों के बीज न सिर्फ बेगूसराय बल्कि समस्तीपुर, खगड़िया और दरभंगा तक सप्लाई किए जा रहे हैं। बारिश शुरू हो चुकी है तो अब मछली उत्पादक, राकेश से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बरसात के मौसम में 15 से 20 लाख रुपए के बीज बिक जाएंगे। राकेश ने आज अपने 10 बीघा (200 कट्ठा) खेत को पूरी तरह से तालाब बना दिया है। सुरक्षा के लिए स्टाफ रखने के साथ इसमें 15 सीसीटीवी कैमरे भी लगाए हैं। अभी राकेश रेहू, ग्रासकप, कोमल बी ग्रेड, सिल्वर कार्प, मीरगल, मैनी बाटा और कतला आदि किस्म के मछलियों का प्रजनन करवा रहे हैं। प्रजनन पूरी तरह से वैज्ञानिक विधि से करते हैं। वो अपने सहयोगियों के साथ मिलकर उच्च गुणवत्ता की दवा से ब्रिडिंग करते हैं।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है।

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं।

शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

आरबीआई ने दो गैर सरकारी संस्थान का रजिस्ट्रेशन किया रद्द

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दो गैर-सरकारी संस्थान से रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल कर दिया है। आरबीआई ने इसको लेकर सर्कुलर जारी किया था। बैंक ने बताया कि अनियमित उधार प्रथाओं के कारण इनका रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि उसने स्टार फिनसर्व इंडिया और पालीटैक्स इंडिया के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को कैंसिल किया है। हैदराबाद स्थित स्टार फिनसर्व इंडिया प्रोगकेप (डेसिडरेटा इम्पैक्ट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवा की पेशकश कर रहा था। पॉलीटेक्स इंडिया, जिसका मुख्यालय मुंबई में है, जेड2पी मोबाइल एप्लिकेशन (जैटेक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व और संचालित) के तहत सेवाएं प्रदान कर रहा था।

आरबीआई ने बताया कि स्टार फिनसर्व के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) को इसलिए रद् किया गया क्योंकि कंपनी ने क्रेडिट मूल्यांकन जैसे अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके अपने डिजिटल लेंडिंग ऑपरेशन में वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग की। यह आरबीआई के आचार संहिता के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हैं। इस वजह से स्टार फिनसर्व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट कैंसिल हुआ है। आरबीआई ने कहा कि स्टार फिनसर्व ने सर्विस प्रोवाइडर को ग्राहक डेटा तक पूर्ण पहुंच प्रदान करके डेटा गोपनीयता और ग्राहक जानकारी की सुरक्षा का भी उल्लंघन किया है। वहीं, पॉलीटेक्स ने क्लाइंट सोर्सिंग, केवाईसी सत्यापन, क्रेडिट मूल्यांकन, ऋण वितरण, ऋण वसूली, उधारकर्ताओं के साथ अनुवर्ती और शिकायतों में भाग लेने और समाधान से संबंधित अपने मुख्य निर्णय लेने वाले कार्यों को आउटसोर्स करके फाइनेंशियल सर्विस की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता के मानदंडों का उल्लंघन किया है।

सोना 72300 और चांदी 92,500 के पार

नई दिल्ली ।

कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को सोना-चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली है। मंगलवार को सोने का भाव लगभग 20 रुपये प्रति 10 ग्राम मजबूत हुआ है, जबकि चांदी में भी करीब 20 रुपये प्रति किलो की बढ़त देखने को मिली है। इससे पहले सोमवार को सोना और चांदी दोनों धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72343 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है, जबकि 4 अक्टूबर की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72755 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोने में लगभग 250 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है, जिसके बाद यह 72964 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले सोमवार को आखिरी सत्र में 5 अगस्त की वायदा डिलीवरी वाला सोना 72333 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था, जबकि 4 अक्टूबर की डिलीवीरी वाला सोना 72736 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। इसके अलावा 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाला सोना 73212 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर 5 सितंबर की वायदा डिलीवरी वाली चांदी 17 रुपये गिरकर 92631 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रही है, जबकि 5 दिसंबर की फ्यूचर डिलीवरी वाली चांदी 9 रुपये लुढ़क कर 95357 रुपये प्रति किलो के भाव पर कारोबार कर रहा है।

ऑनलाइन दवाओं पर नीति बनाने का आखिरी अवसर भी चूकी सरकार

- दिल्ली हाईकोर्ट ने वार्निंग के साथ दी थी समयसीमा

नई दिल्ली ।

दिल्ली स्थित साउथ केमिस्ट्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन (एससीडीए) के अनुसार केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि वह निर्धारित समय सीमा के अंदर ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति बनाने में असमर्थ रही है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस साल मार्च में सरकार को नीति बनाने के लिए चार महीने का ओ खिरी अवसर प्रदान` किया था, जिसके बाद कोर्ट ने कहा था कि अगर ऐसा केंद्र नहीं कर पाता तो वह इस मामले की सुनवाई मेरिट के आधार पर करेगा। सुनवाई कई याचिकाओं पर हुई, जिनमें केंद्र सरकार द्वारा ई-फार्मेसी पर कार्रवाई नहीं करने के खिलाफ एससीडीए और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं सहित अन्य अनुरोध भी शामिल थे। ऑनलाइन दवाओं पर यह सुनवाई मद्रास हाईकोर्ट द्वारा भी केंद्र सरकार और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन को ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए नीति को अंतिम रूप देने और जल्द से जल्द सूचित करने के निर्देश देने के एक सप्ताह बाद हुई। केंद्र ने अगस्त 2018 में ऑनलाइन दवाओं की बिक्री के लिए एक मसौदा अधिसूचना जारी किया था, जिसके बाद ये याचिकाएं दायर की गई थीं। याचिकाओं में तर्क दिया गया कि दवाओं और प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की ऑनलाइन बिक्री अवैध है और कानून का कोई आदेश नहीं है। दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट ने ई-फार्मेसियों द्वारा दवाओं की ऑनलाइन बिक्री को रोकने का आदेश पारित किया था क्योंकि इसके लिए ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 और फार्मेसी एक्ट, 1948 के तहत अनुमति नहीं थी। मंत्रालय तब से नीति बनाने के लिए समय विस्तार का अनुरोध करता आ रहा है। नवंबर 2023 में मंत्रालय ने फिर से अधिक समय का अनुरोध करते हुए कहा कि ऑनलाइन दवाओं की बिक्री का विषय जटिल प्रकृति का है और दवाओं की बिक्री के तरीके में कोई भी संशोधन दूरगामी परिणाम होंगे और कई अधिनियमों और नियमों, विनियमों में परिवर्तन शामिल होंगे।

यूपी में सस्ती हुई हाइब्रिड कारें

- 2 लाख रुपए सस्ती हुई मारुति की ग्रैंड विटारा

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड कारें अब सस्ती हो गई हैं। इस तरह की कारों की कीमत 4 लाख रुपये तक घट गई है। ऐसे वाहनों का पंजीकरण शुल्क शून्य करने का राज्य सरकार के फैसले के बाद इनकी कीमतें कम हुई है।

वाहन उद्योग के एक सूत्र ने बताया कि स्वच्छ तकनीक को बढ़ावा देने के इरादे से योगी आदित्यनाथ सरकार ने यह फैसला किया है। उत्तर प्रदेश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान हर महीने करीब 100 हाइब्रिड कार बिकी थीं। राज्य सरकार ने वाहन पंजीकरण शुल्क में छूट देने के लिए हाइब्रिड वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों के बराबर रखने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के सबसे बड़े बाजारों में शुमार है और इस नई छूट से यहां महंगी हाइब्रिड गाड़ियों की बिक्री को भी दम मिलने की उम्मीद है।

पहले ईवी का पंजीकरण मुफ्त में होता था मगर 10 लाख रुपये से कम के स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वाहनों पर 8 फीसदी पंजीकरण और इससे अधिक कीमत के वाहनों पर 10 फीसदी पंजीकरण शुल्क देना पड़ता था। अब पंजीकरण शुल्क हटने पर उत्तर प्रदेश में इन हाइब्रिड गाड़ियों की एक्स-शोरूम कीमत करीब 10 फीसदी तक कम हो गई है। उत्तर प्रदेश में मारुति ग्रैंड विटारा करीब 2 लाख रुपये सस्ती हो गई है। इसी तरह मारुति इनविक्टो की कीमत भी करीब 3 लाख रुपये घट गई है।

उत्तर प्रदेश में ग्रैंड विटारा और इनविक्टो की एक्स-शोरुम कीमत 10.99 लाख रुपये से 25.21 लाख रुपये के बीच है। हाइब्रिड कार बाजार में मारुति सुजूकी इंडिया और टोयोटा किर्लोस्कर प्रमुख हैं।

मारुति ब्रेजा उरबानो एडिशन किया पेश

नई दिल्ली ।

बेहतरीन कारें बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी ने ब्रेज़ा कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए एक स्पेशल एडिशन पेश किया है। उरबानो एडिशन अपनी उपकरण सूची को बेहतरीन बनाने के लिए एंट्री-लेवल एलएक्सआई और मिड-लेवल वीएक्सआई वेरिएंट पर उपलब्ध करवाया गया है। यह एडिशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों पावरट्रेन ऑप्शन के साथ उपलब्ध है। मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रिम्स को नया पैकेज मिलता है। इस एडिशन को 8.49 लाख रुपये की कीमत पर पेश किया गया है। इसमें अनिवार्य रूप से रियायती मूल्य पर कई सहायक उपकरण शामिल हैं। ब्रेज़ा एलएक्सआई के लिए उरबानो एडिशन में एक रियर पार्किंग कैमरा, एक टचस्क्रीन, स्पीकर, फ्रंट फॉग लैंप, फॉग लैंप गार्निश, फ्रंट और रियर स्किड प्लेट, फ्रंट ग्रिल क्रोम गार्निश, बॉडी साइड मोल्डिंग और एक व्हील आर्क किट शामिल है। स्टैंडअलोन खरीदने पर इन एक्सेसरीज़ की कीमत 52,370 रुपये होगी। वीएक्सआई वेरिएंट के साथ जोड़े जाने पर, उरबानो एडिशन एक रियर कैमरा, फॉग लैंप, एक विशेष डैशबोर्ड ट्रिम, बॉडी साइड मोल्डिंग, व्हील आर्क किट, मेटल सिल गार्ड, एक पंजीकरण प्लेट फ्रेम और 3 डी फ्लोर मैट के आएगा। इसमें आप अलग से 26,149 रुपये के प्राइज़ पर एक्सेसरीज़ और 18,500 रुपये की किट खरीद सकते हैं। उरबानो एडिशन की कीमत एक्स-शोरूम कीमत से 3,500 रुपये कम हो गई है।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.50 पर स्थिर

मुंबई ।

देश के सराफा बाजारों में रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.50 पर स्थिर रहा। विदेशी बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से स्थानीय मुद्रा पर पड़ रहा दबाव कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से कम हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.49 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 83.49 से 83.51 प्रति डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया सुबह नौ बजकर 25 मिनट पर 83.50 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.50 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मिश्रित वैश्विक संकेतों के कारण रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.03 पर रहा।

एलपीजी ईकेवाईसी अनुपालन की कोई समय सीमा नहीं पुरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर के लिए ईकेवाईसी प्रमाणीकरण प्रक्रिया का अनुपालन करने की कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। पुरी की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के एक पत्र के जवाब में आई। सतीसन ने पत्र में उल्लेख किया कि हालांकि मस्टरिंग आवश्यक है, लेकिन संबंधित गैस एजेंसियों पर इसे करने की आवश्यकता से नियमित एलपीजी धारकों को असुविधा होती है। हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को घोषणा की कि तेल विपणन कंपनियां या ओएमसी फर्जी खातों को खत्म करने और वाणिज्यिक सिलेंडरों की धोखाधड़ी वाली बुकिंग को रोकने के लिए एलपीजी ग्राहकों के लिए ईकेवाईसी आधार प्रमाणीकरण को परिश्रमपूर्वक लागू कर रही हैं। हालांकि, पुरी ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया आठ महीने से अधिक समय से लागू है और इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सेवाएं प्राप्त हों।

कीस्टोन रियलटर्स की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी कीस्टोन रियलटर्स लिमिटेड की चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में बिक्री बुकिंग 22 प्रतिशत बढ़कर 611 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में बिक्री बुकिंग 502 करोड़ रुपये थी। मुंबई स्थित कंपनी रुस्तमजी ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचती है। कंपनी सूचना के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में उसकी बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर 2.9 लाख वर्गफुट से 16 प्रतिशत घटकर 2.4 लाख वर्गफुट रह गई। कीस्टोन रियलटर्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही ने वर्ष के लिए एक दिशा निर्धारित की है।

मर्सिडिज-बैंज ने रिकॉर्ड 9,262 इकाइयां बेचीं

नई दिल्ली । जर्मनी की लग्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडिज-बैंज की 2024 की पहली छमाही में भारत में बिक्री 9 प्रतिशत बढ़कर 9,262 इकाई हो गई। यह वृद्धि विभिन्न श्रेणियों में मजबूत मांग और बड़ी संख्या में मॉडलों की उपलब्धता के दम पर दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार यह देश में उसकी अभी तक की सबसे अधिक बिक्री वाली छमाही रही। उसने 2023 की जनवरी-जून में 8,528 इकाइयों की बिक्री की थी। मर्सिडिज-बैंज इंडिया ने कहा कि उसकी योजना 2024 की दूसरी छमाही में छह नए उत्पाद पेश करने की है।

एलएंडटी 183 करोड़ में सिलिकोंच सिस्टम्स खरीदेगी

नई दिल्ली । लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने बेंगलुरू स्थित सिलिकोंच सिस्टम्स को 183 करोड़ रुपये में पूरी हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अधिग्रहण से फैबलेस सेमीकंडक्टर व्यवसाय में समूह की उपस्थिति को मजबूत करने के लिए इंजीनियरिंग कौशल तथा डिजाइन विशेषज्ञता को बढ़ाने की संभावना है। एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एलएंडटी सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने सिलिकोंच सिस्टम्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए आठ जुलाई 2024 को शेयर खरीद समझौता किया है। यह अधिग्रहण सितंबर तक पूरा होने की संभावना है, जो कि पारंपरिक समापन शर्तों के अधीन है। सिलिकोंच सिस्टम्स की स्थापना अप्रैल 2016 में की गई। यह सेमीकंडक्टर बौद्धिक संपदा (आईपी) और एकीकृत सर्किट (आईसी) के विकास तथा डिजाइन में विशेषज्ञता रखती है।

मुंबई में सीएनजी-पीएनजी की कीमतें बढ़ीं

मुंबई । देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गाड़ी चलाना और खाना पकाना महंगा हो गया है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने सीएनजी और घरेलू पाइपलाइन गैस (पीएनजी) की कीमतें बढ़ा दी हैं। बढ़े हुए 9 जुलाई, से लागू हो गए हैं। दिल्ली के बाद मुंबई में सीएनजी के दाम 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़ गए हैं जबकि पाइप के जरिए रसोई में पहुंचने वाली गैस (पीएनजी) की कीमत एक रुपये बढ़ गई है। कंपनी ने कहा कि सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करने और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण, एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) ले रही है। इसके चलते गैस की लागत बढ़ गई है। बयान के अनुसार, गैस लागत में वृद्धि को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए एमजीएल ने मुंबई और उसके आसपास सीएनजी की कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति मानक घन मीटर बढ़ा दी है। इस वृद्धि के बाद सीएनजी की संशोधित कीमत सभी टैक्स सहित 75 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। वहीं मुंबई तथा उसके आसपास घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के शहरों के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 22 जून को दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, कंपनी ने पीएनजी के दाम संशोधित नहीं किए और यह 48.59 रुपये प्रति एससीएम पर बनी हुई है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही वाहन और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में आई तेजी से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधरित बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 391.26 अंक करीब 0.49 फीसदी बढ़कर 80,351.64 अंक के नए स्तर पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 112.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आया है। निफ्टी अंत में 24,433.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। आज वाहन क्षेत्र के शेयरों मुख्य रूप से हाइब्रिड कार मेकर्स मारुति सुजुकी के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। मारुति के अलावा एमएंडएम , आईटीसी, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टीसीएस, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर भी लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं।

वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। इनमें रिलायंस, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस के शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त के साथ 80,107.21 पर खुला। जबकि एनएसई का निफ्टी-50 करीब 30 अंकों की बढ़त के साथ 24,351 पर खुला। शेयर बाजार खुलते ही मारुति सुजूकी के शेयरों ने 3 फीसदी से ज्यादा की सबसे तगड़ी बढ़त दर्ज की। टॉप गेनर्स की लिस्ट में मारुति सुजूकी के अलावा, लॉर्सन एंड टुब्रो, इंडसंड बैंक, यूटीसी, एसबीआईएन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, बजाज फाइनेंस जैसे शेयर रहे। वहीं जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा- 0.43 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

दूसरी ओर दुनिया भर बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो और शंघाई ऊपर आये हैं जबकि हांगकांग का बाजार नीचे आया है। इसके अलावा यूरोपीय बाजार अधिकतर गिरावट पर कारोबार करते दिखे हैं। ऑस्ट्रेलिया के एएसएक्स 200 में 0.60 फीसदी की तेजी देखी गई। एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट में मामूली बढ़त के साथ नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ, जबकि नेस्डेक 0.3 फीसदी चढ़ा। इसके विपरीत, डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। वहीं शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 60.98 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

पश्चिम बंगाल में 30 लाख नौकरियां घटीं, महाराष्ट्र में 24 लाख नए रोजगार बढ़े

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के सालाना सर्वे के अनुसार पिछले सात वर्षों में पश्चिम बंगाल में असंगठित उद्योगों में सबसे ज्यादा 30 लाख नौकरियां कम हुई हैं। जबे कि महाराष्ट्र में इसी अवधि के दौरान 24 लाख नए रोजगार के अवसर` मिले हैं। यह सर्वे 2015-16 से 2022-23 तक की रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया। एनएसओ के सर्वे में यह सामने आया है कि देश के 28 में से 13 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में असंगठित क्षेत्रों में रोजगार तेजी से घटे हैं। पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश समेत अधिकांश बड़े राज्यों में असंगठित क्षेत्रों में रोजगार में कमी देखी गई है। हालांकि, कुछ आर्थिक रूप से कमजोर माने जाने वाले राज्यों में पिछले सात वर्षों में रोजगार बढ़े हैं। राजस्थान में 8.8 लाख नए रोजगार आए हैं, वहीं मध्य प्रदेश और बिहार में 6-6 लाख नई नौकरियां बढ़ी हैं। पंजाब और हरियाणा में 3-3 लाख और झारखंड में 4 लाख नए रोजगार बढ़े हैं। पंजाब और हरियाणा में रोजगार की स्थिति में सुधार हुआ है, जिससे इन राज्यों में नौकरियों की संख्या बढ़ी है। एनएसओ के सर्वे के अनुसार इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि असंगठित क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति राज्यों के अनुसार भिन्न-भिन्न है। जबकि कुछ राज्यों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, वहीं अन्य राज्यों में इसमें कमी आई है। इससे यह भी पता चलता है कि आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों ने रोजगार के अवसरों में सुधार किया है, जबकि बड़े और अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों में रोजगार में गिरावट आई है। इस रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि असंगठित क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति सुधारने के लिए राज्यों को विशेष प्रयास करने चो हिए। इसके साथ ही नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

टमाटर के भाव आसमान छूने लगे

जालंधर। मानसून की एंट्री के बाद बेशक लोगों को गर्मी से राहत मिली लेकिन सभी सब्जियों के दाम बढ़ने से रसोई का बजट डगमगा गया है। हिमाचल में लगातार बारिश होने के कारण टमाटर के भाव आसमान छूने लगे हैं। इसके अलावा आलू और प्याज समेत अन्य सब्जियों के दाम भी काफी बढ़ गए हैं। रिटेल में जो टमाटर 80 रुपए प्रति किलो बिक रहा है, वह मकसूदां मंडी में 40 से 50 रुपए किलो में बिक रहा है। एक महीने पहले टमाटर 30 से 35 रुपए किलो था। इसी के साथ-साथ प्याज, आलू, गोभी, शिमला मिर्च, बीन्स, हरी मिर्च, घीया, बंदगोभी, बैंगन, भिंडी, अरबी, करेले आदि सब्जियां महंगी बिक रही हैं। जब तक हिमाचल प्रदेश में बारिश रुक नहीं जाती, तब तक सब्जियों के दामों में कमी आने की कोई उम्मीद नहीं है। दरअसल हिमाचल प्रदेश बड़ी मात्रा में टमाटर सप्लाई करता है लेकिन भरी बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं और कई जगहों पर लैंडस्लाइड देखने को मिला है जिस कारण सड़कें बंद हो जाने से टमाटर और हिमाचल से आने वाली सब्जियों की सप्लाई भी कम होने लगी है। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब टमाटर की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। पिछले साल मानसून के दौरान टमाटर 350 से 400 रुपए किलो तक बिका था।

ब्लू इकोनॉमी में गुजरात का बड़ा योगदान, समुद्री मछली उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

गांधीनगर . (एजेंसी)

मत्स्य पालन और जलीय कृषि व्यवसाय से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति सहयोग एवं समर्थन प्रदर्शित करने के लिए भारत में हर वर्ष 10 जुलाई को राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में 10 जुलाई को आणंद और 11 जुलाई को उकाई में राष्ट्रीय मत्स्य किसान दिवस मनाया जाएगा।

इसके अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में गुजरात सरकार की विभिन्न योजनाओं और मत्स्य पालन क्षेत्र से संबंधित आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था कि, ÷हम एक ऐसे भविष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी एक ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का माध्यम बनेगी।÷ गुजरात में देश की सबसे लंबी 1600 किमी की तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक उपायों और नीतियों को लागू किया है। इसके परिणामस्वरूप गुजरात आज समुद्री मछली उत्पादन में देशभर में दूसरे स्थान पर है।

पिछले 4 वर्षों में गुजरात में सालाना औसतन मत्स्य उत्पादन 8.38 लाख मीट्रिक टन

गुजरात जहां समुद्री मछली उत्पादन के मामले में देश में दूसरे स्थान पर काबिज है, वहीं अन्य सभी प्रकार के स्रोतों से होने वाले कुल मत्स्य उत्पादन में देश में पांचवें स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में कुल मत्स्स उत्पादन का आंकड़ा सालाना औसतन लगभग 8.38 लाख मीट्रिक टन रहा है।

राज्य में वर्ष 2022-23 में समुद्री मछली का उत्पादन 7,03,000 मीट्रिक टन और अंतर्देशीय मछली उत्पादन 1,94,422 मीट्रिक टन था। इस तरह, वर्ष 2022-23 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 8,97,422 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2023-24 में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,02,050 मीट्रिक टन, जबकि अंतर्देशीय मछली उत्पादन 2,13,140 मीट्रिक टन रहने की संभावना है। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,15,190 मीट्रिक टन रहने की संभावना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात की 61 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी

मत्स्य उद्योग का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में वृद्धि करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देशभर में 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके तहत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास को केंद्र में रखा गया है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना को मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटने के लिए डिजाइन किया गया है। इस योजना का उद्देश्य मूल्य श्रृंखला को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रैसेबिलिटी यानी पता लगाने की क्षमता को बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ ही मछुआरों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में कुल 286.53 करोड़ रुपए तथा 2023-24 में कुल 61.55 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इससे भी राज्य में मत्स्य पालन गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 1600 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक नई पहलें की हैं, जिसमें डीजल की वैटर दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा पालन के लिए जमीन आवंटन के अलावा सड़क एवं बिजली की सुविधाएं मुहैया कराना और मछुआरों के छोटे बंदरगाहों की ढांचागत सुविधाओं में वृद्धि आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावल-2 और सूत्रापाड़ा में चार नए मत्स्य बंदरगाह निर्माणाधीन हैं।

अजित पवार खेमे को कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार पर भरोसा, सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई। (एजेंसी)

महाराष्ट्र में आगामी विधान परिषद और फिर तीन महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। सोमवार को बजट सत्र के बीच अजित पवार खेमे ने सभी विधायकों की मौजूदगी में एक बैठक की और चुनाव पर चर्चा की। दिलचस्प बात यह है कि अजित पवार खेमे ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नरेश अरोड़ा को चुनावी रणनीतिकार के रूप में नियुक्त किया है। नरेश अरोड़ा पॉलिटिकल कैंपेन मैनेजमेंट कंपनी के को-फाउंडर भी हैं। उन्होंने राजस्थान और कर्नाटक समेत कई राज्यों में कांग्रेस के इलेक्शन कैंपेन का मैनेजमेंट किया है। बैठक में नरेश अरोड़ा ने आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की ब्रांडिंग और रणनीतियों के बारे में प्रजेंटेशन दिया और अजित खेमे के विधायकों को संबोधित किया।

सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने वित्त मंत्री अजित पवार द्वारा प्रस्तुत बजट में सरकार द्वारा घोषित सभी लोकप्रिय योजनाओं का प्रचार करने की रणनीति बनाई है और वोटर्स तक पहुंचने के लिए 90 दिन की योजना बनाई है. संगठन ने तय किया है कि अजित पवार को पार्टी के नेता के रूप में ब्रांडिंग और मेक-ओवर पर भी काम किया जाएगा, जिसमें प्रशासन पर उनकी पकड़, अपने शब्दों पर कायम रहना, अपने सभी वादों को पूरा करना, पार्टी कैडर के लिए उपलब्ध रहना और पार्टी के लिए काम करना जैसी उनकी खूबियों के बारे में बताया जाएगा।

288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी दोनों गुटों के 53 विधायक हैं। जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा शरद पवार से बगावत की और एनडीए सरकार में शामिल हो गए थे। अजित के साथ 8 विधायकों ने मंत्रिपद की शपथ ली थी। अजित कैंप का दावा है कि उनके पास 41 विधायकों का समर्थन है। जबकि शरद पवार गुट को 12 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।बता दें कि अजित पवार की एनसीपी महाराष्ट्र में एनडीए सरकार का हिस्सा है। शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं. जबकि बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी प्रमुख अजित पवार डिप्टी सीएम हैं। फडणवीस के पास गृह मंत्रालय और अजित के पास वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी है।

हाथरस मामला- एसआईटी ने सरकार को सौंपी 855 पेज की रिपोर्ट

132 लोगों के बयान दर्ज, कई अधिकारियों की गिर सकती है गाज

लखनऊ। (एजेंसी)

हाथरस सत्संग में मची भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने यूपी सरकार को 855 पेज की रिपोर्ट सौप दी है। इसमें 132 लोगों के बयान दर्ज हैं। विशेष एसआईटी ने इस मामले में लोगों से पूछताछ की और 132 लोगों के बयान दर्ज किए। रिपोर्ट के बाद अब कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। शासन स्तर पर अध्ययन करने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि जांच रिपोर्ट को आज सीएम योगी के सामने पेश किया जा सकता है. साथ ही कहा जा रहा है कि रिपोर्ट के परीक्षण के बाद दोषी पाए गए अफसर और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक क्राउड मैनेजमेंट का पर्याप्त इंतजाम न होने से स्थानीय प्रशासन पर गाज गिर सकती है। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने आयोजकों को हादसे का दोषी पाया है। साथ ही जांच रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है।

सूचना निदेशक शिशिर ने कहा कि एसआईटी ने यूपी सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। हालांकि, उन्होंने रिपोर्ट के बारे में विस्तार से जानकारी नही दी। एसआईटी में आगरा जोन की अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ मंडल आयुक्त शामिल थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईपीएस हेमंत राव और सेवानिवृत्त आईपीएस भवेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक अलग न्यायिक आयोग भी हाथरस मामले की जांच कर रहा है। बता दें हाथरस के सिकंदराराऊ इलाके में गत दो जुलाई को सत्संग के दौरान बाबा हरि नारायण साकार विश्व हरि उर्फ 'भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे।

ट्रक-बस में टक्कर, 5 की मौत 11 घायल

वहीं यूपी के अमेठी में एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां पर पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से बिहार के सिवान जा रही प्राइवेट बस की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में बस में सवार पांच यात्रियों की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए।

हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची गई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुंछ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, भारतीय जवानों ने की फायरिंग

जम्मू। (एजेंसी)

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर पाकिस्तानी ड्रोन एलओसी के पास उड़ता दिखाई दिया। इस पर भारतीय सैनिकों ने फायर भी किए,लेकिन कुछ ही देर बाद ड्रोन पाकिस्तान की सीमा में वापस लौट गया। सेना के जवानों ने सुबह होते ही अग्रिम गांवों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए जाएं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सीमा पार से हथियार और नशीले पदार्थ गिराने के लिए उड़ाए गए ड्रोन के बारे में सूचना देने वाले को 3 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है, जिससे सामग्री बरामद हो सके।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार की घटना के सबंध में अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सोमवार देर रात भारतीय क्षेत्र में कुछ देर मंडराने के बाद पाकिस्तान लौट गया। नियंत्रण रेखा की रखवाली कर रहे भारतीय जवानों ने रात करीब 9.15 बजे 1,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर एक पाकिस्तानी ड्रोन की हरकत देखी। उसे गिराने के लिए अगले 10 मिनट में पांच राउंड फायरिंग की, लेकिन वह वापस लौटने में कामयाब रहा। सेना के अधिकारियों ने बताया कि आधे घंटे से अधिक समय के बाद, एक पाकिस्तानी ड्रोन को फिर से भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते देखा गया और उस पर दो और राउंड फायरिंग की गई, जिसके बाद वह दूसरी तरफ लौट गया।

योगी सरकार के लिए चुनौतीः अपनी ही सरकार पर निशाना साध रहे राजभर और अनुप्रिया

लखनऊ ।(एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही है। पिछले दिनों भाजपा के सहयोगी दलों अपना दल, निषाद पार्टी और ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा ने कुछ ऐसे बयान दिए थे, जिससे योगी सरकार के लिए मुश्किले दिखीं। बता दें कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को लोकसभा चुनाव में 33 सीटें ही मिल पाईं।

इस तरह 2019 के 62 के मुकाबले पार्टी को 29 सीटें कम मिली हैं। इसके बाद से ही मंथन का दौर जारी है। यही नहीं लोकसभा चुनाव के बाद कुछ घटनाक्रम ऐसे रहे हैं, जिसके चलते योगी सरकार की भी मुश्किलें बढ़ रही हैं। यह बात हाईकमान तक भी पहुंचाई गई है।

नेताओं के बयान ऐसे हैं कि अब भाजपा प्रवक्ताओं को जवाब देना मुश्किल हो रहा है। तीन नेताओं ने जो मुद्दे उठा दिए हैं, उन पर मीडिया में सवाल किए जाते हैं। इनके जवाब देना मुश्किल होता है। यह जानकारी प्रवक्ताओं ने संगठन महामंत्री बीएल संतोष से मीटिंग में दी है।

वह दो दिनों के यूपी दौरे पर आए थे। इस दौरान उन्होंने राज्य में कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात की। कन्नौज के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने तो साफ कहा कि भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और धांधली के आरोपों ने भी नुकसान पहुंचाया है। वहीं पूर्व सांसद रविंद्र कुशवाहा ने कहा कि सलेमपुर से वह इसलिए हारे क्योंकि कुछ नेता ही उनके विरोध में थे। अपना दल की अनुप्रिया पटेल ने तो सीधे सीएम योगी को पत्र लिखा था और कहा कि राज्य सरकार की नौकरियों में ओबीसी वर्ग के छात्रों का चयन नहीं हो पा रहा है। उनकी शिकायत थी कि इंटरव्यू में उन्हें पास नहीं किया जा रहा। इसके अलावा उन्होंने 69,000 शिक्षकों की भर्ती के मामले में भी ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ गड़बड़ी का आरोप लगाया था। अनुप्रिया ने अपने पिता स्वर्गीय सोनेलाल पटेल की जयंती पर योगी सरकार पर यह आरोप लगाया था। उनका ऐसा कहना इसलिए भी चुभने वाला था क्योंकि अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने भी चुनाव प्रचार में लगातार संविधान बदलने की बात कही थी। इसके अलावा आरक्षण छिनने का डर दिखाया था। अनुप्रिया पटेल का कहना था कि यह मसला मैंने पहले भी उठाया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

5,433 यात्रियों का एक और जत्था अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना

-अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के कर चुके हैं दर्शन

जम्मू।

अमरनाथ यात्रा में अब तक दो लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। मंगलवार को 5,433 यात्रियों का एक और जत्था रवाना किया गया। श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि पिछले दस दिनों में दो लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा की है। आधार शिविर भगवती नगर जम्मू से 5,433 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ। 89 वाहनों में 1,971 यात्रियों को लेकर पहला काफिला मंगलवार सुबह 3-13 बजे उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने कहा कि 124 वाहनों में 3,462 यात्रियों को लेकर दूसरा सुरक्षा काफिला मंगलवार को सुबह 4-03 बजे दक्षिण कश्मीर के नुनवान आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दिन में हल्की बारिश की संभावना का अनुमान है। तीर्थयात्री या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग या 14 किलोमीटर लंबे छोटे बालटाल गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से जाने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर में वापस आ जाते हैं। इस साल 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों, दो आधार शिविरों और गुफा मंदिर पर सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारु और दुर्घटना मुक्त कर सके।

खुद को किसान हितैषी बताकर चुनाव जीते, जब मांगों का पुलिंदा थमाया तो काटने लगे कन्नी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पानी पी-पीकर एनडीए सरकार को कोसने वाले कई नेताओं ने किसानों के प्रति सहानुभूति दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी सरकार को किसान विरोधी बताकर खुद को किसान हितैषी साबित करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी। नजीता ये हुआ कि किसानों ने भरोसा करके उन्हे वोट दिया और सांसद बना दिया। अब लोकसभा का बजट सत्र 22 जुलाई से प्रारंभ हो रहा है। किसान नेता विपक्षी दलों के सांसद पर दवाब बना रहे हैं कि वे प्राईवेट बिल लाकर किसानों को एमएसपी की गारंटी सुनिश्चित कराएं। यही नहीं कई मांगों की सूची लेकर किसान संगठनों के नेता विपक्षी दलों से मुलाकात कर अपनी बात रख रहे हैं। ऐसे में बताया गया है कि माननीय अब कन्नी काटने की कोशिश करते बताए जा रहे हैं।

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट सत्र से पहले किसान संगठनों ने विपक्षी सांसदों से गुहार लगाई है। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों ने इंडिया गठबंधन के सांसदों से कहा है कि वे संसद में एमएसपी की गारंटी को लेकर प्राइवेट बिल लेकर आएं। बता दें कि 22 जुलाई से बजट सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले दो किसान संगठनों संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के किसान नेताओं ने विपक्षी सांसदों से मिलना शुरू कर दिया है। किसान संगठनों ने अपनी मांगों की एक लिस्ट तैयार की है। किसान संगठनों ने विपक्षी सांसदों से मिलने की शुरुआत उन्हीं राज्यों से की है जहां उनकी पकड़ ज्यादा है। इनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु शामिल हैं। बता दें कि शुक्रवार को होने वाले लोकसभा के सत्र के दोपहर के बाद का समय प्राइवेट मेंबर बिल के लिए आरक्षित किया गया है। किसान संगठनों ने कहा कि इस बार सरकार को एमएसपी की गारंटी के लिए स्पेशल बजट का ऐलान करना चाहिए और किसानों की कर्जमाफी का ऐलान भी बजट में करना चाहिए। बता दें कि चुनाव के पहले से ही किसान संगठन एमएसपी की गारंटी, किसान आंदोलन में शामिल लोगों से केस हटाने समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पंजाब और हरियाणा की सीमा पर कुछ किसानों ने अब भी डेरा डाल रखा है। प्राइवेट मेंबर बिल का उद्देश्य सरकार का ध्यान उन मुद्दों की तरफ खींचना होता है जिन्हें विपक्ष अहम मानता है। इसके जरिए विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका मिलता है। अब तक 14 प्राइवेट मेंबर बिल कानून भी बन चुके हैं। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मजदूर संघर्ष कमेटी के नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, हमारे प्रतिनिधि अलग-अलग राज्यों में जाकर विपक्षी सांसदों से मुलाकात कर रहे हैं। हमारी कुछ मांगों को उन्होंने अपने घोषणापत्र में भी शामिल किया था।

दलालों का खौफनाक खेल, 8 लाख रुपए में बेच रहे नवजात

- बच्चों की डिलीवरी दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और मध्यप्रदेश तक हो रही

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान में दलालों का एक संगठित गिरोह आदिवासी परिवारों से नवजात बच्चों को 20-40 हजार रुपये में खरीदकर निसंतान जोड़ों को 8 लाख रुपये तक में बेच रहा है। इन बच्चों की डिलीवरी दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और मध्यप्रदेश तक हो रही है। तकरीबन डेढ़ साल की पड़ताल में इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ है। कई लोगों ने दलालों से संपर्क किया, जिसमें 25 दिन के नवजात के लिए 8 लाख रुपये मांगे। सौदा 6 लाख रुपये में तय हुआ और वाट्सएप पर बच्चे का वीडियो भेजा गया। देखने की इच्छा जताने पर दिल्ली के दलाल ने 20 हजार रुपये मांगे। उदयपुर की दलाल ने गुलाबबाग में बच्चे को खरीदार के हाथों में सौंप दिया। गैंग में आईवीएफ सेंटर में काम करने वाली लड़कियां भी शामिल हैं, जो निसंतान जोड़ों से संपर्क करती हैं और बच्चों की डिलीवरी का भी प्रबंध करती हैं। अन्य दलाल गरीबों को नवजात बच्चों को बेचने के लिए प्रलोभन देकर फांसता है। उसके आदमी राजकुमारी को बच्चे देकर जाते हैं। एक दलाल नोएडा में रहता है और दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और कर्नाटक के अस्पतालों से संपर्क में है। जब बच्चे की डिमांड आती है, तो वह आईवीएफ सेंटर में दलाल के जरिए बच्चे की डिलीवरी करवाता है। किसी का बच्चा आपसी सहमति पर भी नहीं रखा जा सकता। इस घिनौने खेल से आदिवासी परिवारों की मजबूरी और दलालों की क्रूरता सामने आती है। सरकार और समाज को इस समस्या के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है ताकि इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने हेमंत सोरेन की जमानत को दी चुनौती, पहुंची सुप्रीम कोर्ट

रांची। झारखंड सीएम बनते ही हेमंत सोरेन की मुसीबत बढ़ गई है। ईडी ने हेमंत सोरेन को जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ईडी ने कहा कि हेमंत सोरेन को जमानत देने का फैसला अवैध था। हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ईडी की याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं हुई है। बता दें कि 28 जून को हेमंत सोरेन जमानत मिलने के बाद सेंट्रल जेल से बाहर आए। इसके बाद उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन और माता रूपी सोरेन से मुलाकात की। हेमंत सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा था कि षड्यंत्र रचकर और झूठी कहानी बनाकर उन्हें पांच महीने तक जेल में रखा। अंततः कोर्ट के आदेश पर आज राज्य की जनता के बीच हूं। कोर्ट का जो आदेश आया है, वह देखने-समझने लायक है। हमने जिस लड़ाई का संकल्प लिया है, उसे मुकाम तक पहुंचाएंगे। जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने हेमंत सोरेन को जमानत दी थी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि कोर्ट के सामने अब तक जो तथ्य रखे गए हैं, उसमें यह मानने का कोई आधार नहीं है कि सोरेन मनी लॉन्ड्रिंग के दोषी हैं। हाईकोर्ट का आदेश जारी होने के बाद रांची सिविल कोर्ट में उनके भाई बसंत सोरेन और कुमार सौरव ने 50-50 हजार रुपए के दो निजी मुचलके भरे। इसके बाद उन्हें छोड़ने का आदेश जेल भेज दिया। बता दें हेमंत सोरेन को ईडी ने जमीन घोटाले में 31 जनवरी को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्होंने ईडी की हिरासत में रात को ही राजभवन पहुंचकर सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। एक फरवरी को उन्हें न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल भेजा गया था।

पंजाब के स्कूलों को जारी हुए मंथली टेस्ट के नए निर्देश

लुधियाना । स्टेट का काउंसिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग द्वारा सैशन 2024- 25 के दौरान छठी से 12वीं कक्षा के बाय मंथली टैस्ट 1 के आयोजन के संबंध में दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। इस संबंध में विभाग द्वारा जारी एक पत्र में कहा है कि सैशन 2024- 25 के लिए हर राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में छठी से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए बाय मंथली टैस्ट एक दिनांक 10 से 20 जुलाई तक आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए स्कूल प्रमुख अपने स्तर पर डेट शीट तैयार करते हुए छठी से 12वीं कक्षा (सभी स्ट्रीम) के यह टैस्ट करवाएंगे। 9वीं से 12वीं कक्षा का बाय मंथली टैस्ट अप्रैल और मई के सिलेबस में से लिया जाएगा। छठी से 8वीं कक्षा का केवल पंजाबी, अंग्रेजी और गणित विषय का बाय मंथली टैस्ट बाद में मिशन समर्थ की ऑनलाइन टेस्टिंग के साथ मिशन समर्थ के तहत करवाएंगे सिलेबस में से लिया जाएगा। जबकि छठी से आठवीं कक्षा के अन्य विषयों का बाय मंथली टैस्ट 1 अप्रैल और मई के सिलेबस में से लिया जाएगा। इस टैस्ट के लिए प्रश्न पत्र स्कूल प्रमुख संबंधित विषय अध्यापक से तैयार करवाएंगे, यह टैस्ट कुल 20 अंक का होगा और अध्यापक द्वारा टैस्ट अपने पीरियड में ही लिया जाएगा। विभाग द्वारा स्कूल प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि यह ध्यान रखा जाए की 8वीं छठी से आठवीं कक्षा का कोई भी बाय मंथली टैस्ट मिशन समर्थ के लिए दिए पीरियड पीरियड में न लिया जाए। बाय मंथली टैस्ट की उत्तर पुस्तिका को चैक करने और के उपरांत इसका पूरा रिकॉर्ड विषय वाइज, कक्षा वाइज और विद्यार्थी वाइज स्कूल स्तर पर रखा जाएगा। स्कूल प्रमुख द्वारा इस टैस्ट का परिणाम टैस्ट मुकम्मल होने के 10 दिन के अंदर अंदर तैयार करवाया जाएगा।

वाहन खाई में गिरा, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

जम्मू । उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के राजवार गांव में एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गुलाम रसूल भट, ताहिर अहमद भट, रिफत आरा और शबनम आरा के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया। हादसे की जानकारी देते एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब परिवार के सदस्य पास के नाले से पानी लाने के लिए वाहन में सवार होकर जा रहे थे। इस दौरान वाहन गहरी खाई में गिर गया। इसके तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। कार में सवार सभी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में लंबे समय से पानी की समस्या है और मृतक अपने लिए पानी लाने के लिए बाहर गए थे। उन्होंने कहा कि अगर पानी की सुविधा होती तो यह घटना नहीं होती। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**